दैनिक
सत्ता सुधार
जनता के साथ जनता की आवाज
श्योपुर ■ सोमवार 31 मार्च 2025 ■ वर्ष -19 ■ अंक-260 ■ पृष्ठ-16 ■ मूल्य-₹03

सुविचार

सत्याग्रह की लड़ाई हमेशा दो प्रकार की होती है। एक जुल्मों के खिलाफ और दूसरी स्वयं की दुर्बलता के विरुद्ध। - सरदार पटेल

छत्तीसगढ़ में गरजे पीएम मोदी, कांग्रेस पर बोला हमला

मन और मस्तिष्क में बेईमानी, प्रदेश का भी नहीं किया विकास

एजेंसी ■ छत्तीसगढ़

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने विशेष विमान से रायपुर एयरपोर्ट पहुंचे। एयरपोर्ट पर भाजपा नेताओं ने पीएम मोदी का स्वागत किया। पीएम मोदी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि विकास के लिए बजट के साथ-साथ एक नियत भी जरूरी है। अगर कांग्रेस की तरह मन और मस्तिष्क में बेईमानी भरी हो तो बड़े से बड़े खजाने भी खाली हो जाते हैं। यही स्थिति हमने कांग्रेस के शासन के दौरान देखी है। इस कारण आदिवासियों तक विकास नहीं पहुंच पाया। पीएम मोदी ने कहा कि छत्तीसगढ़ को राज्य बने 25 साल हो रहे हैं। ये वर्ष छत्तीसगढ़ का रजत जयंती वर्ष है और संयोग से यह

साल अटल जी का जन्म शताब्दी वर्ष भी है। छत्तीसगढ़ सरकार 2025 को अटल निर्माण वर्ष के रूप में मना रही है। हमारा संकल्प है-हमने बनाया है, हम ही संवारेंगे।

पीएम मोदी ने कहा कि छत्तीसगढ़ देश के उन राज्यों में शामिल हो गया है, जहां 100 फीसदी रेल नेटवर्क बिजली से चलने लगा, यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। छत्तीसगढ़ में इस समय करीब 40000 करोड रुपए के रेल प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है। इस साल के बजट में भी छत्तीसगढ़ के लिए 7000 करोड रुपए की व्यवस्था की गई है। इसे छत्तीसगढ़ के अनेक क्षेत्रों में अच्छी रेल कनेक्टिविटी की मांग पूरी होगी। इससे आसपास के राज्यों से कनेक्टिविटी भी बेहतर होगी। छत्तीसगढ़ को अलग राज्य इसलिए बनाना पड़ा था क्योंकि यहां विकास का लाभ नहीं पहुंच पा रहा था। कांग्रेस के राज में यहां विकास का काम नहीं हो पा रहा था और जो काम होते भी थे उसमें कांग्रेस वाले घोटाला करते थे। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस को कभी

हमारा संकल्प है- हमने बनाया है, हम ही संवारेंगे

मोदी ने की संघ की जमकर तारीफ, कहा -जहां सेवा कार्य, वहीं स्वयंसेवक

नागपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को माधव नेत्रालय प्रीमियम सेंटर की आधारशिला रखी। इस दौरान उन्होंने लोगों को संबोधित भी किया। उन्होंने अपने संबोधन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और इसके स्वयंसेवकों को जमकर सराहा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भारत की अमर संस्कृति का आधुनिक अक्षय वट है। ये अक्षय वट आज भारतीय संस्कृति को... हमारे राष्ट्र की चेतना को निरंतर ऊर्जावान बना रहा है। पीएम मोदी ने यह भी कहा कि जहां भी सेवा कार्य किया जा रहा है, वहां स्वयंसेवक हैं। पीएम मोदी ने कहा कि राष्ट्र यज्ञ के इस पावन अनुष्ठान में मुझे आज यहां आने का सौभाग्य मिला है। आज चैत्र शुक्ल प्रतिपदा का ये दिन बहुत विशेष है। आज से नवरात्रि का पवित्र पर्व शुरू हो रहा है। देश के अलग अलग कोनों में आज गुड़ी पड़वा, उगादी और नवरेह त्योहार भी मनाया जा रहा है। आज भगवान झूलेलाल जी और गुरु अंगद देव जी का अवतरण दिवस भी है। ये हमारे प्रेरणापुंज परम पूज्यनीय डॉ साहब की जयंती का भी अवसर है। इसी साल आरएसएस की गौरवशाली यात्रा का 100 वर्ष भी पूरे हो रहे हैं। आज इस अवसर पर मुझे स्मृति मंदिर जाकर पूज्य डॉ. साहब और पूज्य गुरुजी को श्रद्धांजिल अर्पित करने का सौभाग्य मिला है।

आपकी चिंता नहीं हुई। आपके जीवन की, आपकी सुविधाओं की, आपके बच्चों की चिंता हमने किया। हम विकास की योजनाओं को छत्तीसगढ़ के गांव गांव तक ले जा रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि विष्णुदेव साय की सरकार बनते ही पहली कैबिनेट में 18 लाख घर बनाने का निर्णय लिया गया। आज उसमें से 3 लाख घर बनकर तैयार हैं। मुझे खुशी इस बात की भी है इसमें बहुत सारे घर हमारे आदिवासी क्षेत्रों में बने हैं। बस्तर सरगुजा के अनेक परिवारों को भी अपने पक्के घर मिले हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के तीन लाख गरीब परिवार अपने नए घर में गृह प्रवेश कर रहे हैं। यहां तीन लाभार्थियों से मिलने का अवसर मिला और मैं देख रहा था कि उनके चेहरे पर खुशी नहीं समा रही थी और वह माता तो अपने में आनंद रोक ही नहीं पा रही थी। मैं इन सभी तीन लाख परिवारों को एक नई जीवन के लिए बहुत शुभकामनाएं देता हूं।

तेजी से पूरी हो रहीं गारंटियां

पीएम मोदी ने कहा कि आप सभी ने अनुभव किया है कि हमारी सरकार कितनी तेजी से अपनी गारंटियां पूरी कर रही है। छत्तीसगढ़ की बहनों से जो हमने वादा किया था, वो पूरा करके दिखाया है। धान किसानों से दो साल का बकाया बोनस मिला है। बढ़े हुए एमएसपी पर धान की खरीदी की गई है। इसे लाखों किसान परिवारों को हजारों करोड़ रुपए मिले हैं। कांग्रेस की सरकार में यहां भर्ती परीक्षाओं में भी खूब घोटाले हुए, भाजपा सरकार ने भर्ती परीक्षाओं में हुए घोटालों को लेकर जांच बैठाई है। हमारी सरकार पूरी पारदर्शिता के साथ परीक्षाएं करवा रही है। इस ईमानदार प्रयासों का ही नतीजा है कि भाजपा पर जनता का भरोसा बढ़ता जा रहा है।

ब्रीफ न्यूज

आज मनाई जाएगी देशभर में ईद-उल-फितर

नई दिल्ली। मीठी ईद इस्लामी कैलेंडर के महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक है, जिसे ईद-उल-फितर के नाम से भी जाना जाता है। रविवार को देशभर में चांद दिख जाने से सोमवार को ईद मनाई जाएगी। इस दिन एक दूसरे को गले लगाने और सेवाईयां खिलाने का आनंद ही कुछ और होता है। यह त्योहार रमजान के महीने के अंत में मनाया जाता है, जो इस्लामी कैलेंडर का नौवां महीना है और जिसमें मुसलमान पूरे महीने रोजा रखते हैं। ईद उल-फ़ित्र को मीठी ईद भी कहते हैं। ईद उल-फ़ित्र, रमजान के पवित्र महीने के अन्त का भी प्रतीक है। रमजान महीने के आखिरी दिन चांद देखने के बाद अगले दिन ईद मनाई जाती है।

मणिपुर, नगालैंड, अरुणाचल में फिर बढ़ाया अफस्पा

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने अफस्पा को मणिपुर के पूरे क्षेत्र में लागू कर दिया है, हालांकि 13 पुलिस थाना क्षेत्रों को इससे बाहर रखा गया है। इसके साथ ही अरुणाचल प्रदेश के तीरप, चांगलांग और लोंगडिंग जिलों तथा राज्य के तीन पुलिस थाना क्षेत्रों में भी अफस्पा को अगले छह महीनों के लिए बढ़ा दिया गया है। वहीं नगालैंड में भी अफस्पा का विस्तार किया गया है। इसे आठ जिलों और राज्य के अन्य पांच जिलों के 21 पुलिस थाना क्षेत्रों में लागू किया है। यह विस्तार अगले छह महीनों के लिए प्रभावी रहेगा।

पराली जलाने से रोकने की मांग, कोर्ट ने की खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने पराली जलाने को नियंत्रित करने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी है। याचिका में पंजाब और हरियाणा सरकार को पराली जलाने पर नियंत्रण करने के लिए सख्त कदम उठाने का निर्देश देने की मांग की गई थी। जस्टिस अभय एस ओका और उज्जल भुइयां की पीठ ने याचिका खारिज करते हुए कहा कोर्ट ने पराली जलाने के मुद्दे पर कई आदेश पारित किए हैं और अभी भी मामले पर विचार किया जा रहा है, तो हम विभिन्न पक्षों को इस मामले में हस्तक्षेप और निर्देश के लिए आवेदन दायर करने की इजाजत नहीं देना चाहते हैं।

पुतिन के काफिले की कार में धमाके के बाद लगी आग

मॉस्को। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के काफिले में शामिल लिमोजिन कार में धमाके के बाद आग लग गई। इसके बाद सवाल उठने लगे कि कहीं पुतिन तो निशाने पर नहीं थे? गाड़ी में यह धमाका मॉस्को के एफएसबी हेडक्वार्टर के पास लग्जरी कार ऑरस लिमोजिन में हुआ। गाड़ी में आग लगा देख तुरंत आसपास से लोग मदद के लिए दौड़ पड़े। हाल ही में यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने पुतिन की मौत की भविष्यवाणी भी की थी।

राज्यपाल पटेल और सीएम डॉ. यादव उज्जैन में दीक्षांत समारोह में हुए शामिल

विक्रम विश्वविद्यालय अब सम्राट विक्रमादित्य नाम से जाना जाएगा

- सीएम डॉ. मोहन यादव को विश्वविद्यालय ने प्रदान की डी-लिट की उपाधि
- दीक्षांत समारोह वास्तव में सेवा के संकल्प का समारोह है
- उज्जैन नगरी सात पवित्रतम नगरियों में से एक है
- 70 को उपाधि, 99 को मेडल और 2 को डी-लिट की प्रदान

सत्ता सुधार ■ भोपाल

राज्यपाल मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार को विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन का 29वें दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. यादव और हार्टफुलनेस संस्था के संस्थापक कमलेश पटेल को विश्वविद्यालय द्वारा डी-लिट की मानद उपाधि प्रदान की गई। साथ ही 70 विद्यार्थियों को उपाधि, 99 को मेडल और 2 शोधार्थियों को डी-लिट उपाधि प्रदान की गई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज का दिन कई मायनों में हम सब के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण है। उज्जैन नगरी सात पवित्रतम नगरियों में से एक है। हर कल्प में इसका विशेष महत्व रहा है। आज भारतीय नव वर्ष प्रतिपदा पर हम सब हर्षोल्लास के साथ गुड़ी पड़वा और चैटी चंड पर्व मना रहे हैं। आज उज्जैन का गौरव दिवस भी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विक्रम विश्वविद्यालय अब सम्राट विक्रमादित्य के नाम से जाना जाएगा। माधव विज्ञान महाविद्यालय के परिसर में शीघ्र ही विशाल सभागार बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने सभी को बधाई देते हुए कहा कि जिन विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई है, वे अपनी प्रतिभा का उपयोग अभीष्ट उद्देश्य की प्राप्ति के लिए करें। समाज-सेवा और राष्ट्र की सेवा करें। भविष्य कि अपार संभावनाएं आपका इंतजार कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने उज्जयिनी के गौरव दिवस और विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह की बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धियां विद्यार्थियों के ज्ञान और विद्या के साथ उनका उत्तरदायित्व भी बढ़ाती हैं। विद्यार्थियों के लिए भविष्य की अनेक संभावनाएं विद्यमान हैं। यही कामना है कि विद्यार्थी न केवल देश एवं प्रदेश की सेवा करें अपितु अपने कर्म और योगदान के आधार पर विक्रम विश्वविद्यालय के साथ प्रदेश और देश का नाम भी दुनिया में रोशन करें। उन्होंने कहा कि विक्रम विश्वविद्यालय के इतिहास में आज का दिन विशेष महत्व का है। विश्वविद्यालय की 1956 में स्थापना से आज तक हुए दीक्षांत समारोहों में यह पहला मौका है जब राज्यपाल, मुख्यमंत्री, उच्च शिक्षा मंत्री, पद्मभूषण, सांसद, विधायक सभी एक साथ शामिल हुए हैं।

डॉ. यादव ने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य की शासन व्यवस्था में विद्यमान सुशासन और जन-कल्याण के कई पहलुओं की झलक वर्तमान में पीएम मोदी द्वारा किये जा रहे शासन संचालन और जन-कल्याण की गतिविधियों में मिलती है। मुख्यमंत्री ने स्वयं का उदाहरण देते हुए कहा कि जब वे विद्यार्थी थे तब विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह की कोई परिपाटी नहीं थी। लंबे समय तक विश्वविद्यालयों में दीक्षांत समारोह का कोई स्थाई क्रम नहीं रहा, परिणाम स्वरूप, विश्वविद्यालय के बहुत से बैच विद्यार्थियों ने बिना दीक्षांत समारोह के सामान्य रूप से अपनी डिग्रियां प्राप्त कीं। मुख्यमंत्री ने राज्यपाल पटेल द्वारा सभी विश्वविद्यालयों में अनिवार्यतः दीक्षांत समारोह आयोजित करने की व्यवस्था स्थापित करने के लिए उनकी प्रशंसा की। इस अवसर पर राज्यपाल मंगूभाई पटेल ने कहा कि विक्रम विश्वविद्यालय में आयोजित दीक्षांत समारोह में सम्मिलित होकर अत्यंत आनन्द का अनुभव हो रहा है। दीक्षान्त समारोह में अपनी उपाधियां प्राप्त करने वाले सभी छात्र-छात्राओं को मैं आत्मीय बधाई देता हूं। राज्यपाल ने सभी विद्यार्थियों के यशस्वी एवं मंगलमय भविष्य की कामना करते हुए कहा कि दीक्षांत समारोह वास्तव में सेवा के संकल्प का समारोह है। जीवन में सफलता के लिए कठोर अनुशासन की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, धर्म, साहित्य, संस्कृति, विज्ञान और व्यापार के क्षेत्रों में भारत के मानचित्र पर उज्जैन की अपनी विशिष्ट पहचान है। क्षिप्रा के पवित्र तट पर बसे उज्जैन नगर में विद्याध्ययन की अभिलाषा से आये श्रीकृष्ण की कथा पूरे संसार में प्रसिद्ध है।

विक्रम संवत में समारोह होना गौरव का विषय

विक्रम विश्वविधालय के कुलगुरू आचार्य अर्पण भारद्वाज ने कहा कि विश्वविद्यालय के लिये यह हर्ष का विषय है कि चैत्र शुक्ल प्रतिपदा (गुड़ी पड़वा) की पावन तिथि पर सिद्धार्थी नामक नवसंवत तद्नुसार विक्रम संवत 2082 को 29वां दीक्षांत समारोह आयोजित हुआ है। उन्होंने कहा कि यह भी गौरव का विषय है कि हमारे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं पद्मभूषण से अलंकृत कमलेश डी पटेल को डी-लिट की मानद उपाधि से विभूषित किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. भारद्वाज और कुल सचिव अनिल शर्मा ने राज्यपाल पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. यादव का स्वागत पुष्प-गुच्छ, शॉल, अश्वगंधा का पौधा और स्मृति चिन्ह भेंट कर किया।

माता-पिता का सदैव सम्मान करें

राज्यपाल ने कहा कि दीक्षित होने वाले विद्यार्थी अपने माता-पिता और गुरुजनों का आजीवन सम्मान करें। माता-पिता कई कष्टों को झेलकर अपने बच्चों का पालन-पोषण और शिक्षा-दीक्षा की व्यवस्था करते हैं। अतः जीवन में अपने माता-पिता का सदैव सम्मान करें और उनकी सेवा करें, तभी हम अपने समाज और राष्ट्र की सेवा कर सकेंगे और हमारा जीवन बेहतर होगा। एक अच्छे और जिम्मेदार नागरिक बन कर हम अपने देश की प्रगति में योगदान दे सकेंगे।

ज्ञान का सदुपयोग समाज और देश की सेवा में करें

उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि आज जिन विद्यार्थियों को दीक्षित किया जा रहा है, वे सभी अपने ज्ञान का सदुपयोग समाज और देश की सेवा में करें। एक सकारात्मक वातावरण का निर्माण करें। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश राज्य में सबसे पहले राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू की गई थी। मध्यप्रदेश शासन द्वारा निरन्तर शिक्षा नीति को और प्रभावी ढंग से क्रियान्वित किये जाने पर कार्य किया जा रहा है। वहीं कमलेश पटेल ने इस अवसर पर कहा कि योग की साधना करने पर पहला फल विवेक और बुद्धि के रुप में प्राप्त होता है। हम सभी को अपने नकारात्मक गुणों को समाप्त करने का प्रयास करना चाहिए। ध्यान से ही हमारी प्रगति हो सकती है।

तीसरे दिन भी कांपी म्यांमार की धरती, अब तक 1700 की मौत

अब 5.1 तीव्रता का आया भूकंप, फोन, बिजली व इंटरनेट बंद

एजेंसी ■ नई दिल्ली

म्यांमार शुक्रवार को आए शक्तिशाली भूकंप के बाद लगातार धरती कांप रही है। यूएसजीएस के मुताबिक, रविवार को म्यांमार के दूसरे सबसे बड़े शहर के पास 5.1 तीव्रता का भूकंप आया। हालांकि, नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी ने इसकी तीव्रता 4.6 बताई। यह शुक्रवार के विनाशकारी भूकंप के बाद आए झटकों में सबसे नया था। भूकंप के झटके महसूस होने पर मांडले की सड़कों पर लोग चीखने लगे। इससे पहले शुक्रवार को शहर के पास 7.7 तीव्रता का भूकंप आया था, जिससे कई इमारतें गिर गई और अन्य बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा। अब तक 1,700 लोगों के मारे जाने और 3,400 से अधिक लोगों के लापता होने की खबर है। आशंका जताई जा रही है कि यह संख्या बढ़ सकती है। रविवार दोपहर आए झटके से पहले 7.7 तीव्रता के भूकंप के बाद म्यांमार में शनिवार शाम तक कम से कम पांच झटके महसूस किए गए थे। लगातार आ रहे झटकों से लोगों में दहशत है। म्यांमार सागाइंग फॉल्ट पर स्थित है, जो इंडिया प्लेट और सुंडा प्लेट को अलग करता है, जिस वजह से यहां भूकंप का खतरा बना रहता है।

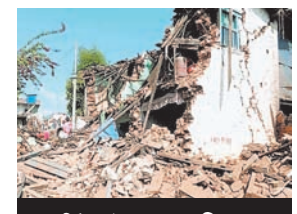

थाईलैंड में 47 नागरिक लापता

बैंकॉक के अधिकारियों ने बताया कि थाईलैंड में भूकंप के कारण अब तक 10 लोग की मौत हुई है, 26 लोग घायल हैं और 47 अब भी लापता हैं। राजधानी के लोकप्रिय चतुचक बाजार के निकट एक निर्माण स्थल पर काफी तबाही हुई है। भूकंप आने पर, थाईलैंड की सरकार के लिए एक चीनी कंपनी द्वारा बनाई जा रही 33 मंजिला ऊंची इमारत हिली और धूल के गुबार के साथ धराशायी हो गई।

भाजपा से निष्कासित नेता कर्नाटक में बनाएंगे नई 'हिंदू पार्टी', किया ऐलान

एजेंसी ■ बैंगलुरु

कर्नाटक में पूर्व भाजपा विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल ने राज्य में एक नए 'हिंदू पार्टी' के गठन का संकेत दिया है। भाजपा से निष्कासन के बाद यतनाल ने कहा कि अगर भाजपा ने बीवाई विजयेंद्र को प्रदेश अध्यक्ष बनाए रखा और बीएस येदियुरप्पा के परिवारवाद को समर्थन दिया, तो वे एक नया राजनीतिक दल बनाएंगे। यतनाल ने स्पष्ट किया कि वे भाजपा और पीएम नरेंद्र मोदी के खिलाफ नहीं हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा मेरी मां के समान है, लेकिन कर्नाटक भाजपा अब हिंदुओं की रक्षा करने में असमर्थ हो गई है।

उन्होंने कांग्रेस, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और डिप्टी सीएम डी.के. शिवकुमार के साथ भाजपा के समायोजन राजनीति के आरोप लगाए और कहा कि राज्य के हिंदू कार्यकर्ता असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। यतनाल ने दावा किया कि राज्यभर से उन्हें हिंदू कार्यकर्ताओं के संदेश मिल रहे हैं कि एक नया हिंदूवादी दल बनाया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर भाजपा नेतृत्व ने विजयेंद्र को अगली बार भी प्रदेश अध्यक्ष और मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में जारी रखा, तो राज्य के लोग एक ऐतिहासिक निर्णय लेंगे। बता दें भाजपा ने यतनाल को पार्टी अनुशासन के उल्लंघन के कारण 6 साल के लिए निष्कासित कर दिया है। लेकिन यतनाल ने सवाल उठाया कि उनका अपराध क्या था?

हादसा यात्रियों के लिए की नई ट्रेन की व्यवस्था, दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू

कामाख्या एक्सप्रेस के 11 डिब्बे पटरी से उतरे एक की मौत, 8 घायल

एजेंसी ■ कटक

ओडिशा से रेल हादसे की खबर आ रही है। बताया जा रहा है कि यहां कामाख्या एक्सप्रेस ट्रेन के कई डिब्बे पटरी से उतर गए हैं। कटक में नेरगुंडी रेलवे स्टेशन के पास यह हादसा हुआ है। दुर्घटना में एक शख्स की मौत हुई है, जबकि 8 यात्री घायल हुए हैं। इस मामले में जिलाधिकारी (डीएम) दत्तात्रेय भाऊसाहेब शिंदे ने कहा कि घायलों को बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया है। दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। जानकारी के मुताबिक ट्रेन संख्या 12251 बंगलूरू से असम के गुवाहाटी के कामाख्या स्टेशन जा रही थी। दुर्घटना के कारण का अब तक पता नहीं चल सका है। रेलवे प्रशासन ने बताया है कि यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए नई ट्रेन का बंदोबस्त किया गया है। डीआरएम खुर्दा रोड, जीएम, ईसीओआर और अन्य उच्च स्तरीय अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। जांच के बाद हमें पटरी से उतरने का कारण पता चलेगा। हमारी पहली प्राथमिकता मार्ग पर प्रतीक्षा कर रही ट्रेनों को डायवर्ट करना और बहाली का काम शुरू करना है।

हेल्पलाइन नंबर जारी

जानकारी के मुताबिक, हेल्पलाइन 8455885999 और 8991124238 शुरू कर दी गई हैं। फंसे हुए यात्रियों को उनके गंतव्य तक भेजने के लिए आवश्यक व्यवस्था की जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि पटरी से उतरने के कारण तीन ट्रेनों का मार्ग परिवर्तित किया गया है। ये ट्रेनें धौली एक्सप्रेस, नीलाचल एक्सप्रेस और पुरुलिया एक्सप्रेस हैं।

मणिकर्ण में गाड़ियों पर गिरा पेड़, छह की मौत

कुल्लू। हिमाचल प्रदेश की धार्मिक नगरी मणिकर्ण में नव संवत के दिन एक दर्दनाक हादसा हो गया। कायल का एक पेड़ तेज हवा के चलते नीचे खड़ी गाड़ियों पर गिर गया। पेड़ गिरने से छह लोगों की मौत हो गई। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई है। मृतकों में कुछ पर्यटक भी शामिल हैं। घायलों को कुल्लू अस्पताल लाया जा रहा है। फिलहाल, मरने वालों की पहचान की जा रही रही है। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कुल्लू के मणिकर्ण में हुए हादसे पर गहरा शोक प्रकट कर पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मणिकर्ण गुरुद्वारा के ठीक सामने वाली सड़क के पास एक पेड़ टूटकर गिर गया, जिसकी चपेट में आने से वहां पर खड़े रेहड़ी संचालक एक गाड़ी सवार और तीन पर्यटक जो मौके पर मौजूद थे उनकी मौत हो गई है। एडीएम कुल्लू अश्वनी कुमार ने बताया कि हादसे में 6 लोगों की जान गई है, जबकि कई घायल हुए हैं । राहत एवं बचाव कार्य जारी है। प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच गई है।

पीएम मोदी ने मध्यप्रदेश की बहनों को किया प्रेरित : मुख्यमंत्री

- मन की बात में महुआ के फूलों से कूकीज बनाने का किया उल्लेख
- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री मोदी का किया अभिवादन

सत्ता सुधार ■ भोपाल

पीएम नरेन्द्र मोदी द्वारा रविवार को मन की बात रेडियो कार्यक्रम में प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में महुआ के फूल से कूकीज बनाए जाने का उल्लेख करने का मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अभिवादन किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में बहनें अपने स्तर पर पहल कर आत्मनिर्भरता की नई मिसालें प्रस्तुत कर रही हैं। पीएम मोदी द्वारा नवरात्रि के शुभ अवसर पर नारी शक्ति द्वारा किए जा रहे हैं नवाचारों का उल्लेख करने से उन्हें प्रेरणा मिलेगी और बहनें अपने कौशल और परिश्रम से नऐ आयाम स्थापित करने की ओर अग्रसर होंगी।

उल्लेखनीय है कि पीएम मोदी ने मन की बात में नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि आपने महुआ के फूलों के बारे में जरूर सुना होगा, हमारे गांवों और खासकर के जनजातीय समुदाय के लोग इसके महत्व से अच्छी तरह परिचित हैं। देश के कई हिस्सों में महुआ के फूलों की यात्रा अब एक नए रास्ते पर निकल पड़ी है। मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में महुआ के फूल से कूकीज बनाए जा रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि राजाखोह गांव की चार बहनों के प्रयास से ये कूकीज बहुत लोकप्रिय हो रही है। इन महिलाओं का जज्बा देखकर एक बड़ी कम्पनी ने इन्हें फेक्ट्री में काम करने की ट्रेनिंग दी। इससे प्रेरित होकर गांव की कई महिलाएं इनके साथ जुड़ गई हैं। इनके बनाए महुआ कूकीज की मांग तेजी से बढ़ रही है।

युवा पीढ़ी को नव संवत्सर मनाने के लिए हर स्तर पर पहुंचानी होगी जानकारी

पीएम मोदी के संकल्प को पूरा करने का आज शुभ दिन : देवड़ा

सत्ता सुधार ■ भोपाल

उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा है कि प्रदेश की युवा पीढ़ी को नव संवत्सर मनाने के लिये प्रदेश के ग्रामीण स्तर तक नव वर्ष की जानकारी पहुंचानी होगी। उन्होंने कहा कि प्रतिपदा, नव संवत्सर, हिन्दू नव वर्ष और गुड़ी पड़वा आज चैत्र नवरात्र से शुरू होता है। आज का दिन सूर्य उपासना का दिन है। आज ही के दिन ब्रह्माजी ने सृष्टि का निर्माण किया था। यह जानकारी नई पीढ़ी को मिले, इसलिए इस तरह के आयोजन किए जाने चाहिए। उप मुख्यमंत्री देवड़ा भोपाल के सुभाष उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित विक्रमोत्सव-2025 कोटि सूर्योपासना के जिला स्तरीय आयोजन को संबोधित कर रहे थे।

देवड़ा ने कहा कि पीएम नरेन्द्र मोदी के संकल्प को पूरा करने का आज शुभ दिन है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस कार्यक्रम को भव्य रूप से पूरे प्रदेश में मनाने का जो बीड़ा उठाया है, वो सराहनीय है। उज्जैन में राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन भी किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह नव वर्ष सभी के लिए मंगलमय हो और देश-प्रदेश आगे बढ़े। प्रधानमंत्री का संकल्प है कि वर्ष 2047 तक हमारा देश विकसित देशों की श्रेणी में अव्वल बने। इसके लिये हम सबको संकल्पित होकर कार्य करना होगा।

सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि हम प्रतिवर्ष विक्रमोत्सव मनाएंगे। उन्होंने कहा कि 31 दिसम्बर के बाद जिस पहली जनवरी को न्यू ईयर मनाया जाता है, उसका कोई इतिहास नहीं है। नव संवत्सर हमारा विजय दिवस है, शक्ति आराधना दिन है। हम सभी को आज अपने-अपने घर पर विजय पताका फहराना है। उन्होंने कहा कि दुनिया जिस कैलेन्डर पर चल रही है, उससे 57 साल पहले हमारा कैलेण्डर आ चुका था। आज से हम सभी 9 दिन मां की आराधना अलग-अलग तरीके से कर ऊर्जा प्राप्त करेंगे। प्रधानमंत्री नवरात्र पर नौ दिन व्रत के दौरान सिर्फ नींबू पानी पर रहते हैं। प्रधानमंत्री दुनिया के किसी भी कोने में जाते हैं तो वहां मंदिरों का भ्रमण भी करते हैं और भारत की संस्कृति और योग की बात करते हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर ब्रह्मध्वज वंदना के साथ किया गया। इस दौरान सम्राट विक्रमादित्य पर केन्द्रीय नृत्य नाट्य की प्रस्तुति भी दी गई।

ब्रीफ न्यूज

समर्थन मूल्य पर उपार्जित गेहूं का सुरक्षित भण्डारण करें

भोपाल। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि मौसम विभाग द्वारा प्रदेश में आगामी दिनों असामयिक वर्षा होने का पूर्वानुमान जारी किया गया है। अतः रबी विपणन वर्ष 2025-26 में अभी तक उपार्जित गेहूं का परिवहन एवं भण्डारण सुनिश्चित करें। इस तरह के प्रयास करें कि किसी भी उपार्जन केन्द्र पर असामयिक वर्षा से गेहूं भीगना नहीं चाहिए। मंत्री राजपूत ने कहा है कि अभी तक 7 लाख 98 हजार 461 मीट्रिक टन गेहूं का उपार्जन किया जा चुका है। इसमें से 6 लाख 96 हजार 625 मीट्रिक टन उपार्जित गेहूं का परिवहन एवं भण्डारण किया जा चुका है। शेष मात्रा 1 लाख 1 हजार 836 मीट्रिक टन गेहूं का परिवहन एवं भण्डारण अति शीघ्र करवाएं।

मिशन लाइफ के लिए ईको क्लब का गठन

भोपाल। प्रदेश में स्कूलों में विद्यार्थियों को पर्यावरण संबंधी गतिविधियों, जलवायु परिवर्तन और अन्य पर्यावरणीय मुद्दों के प्रति संवेदनशील और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार बनाने के लिये लोक शिक्षण संचालनालय ने स्कूलों में ईको क्लब गठित किये जाने का निर्देश दिये है। इसके लिये समस्त जिला शिक्षा अधिकारियों को पत्र लिखा गया है। पत्र में निर्देश दिये गये है कि मिशन लाइफ के लिये स्कूलों में ईको क्लब का गठन किया जाये। पर्यावरण संरक्षण पर केन्द्रित आयोजन किए जाएं। मिशन लाईफ के अंतर्गत एनसीईआरटी द्वारा एनआईसीटीई के साथ प्रौद्योगिकी पार्टनर के रूप में एक पोर्टल बनाया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बड़नगर में चिकित्सालय का किया शुभारंभ

निजी अस्पतालों को राज्य सरकार देगी अनुदान

- चिकित्सा सेवा मानवता की सर्वोत्तम सेवा

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि समाज में चिकित्सकों का योगदान सर्वोच्च माना जाता है, चिकित्सा सेवा मानवता की सर्वोत्तम सेवा है। सभी चिकित्सक हमेशा अपने हृदय में दया करुणा और मानवता के भाव को सर्वोच्च स्थान दें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में मेडिकल टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए सरकार निजी अस्पतालों/बड़े मेडिकल ग्रुप्स को अनुदान देगी। वेलनेस सेंटर, नेचुरोपैथी सेंटर की स्थापना सहित आयुर्वेद (आयुष) को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे निजी प्रयासों को भी राज्य सरकार अनुदान देगी। गौशालाओं की स्थापना को भी सरकार समुचित प्रोत्साहन दे रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को उज्जैन जिले के बड़नगर में काबरा हास्पिटल एवं रिसर्च सेंटर का शुभारंभ कर संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि राज्य शासन की पहल पर बड़नगर में साढ़े तीन हजार करोड़ रुपए की लागत से सीमेंट कारखाना स्थापित हो रहा है, जिससे बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार मिलेगा और क्षेत्र का औद्योगिक विकास होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने काबरा परिवार द्वारा बीते कई दशकों से मानव मात्र की उपचार सेवाओं के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि डॉ. वासुदेव काबरा के नेतृत्व में इस परिवार की तीसरी पीढ़ी भी बड़नगर क्षेत्र के पीड़ितों/मरीजों के इलाज में पूरे समर्पण से सेवा दे रहे हैं, यह तारीफ की बात है। बड़नगर जैसी छोटी जगह

में एक बड़ा हॉस्पिटल स्थापित करना निःसंदेह प्रशंसनीय है। उन्होंने कहा कि संतों के मार्गदर्शन और उनके सुझाए मार्ग से हम प्रदेश की जनता की सेवा में आगे बढ़ रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आयुर्वेद एवं प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति के सराहना करते हुए कहा कि इस पद्धति से रोग का जड़ से उन्मूलन किया जाता है। कोरोना काल में आयुर्वेदिक काढ़े ने ही लाखों कोरोना पीड़ित लोगों को जीवनदान दिया था। उन्होंने कहा कि परमात्मा हम पर कृपावान हैं कि उसने हमें निरोगी काया देकर इस संसार में भेजा है, पर यदि किसी वजह से शरीर में रोग उत्पन्न हो जाए, तो हमारी प्रकृति/परिवेश में ही ऐसी व्यवस्था दे दी है कि नैसर्गिक पद्धति से उस रोग का स्थायी इलाज हो जाए। उन्होंने कहा कि आज विक्रम संवत का पहला दिन है। हमारी काल गणना पद्धति वैज्ञानिक है और व्यवहारिक भी है।

पथ सही होने पर शपथ होती है सफल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन में भगवान श्री महावीर स्वामी ने तपस्या की है। तपस्या का पथ सही होने पर शपथ सफल होती है। मानव जीवन संक्षिप्त समय का है, इसलिए जितना भी समय है, उसे हम परमार्थ के कार्य और सभी जीवों की सेवा में लगाना चाहिए। परमार्थ के कार्य कर मानव महापुरुष हो जाता है। मुख्यमंत्री रविवार को उज्जैन में जैन समाज के शपथ अनुष्ठान पर्व में शामिल हुए।

भगवान श्रीकृष्ण से जुड़े स्थानों को तीर्थस्थल के रूप में कर रहे विकसित

मुख्यमंत्री ने रविवार को उज्जैन में एक कार्यक्रम में प्रदेशवासियों एवं विशेष रूप से सिंधी समाज के सभी भाई और बहनों को चेटी चंड महापर्व की मंगलकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि चेटी चंड का यह पावन पर्व भगवान झूलेलाल की कृपा से सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और शांति लेकर आए। उज्जैन नगरी भगवान श्रीमहाकाल और श्रीकृष्ण की नगरी है, यह कला की नगरी, उत्कर्ष की नगरी है, आध्यात्म का केंद्र है, सम्राट विक्रमादित्य की नगरी में विक्रमोत्सव के अवसर पर सभी को चेटी चंड पर्व और चैत्र प्रतिपदा की मंगलकामनाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह अवसर हमें प्रेम, सद्भाव और सामाजिक एकता के मूल्य सिखाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम पशुपालक कृषक भाइयों के लिए दूध उत्पादन में वृद्धि करने पर बोनस प्रदान कर रहे है, जिससे उनकी आय में वृद्धि होगी। भगवान श्रीकृष्ण के जीवन से जुड़े स्थानों को तीर्थ के रूप में श्रीकृष्ण पाथेय न्यास अंतर्गत विकसित कर रहे है।

सीएम ने विक्रम संवत् पर सूर्य को अर्घ्य देकर किया पूजन-अर्चन, क्षिप्रा नदी में किया नौका विहार

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को उज्जैन में प्रातः भारतीय नव वर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा, विक्रम नव संवत्सर 2082 के आरंभ के अवसर पर उदीयमान सूर्य देव को अर्घ्य दिया और हिंदू नव वर्ष पर विक्रम ध्वज, गुड़ी का दत्त अखाड़ा घाट पर पूजन-अर्चन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों और देशवासियों को भारतीय नववर्ष की मंगलकामनाएं दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति के अंतर्गत पर्व और त्योहारों का निर्धारण मंगल तिथियां के आधार पर होता है। खगोलीय गतिविधियों की दृष्टि से गुड़ी पड़वा अर्थात प्रतिपदा, वर्ष की पहली मंगल तिथि है। इस मंगल तिथि का अभिवादन कहीं चेटीचंड, कहीं वर्ष प्रतिपदा और कहीं गुड़ी पड़वा सहित अन्य अनेक नाम से किया जाता है। उन्होंने बताया की यह प्राचीन सनातन संस्कृति की अनुपम परंपरा है। इसी तिथि पर चंदुओर खुशियों, समृद्धि और हर्षोल्लास का वातावरण होता है। गुड़ी पड़वा पर घर-घर स्थापित

होने वाला कलश हमारी पवित्र आत्मा को अभिव्यक्त करता है। सीएम ने कहा कि समृद्धि और विकास का नव संवत्सर सभी के जीवन में सुख- समृद्धि और आनंद का भाव लाए, ईश्वर से यही कामना है। मुख्यमंत्री ने पूजन-अर्चन के बाद मां क्षिप्रा की गोद में नौका विहार कर व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। इसके बाद देव दर्शन कर साधु-संतों और श्रद्धालुओं से मुलाकात की।

26वें मेडिसिन अपडेट 2025 कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री शुक्ल बोले-

डॉक्टरों की क्वालिटी और मानक मानवता के लिए अत्यंत जरूरी

सत्ता सुधार ■ भोपाल

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि हेल्थ केयर क्षेत्र में पीएम नरेन्द्र मोदी की प्राथमिकता से निरंतर प्रगति हो रही है। मेडिसिन अपडेट जैसे सेमिनार नए निष्कर्ष निकालने में सहायक होते हैं, जिससे नई पीढ़ी को भी लाभ मिलता है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल, एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया के जबलपुर चेप्टर द्वारा होटल विजन महल में 26वें मेडिसिन अपडेट 2025 कार्यक्रम में शामिल हुए।

शुक्ल ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में डॉक्टरों की उपलब्धता बढ़ाई जा रही है। मेडिकल कॉलेज में प्रदेश में एमबीबीएस की 10 हजार और पीजी में 5 हजार सीट की वृद्धि की जाएगी, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में डॉक्टरों की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। प्रदेश में 10 हजार करोड़ का निवेश हेल्थ केयर में किया गया है और डॉक्टरों के लिए बेहतर प्रोजेक्ट तैयार किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों की क्वालिटी और मानक, मानवता के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। समय के साथ उन्हें अपडेट रहना चाहिए और ऐसे सेमिनार से नई जानकारी प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों को सेवा भाव से कार्य कर समाज में उत्कृष्ट योगदान देना चाहिए।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था 11वें स्थान से पांचवें स्थान पर आ गई है और 2047 तक अमेरिका और चीन को भी पीछे छोड़कर भारत शीर्ष पर पहुंचेगा। स्वास्थ्य क्षेत्र में भारत की अग्रणी भूमिका होगी। उन्होंने सेमिनार में आए निष्कर्षों को सरकार तक पहुंचाने की बात कही। शुक्ल ने उत्कृष्ट योगदान देने वाले चिकित्सकों को सम्मानित किया गया।

पूर्व मंत्री और विधायक अजय बिश्नोई ने कहा कि मेडिसिन अपडेट समय की मांग है। एलोपैथी में नई खोजों से पीड़ित मानवता की सेवा होती है। उन्होंने आयुष के क्षेत्र में हो रहे शोध कार्यों की भी सराहना की। इस दौरान एआईपी के प्रेसिडेंट डॉ. नवीन शर्मा, सचिव डॉ. अभिषेक तिवारी, सीएमएचओ डॉ. संजय मिश्रा और अन्य प्रतिष्ठित चिकित्सक मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर हुआ।

शुक्ल ने दी ईद-उल-फितर की शुभकामनाएं

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने प्रदेशवासियों को ईद-उल-फितर की शुभकामनाएं दी हैं। शुक्ल ने कहा कि ईद का पर्व त्याग, सेवा और भाईचारे का प्रतीक है। यह त्योहार हमें समाज में एकता और सौहार्द को मजबूत करने की प्रेरणा देता है। उपवास और इबादत के इस पवित्र महीने के बाद ईद का त्योहार सभी के जीवन में खुशहाली और समृद्धि लाए, ऐसी कामना है।

सूर्य उपासना कार्यक्रम में शामिल हुईं मंत्री भूरिया

नई पीढ़ी को ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व के कराएं अवगत

सत्ता सुधार ■ भोपाल

भारत का नववर्ष विक्रम संवत्, गुड़ी पड़वा 30 मार्च 2025 को महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया की उपस्थिति में राजवाड़ा चौक झाबुआ पर पूरे हर्षोल्लास से मनाया गया है। संस्कृति विभाग निर्देशानुसार विक्रमोत्सव 2025 के अंतर्गत जिला मुख्यालय पर राजवाड़ा चौक में मंत्री महिला एवं बाल विकास निर्मला भूरिया के मुख्य आतिथ्य में और कलेक्टर नेहा मीना की उपस्थिति में सूर्य उपासना कार्यक्रम में श्री सत्यनारायण मंदिर में पूजन कर सूर्य भगवान को अर्घ्य देकर सूर्य उपासना की गई। साथ ही ब्रम्हध्वज को स्थापित किया गया।

सम्राट विक्रमादित्य के जीवन पर आधारित नाट्य प्रस्तुति सम्राट विक्रमादित्य का मंचन किया गया और भारत का नववर्ष विक्रम संवत् पुस्तिका का विमोचन कर वितरण के साथ उसके प्रमुख अंशो का वाचन किया गया। नाट्य प्रस्तुति के कलाकारों का सम्मान किया गया।

मंत्री भूरिया ने समस्त उपस्थितजनों को नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नववर्ष के शुभारम्भ पर सम्राट विक्रमादित्य के जीवन पर आधारित नाट्य प्रस्तुति सम्राट विक्रमादित्य का मंचन से नई पीढ़ी को ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व को अवगत कराया जा सके। इस दौरान जनप्रतिनिधि भानु भूरिया, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि बिट्टू सिंगार, पुलिस अधीक्षक पद्म विलोचन शुक्ल, वन मण्डलाधिकारी हरे सिंह ठाकुर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जितेन्द्र सिंह चौहान, सामाजिक कार्यकर्ता श्री ओम शर्मा, एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी मौजूद थे।

हेडगेवार जी के विचार और राष्ट्र सेवा मार्गदर्शक रहेंगे

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मां भारती की सेवा के लिए संकल्पित राष्ट्र सेवकों के संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक, श्रद्धेय केशव बलिराम हेडगेवार जी की जयंती पर शत-शत नमन कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राष्ट्र चिंतक, मातृभूमि के गौरव स्व. हेडगेवार का अनुशासित जीवन कोटि-कोटि स्वयंसेवकों को प्रेरित करता रहेगा। श्रद्धेय हेडगेवार जी के विचार, चिंतन और राष्ट्र सेवा के उनके संस्कार हमारे लिए जीवन पर्यंत मार्गदर्शक बने रहेंगे।

मप्र में गर्मी के मौसम में बिजली की दरों में बढ़ोतरी

आयोग ने दरों में 3.46 फीसदी बढ़ोतरी की दी मंजूरी

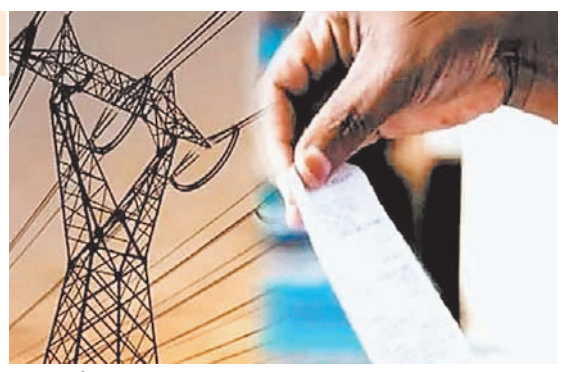

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मध्य प्रदेश में गर्मी के मौसम में आम जनता को बिजली का बड़ा झटका लगा है। राज्य विद्युत नियामक आयोग ने वर्ष 2025-26 के लिए बिजली की दरों में 3.46 फीसदी की बढ़ोतरी को मंजूरी दी है। हालांकि, स्मार्ट मीटर वाले उपभोक्ताओं को दिन में बिजली खपत पर 20 फीसदी तक की छूट मिलेगी। राज्य विद्युत नियामक आयोग ने नया टैरिफ ऑर्डर जारी किया है, जो जल्द ही लागू होगा। बिजली कंपनी ने 7.52 फीसदी की बढ़ोतरी की मांग की थी, लेकिन आयोग ने केवल 3.46 फीसदी की बढ़ोतरी को मंजूरी दी। नए दरें एक अप्रैल से लागू होगी।

स्मार्ट मीटर वाले उपभोक्ताओं को दिन के समय बिजली की खपत पर 20 फीसदी तक की छूट मिलेगी, और इन उपभोक्ताओं को मीटरिंग प्रभार भी नहीं देना होगा। घरेलू उपभोक्ताओं के लिए 100 यूनिट तक के बिल पर 24 रुपये तक की बढ़ोतरी की गई है, लेकिन अटल गृह ज्योति योजना के तहत उन्हें पहले की तरह 100 रुपये ही चुकाने होंगे। बढ़ी हुई राशि राज्य सरकार सब्सिडी के रूप में भुगतान करेगी।

इसके अलावा, सभी लो प्रेशर और हाई प्रेशर मौसम वाले उपभोक्ताओं के लिए राहत देते हुए न्यूनतम प्रभार को समाप्त कर दिया गया है। नई बिजली दरें अप्रैल से लागू हो जाएंगी, और मई महीने से उपभोक्ताओं को बढ़ी हुई दरों के साथ बिल मिलेगा। 50 यूनिट तक बिजली जलाने वाले उपभोक्ताओं को 18 पैसे प्रति यूनिट ज्यादा चुकाने होंगे, वहीं 150 यूनिट तक खपत करने पर 26 पैसे प्रति यूनिट महंगी बिजली का बिल आएगा। नियामक आयोग द्वारा 29 मार्च 2025 को जारी विद्युत दरों के अनुसार क्रमशः 3 हॉर्स पॉवर, 5 हॉर्स पॉवर एवं 10 हॉर्स पावर के पंप पर कृषि उपभोक्ताओं को पूरे वर्ष में 30,730 रूपये, 54,671 रुपए एवं 1,15,655 रुपए का देयक बनता है।

सियासत — मप्र कांग्रेस के जिला अध्यक्षों की 3 को दिल्ली में होगी बैठक

बैठक से पहले प्रदेश कांग्रेस ने अपने जिला अध्यक्षों को दी ट्रेनिंग

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मध्य प्रदेश कांग्रेस के जिला अध्यक्षों को दिल्ली बुलाया गया है। 3 अप्रैल को कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व बैठक लेगा। जिसमें कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी प्रमुख रूप से मौजूद रहेंगे। बैठक से पहले मध्य प्रदेश कांग्रेस कांग्रेस अपने सभी जिला अध्यक्षों को ट्रेनिंग दे दी है। मीटिंग में क्या बोलना है और क्या नहीं, इसके बारे में उन्हें बता दिया गया है। गुजरात में होने वाले अधिवेशन से पहले दिल्ली में बैठक होगी।

बैठक से पहले सभी जिला अध्यक्षों को ट्रेंड कर दिया गया है। जिला अध्यक्षों की को वर्चुअली ली गई बैठक में उन्हें बताया गया कि जो कुछ बोलना वह सोच समझ कर बोलना, साथ ही यदि किसी से पूछा जाए कि मध्य प्रदेश कांग्रेस संगठन में कितने ब्लॉक हैं, तो एक हजार मत बता देना। जिला अध्यक्षों को यह बताया गया कि किस तरह से पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के सवालों का जवाब देना है। उन्हें यह भी कहा गया कि अपने जिले की हर जानकारी से अपडेट रहें। जिसमें कितने विधायक कांग्रेस के, कितने विधायक भाजपा के। ओबीसी की कितनी संख्या, अनुसूचित जनजाति और अनुसूचित जाति की संख्या कितनी है। कितने अल्पसंख्यक हैं। इसके साथ ही वहां पर कांग्रेस की पूर्व में क्या स्थिति रही और वर्तमान में कांग्रेस की यहां पर क्या-क्या संभावनाएं हैं। साथ ही कांग्रेस के विधायक संगठन के कार्यक्रम में

कितने सक्रिय रहते हैं। इसके अलावा संगठन के पदाधिकारियों की क्या भूमिका होनी चाहिए, ताकि पार्टी उनके क्षेत्र में चुनाव में बेहतर प्रदर्शन कर सके। ऐसे तमाम बिंदुओं पर सभी जिला अध्यक्षों को अपडेट रहने के निर्देश दिए गए हैं।

हर 2 महीने में देनी होगी रिपोर्ट : मप्र कांग्रेस ने जिला अध्यक्षों के कामकाज को लेकर एक फॉर्मेट भी तैयार किया है। हर 2 महीने में अपने काम की रिपोर्ट जिला अध्यक्षों को देनी होगी। मध्य प्रदेश कांग्रेस से जिला अध्यक्षों को टास्क दिया है। टास्क रिपोर्ट एमपी कांग्रेस को भेजनी होगी। आपको बता दें कि दिल्ली ने 16 साल बाद जिला अध्यक्षों की बैठक बुलाई है।

संगठन को मजबूत करने में जुटे राहुल गांधी

इन दिनों राहुल गांधी, खड़गे सहित कांग्रेस के अन्य नेता सभी राज्यों के जिला कांग्रेस के अध्यक्षों से चर्चा कर रहे हैं। जिसमें वे 750 जिला अध्यक्षों से बातचीत कर रहे हैं। इसमें कुछ जिलों के अध्यक्षों से वे बैठक कर चुके हैं, जबकि मध्य प्रदेश के जिला अध्यक्षों से तीन अप्रैल को बैठक करेंगे। इस बैठक में ये नेता जिला अध्यक्षों से उनके क्षेत्र में कांग्रेस को मजबूत करने का प्लान भी पूछा जा सकता है। प्रदेश कांग्रेस ने सभी जिला अध्यक्षों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने क्षेत्र में कांग्रेस कैसे मजबूत हो और भाजपा के उस क्षेत्र में क्या माइनस पाइंट्स हो सकते हैं इस पर भी तैयारी करने को कहा गया है। कांग्रेस कैसे उनके जिले में घर-घर तक पहुंचे, इस का जवाब देने के लिए तैयार रहने को कहा गया है।

ब्रीफ न्यूज

उधारी के लेन-देन को लेकर मारपीट, केस दर्ज

श्योपुर। जिले के बडौदा थाना क्षेत्र के अंतर्गत वार्ड 14 में एक युवक के साथ उधारी के पैसे मांगने की बात को लेकर रविवार की दोपहर 1.30 बजे मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी है। पुलिस ने मामले में जानकारी दी कि फरियादी राजू प्रजापति ने थाने में रिपोर्ट लिखाई कि उसके घर के सामने भैरूजी के चबूतरा पर आरोपीगण द्वारिका बाई, ओमप्रकाश प्रजापति ने उधारी के पैसे मांगने की बात को लेकर गाली गलौच करते हुए मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी है।

भूसा बनाने की बात को लेकर मारपीट, केस दर्ज

श्योपुर। जिले के देहात थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम किलगांवडी में एक बुजुर्ग से भूसा बनाने की बात को लेकर रविवार को दोपहर 2.30 बजे मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी गई है। पुलिस ने जानकारी दी कि फरियादी श्रीकृष्ण पुत्र मनफूल बैरवा उम्र 60 साल ने थाने में रिपोर्ट लिखाई कि आरोपीगण प्रमोद बैरवा, छोटूलाल बैरवा नि. सदर ने भूसा बनाने की बात को लेकर गाली गलौच करते हुए मारपीट की तथा जान से मारने की धमकी दी है।

सायलो केन्द्र पर कर्मचारी ने की खुदकुशी, मर्ग कायम

श्योपुर। जिले के देहात थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम नगदी में एक कर्मचारी ने रविवार की अल सुबह 3.30 बजे संदिग्ध परिस्थितियों में अपने कमरे में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली है। पुलिस ने जानकारी दी कि सूचनाकर्ता पवन कुमार जाट ने थाने में सूचना दी कि सायलो केन्द्र ग्राम नगदी में सहायक मैनेजर प्रद्युम्न पुत्र रामशंकर खैर उम्र 37 साल नि. वार्ड क्रं. 04 मालवी मील के पास दमोह सायलो केन्द्र नगदी में रहता था, जहां संदिग्ध परिस्थितियों में रविवार की अल सुबह फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने मामले में धारा 194 बीएनएस के तहत केस दर्ज कर लिया है।

पत्नि से फोन पर बात करने की बात पर मारपीट, केस दर्ज

श्योपुर। सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत मठेपुरा श्मशान के पास एक युवक से उसकी पत्नि से फोन पर बात करने की बात को लेकर शनिवार की रात्रि 10.30 बजे मारपीट कर जान से माररने की धमकी दी गई है। पुलिस ने जानकारी दी कि फरियादी हैदर पुत्र नसीम खान उम्र 30 साल ने थाने में रिपोर्ट लिखाई कि मठेपुरा श्मशान के पास आरोपी सददाम मेवाती, शाहरूख मेवाती ने फोन पर बात करने की बात को लेकर गाली गलौच करते कर मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दी है।

घर में कचरा डालने की बात पर मारपीट, केस दर्ज

श्योपुर। जिले के बडौदा थाना क्षेत्र के अंतर्गत वार्ड 6 में एक घर में घुसकर कचरा डालने की बात को लेकर शनिवार को शाम 5.30 बजे एक युवक से मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी गई है। पुलिस ने जानकारी दी कि फरियादी गिर्राज पुत्र गोपाल गूर्जर उम्र 48 साल ने थाने में रिपोर्ट लिखाई कि उसके घर में घुसकर आरोपीगण दिलखुश गूर्जर और मोनू गूर्जर ने कचरा डालने की

ईदगाह में सुबह 9 बजे होगी ईद की विशेष नमाज

बोहरा समुदाय ने मनाया ईदुलफितर, दिखा चांद-मुस्लिम समाज आज मनायेगा ईद

सत्ता सुधार ■ श्योपुर

रमजान माह के 30 रोजे पूरे होने की खुशी में दाऊदी बोहरा समाज ने रविवार को ईदुलफितर का त्योहार हर्षोल्लास से मनाया। इस अवसर पर आमिल साहब शेख जूजर भाई द्वारा ईदुल फितर की नमाज अदा कराई गई। स्थानीय राजनेता और विभिन्न राजनैतिक दलों के पदाधिकारी ईद के अवसर पर दाऊदी बोहरा समाज को मुबारकबाद देने पहुंचे। सुबह 7 बजे के करीब बोहरा बस्ती स्थित मस्जिद में आमिल साहब ने ईद की नमाज पढ़ाई। इसके बाद ईद की खुशी के रूप में मजलिश का आयोजन किया गया। इस दौरान स्वल्पहार व शरबत पिलाने का एहतिमाम किया गया। मजलिश के बाद सभी ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी। बाद नमाज के आमिल साहब ने विश्व शांति एवं अच्छी बारिश, अच्छे फसल उत्पादन के लिए दुआं की। इस दौरान पूर्व विधायक बृजराज सिंह चैहान, दुर्गालाल

विजय, भाजपा जिलाध्यक्ष शशांक भूषण, नपाध्यक्ष प्रतिनिधि सुजीत गर्ग, सुरेन्द्र जाट, महावीर सिंह सिसौदिया, संजय मंगल, राहुल चैहान,दिनेश दुबोलिया सहित कई जनप्रतिनिधि पहुंचकर बोहरा समाज को ईद की बधाई दी गई। उधर मुस्लिम सुन्नी समुदाय की ईद का त्यौहार चांद दिखाई देने पर मनाया जाएगा। शहर काजी अतीक उल्लाह कुरैशी ने बताया कि रविवार को चांद दिखाई दिया जिसके बाद आज सोमवार को ईद का त्यौहार मनाया जाएगा। जिसके लिए सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई है।

बोहरा समाज ने गरीबों को कराया भोजन

बोहरा समाज ने ईद के मुबारक मौके पर जिला अस्पताल स्थित पं. दीनदयाल उपाध्याय रसोई में सामुहिक रूप से निःशुल्क भोजन का वितरण किया है। इस

दौरान बोहरा समाज के आमिल साहब के नेतृत्व में समाजबंधुओं ने बारी बारी से अस्पताल में पहुंचे लोगो को भोजन बांटकर स्नेहपूर्वक खिलाया गया, इसके साथ अस्पताल के विभिन्न वार्डों में भी मरीज और उनके अटेंडरो को भोजन बांटा है। इस दौरान करीब तीन सैंकड़ा से अधिक गरीब, असहायक एवं अटेंडरो को भोजन वितरित किया है।

दिखा चांद, 8 मस्जिदों में अदा की जाएगी ईद की नमाज

विभिन्न त्यौहारों को लेकर आयोजित हुई शांति समिति की बैठक में कलेक्टर अर्पित वर्मा की अध्यक्षता में शहर के 8 मस्जिदों में ईद की नमाज अदा करने की सहमति बनाई गई। पुलिस प्रशासन को ईदगाह सहित चप्पे चप्पे पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए गए।

ईद की नमाज का समय तय

मस्जिद का नाम	समय
ईदगाह	सुबह 9:00 बजे
जामा मस्जिद	सुबह 3:30 बजे
मस्जिद कुमेदान	सुबह 8:45 बजे
मस्जिद बड़ा इमामबाड़ा	सुबह 7:45 बजे
मस्जिद खान सैयद	सुबह 8:00 बजे
मस्जिद बस स्टैंड	सुबह 8:30 बजे
मस्जिद सलापुरा	सुबह 8:15 बजे
मस्जिद नारनौल किला	सुबह 9:15 बजे

कलेक्टर ने सीएमओ राधेरमण यादव को साफ सफाई पेयजल एवं प्रकाश व्यवस्था व्यापक रूप से करने के निर्देश कलेक्टर ने दिए। इस दौरान कलेक्टर ने दोनों समुदायों से शांतिपूर्वक सभी त्योहार मनाने का आव्हान करते हुए कहा कि बरसों से जिस गंगा जमनी तहजीब श्योपुर प्रसिद्ध है उस तहजीब को आगे बढाने का काम शहर वासी करेंगे ऐसी प्रशासन उनसे उम्मीद करता है।

शहर में गाजेबाजे के साथ निकाली महर्षि गौतम जी की भव्य शोभायात्रा

भव्यता से मनी गौतम जयंती, हुए कई कार्यक्रम

सत्ता सुधार ■ श्योपुर

गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समाज ने रविवार को महर्षि गौतम जी की जयंती भव्यता के साथ मनाई। इस मौके पर शहर में महर्षि गौतम जी की शोभायात्रा भव्यता के साथ निकाली गई। गाजेबाजे के साथ निकाली गई शोभायात्रा शहर के प्रमुख मार्गो से होकर गुजरी। शोभायात्रा का कई स्थानों पर स्वागत किया गया। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में समाजीय बंधु शामिल हुए।

रविवार की सुबह किला रोड स्थित गौतम धर्मशाला में महर्षि गौतम जी का सामूहिक पूजन किया गया, जिसमें समाजीय बंधु बडी संख्या में शामिल हुए, इसके बाद सायंकालीन समय में महर्षि गौतम जी की शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा किला रोड स्थित गौतम धर्मशाला से शुरू हुई। गाजेबाजे के साथ निकाली इस शोभायात्रा में एक रथनुमा सजी बग्गी में महर्षि गौतम जी विराजित थे, समाजीय बंधु महर्षि गौतम जी के जयघोष लगाते चल रहे थे, तो महिलाएं मंगल गीत गाती चल रही थी। जबकि समाजीय युवा नाचते और झूमते चल रहे थे। शोभायात्रा ब्राह्मण पाडा, भोई मोहल्ला, मालियों का मंदिर, टोडी गणेश बाजार, मैन बाजार होते हुए जयस्तंभ चैक पर पहुंची। मार्ग में जगह-जगह शोभायात्रा का स्वागत हुआ। जयस्तंभ चैक से यह शोभायात्रा वापस मुख्य बाजार होते हुए गौतम धर्मशाला पहुंची। जहां विधिवत आरती के साथ शोभायात्रा का समापन हुआ। इसके बाद सामाजिक उद्बोधन और सामूहिक सहभोज का आयोजन हुआ, जिसमें समाजीय बंधुओं ने प्रसादी ग्रहण की। कार्यक्रम के अंत में गौतम ब्राह्मण समाज ट्रस्ट कार्यकारिणी ने कार्यक्रम में भागीदारी करने वाले समाजीय बंधुओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

विभिन्न स्थानो पर हुआ स्वागत सत्कार

गूर्जर गौड गौतम समाज द्वारा महर्षि गौतम जयंती के अवसर पर शहर में विशाल चल समारोह निकाला गया जिसमें बडी संख्या में महिला पुरूषों ने भागीदारी की। इस दौरान स्थान स्थान पर चल समारोह का स्वागत सत्कार किया गया। गौतम धर्मशाला किला रोड से प्रारम्भ हुआ चल समारोह ब्राह्मण पाडा, भोई मोहल्ला, खरादी बाजार, टोडी गणेश मंदिर, मैन बाजार, गोलम्बर, जय स्तम्भ होते हुए वापस गौतम धर्मशाला पर पहुंचा। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष शशांक भूषण, सर्व ब्राह्मण महासभा श्योपुर के अध्यक्ष रामबाबू शर्मा, महामंत्री कृष्णकांत बंटी उपाध्याय, कोषाध्यक्ष देवेन्द्र शर्मा सहित अन्य कई पदाधिकारी व समाजीय बंधुओं ने उपस्थिति प्रदान कर पुष्पवर्षा कर स्वागत किया है।

जल के बिना जीवन की कल्पना अधूरी: कलेक्टर

चिमलका गांव में जल गंगा संवर्धन अभियान की हुई शुरूआत

सत्ता सुधार ■ श्योपुर

जिले की ग्राम पंचायत सौंईकलां के ग्राम चिमलका गांव में रविवार को सुबह 10 बजे कलेक्टर अर्पित वर्मा के नेतृत्व में जनप्रतिनिधियों द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर तालाब के जीर्णोद्धार कार्य के लिए भूमिपूजन करते हुए श्रमदान किया गया। कार्यक्रम के दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष शंशाक भूषण, भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य महावीर सिंह सिसौदिया, सीईओ जनपद एसएस भटनागर, सरपंच हरि सिंह रावत, परियोजना अधिकारी विक्रम जाट, जन अभियान परिषद की जिला समन्वयक श्रीमती नेहा सिंह सहित आरईएस, पीएचई आदि विभागों के अधिकारी तथा जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि शासन की मंशानुरूप जिले में 124 खेत तालाब तथा 12 अमृत सरोवर के कार्य अभियान के तहत लिये गये है। इसके साथ ही जल संरचनाओं से संबंधित पूर्व से संचालित 1860 कार्यों में से 960 कार्यों को तीन माह में पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। अभियान के तहत प्रत्येक ग्राम में जलदूत बनाये जायेगे तथा जल संरक्षण और जल संवर्धन के लिए जन जागरूकता की जायेगी। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष शंशाक भूषण, भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य महावीर सिंह सिसौदिया, पूर्व जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र जाट, सीईओ जिला पंचायत अतेन्द्र सिंह गुर्जर, सीईओ जनपद एसएस भटनागर ने भी सम्बोधित किया।

विहिप, बजरंग दल ने मनाया नवसम्वत्सर गांधीपार्क पर की भारत माता की आरती

सत्ता सुधार ■ श्योपुर

शहर के गांधी पार्क पर रविवार की शाम 6 बजे विश्व हिन्दू परिषद और बजरंग दल ने नवसम्वत्सर के अवसर पर भारत माता की आरती का आयोजन किया गया। इस दौरान हिन्दू संगठनो के कार्यकर्ताओं ने भगवान श्रीराम और भारत माता की जय के नारे लगाये।

सर्वप्रथम बजरंग दल और विश्व हिन्दू परिषद के कार्यकर्ताओं ने सामुहिक रूप से भारत माता की पूजा अर्चना की और महाआरती कर सभी को हिन्दू नववर्ष की शुभकामनाऐं दी है। विश्व हिन्दू परिषद के जिलाध्यक्ष दीपक गर्ग एवं बजरंग दल के संयोजक कुलदीप सिंह सिसौदिया ने बताया

कि हिन्दू नववर्ष के शुभारम्भ अवसर पर विशेष कार्यक्रम करते हुए भारत माता की आरती की गई, जिसमें बडी संख्या में हिन्दू संगठनो के कार्यकर्ता एवं शहरवासियों ने भागीदारी की और गुढ़ी पड़वा को धूमधाम से मनाया। इस दौरान प्रमुख रूप से गिर्राज सर्राफ, विष्णु गर्ग, विशम्बर सिंह राजपूत, चंदन प्रजापति, संजू शर्मा बडौदा, गिर्राज प्रजापति, निखिल धूलिया, पीयूष सोनी, महेश वर्मन, सुरेन्द्र सैन, भूपेन्द्र कराडिया, आशु गोयल, रवि शर्मा, नंदकिशोर रावत सहित बडी संख्या में हिन्दू संगठनो के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

चैत्र नवरात्रा प्रारंभ, घर-घर में हुई घट-स्थापना

सत्ता सुधार ■ श्योपुर

चैत्र शुक्ल प्रतिपदा पर रविवार को मंदिरों व घरों में विधि-विधान से घट स्थापना की गई। इसके साथ ही शक्ति की भक्ति का नवरात्र पर्व शुरू हो गया। मंदिरों में श्रद्धालुओं की विशेष चहल-पहल के बीच कहीं रामचरित मानस की चैपाइयां तो कहीं दुर्गा सप्तशती पाठ के आयोजन से समूचा माहौल धर्ममय हो गया है। नवरात्र पर्व के पहले दिन सुबह से ही देवी मंदिरों पर श्रद्धालुओं ने पहुंचना शुरू कर दिया। शहर के हजारेश्वर उद्यान स्थित दुर्गामाता मंदिर, सुबात कचहरी स्थित राजराजेश्वरी आनंदी माता मंदिर पर देवी प्रतिमा को नई पोशाक धारण कराकर सोना-चांदी के आभूषणों से श्रृंगारित किया गया। इन मंदिरों में दर्शनार्थियों का तांता लगा रहा। वहीं शहर के विभिन्न मंदिरों में अखंड रामायण पाठ के आयोजन प्रारंभ किए गए। इसके अलावा दुर्गापुरी स्थित दुर्गामाता मंदिर पर दोपहर 12 बजे अभिजित मुहूर्त में घट स्थापना की गई। इधर जाटखेड़ा माता मंदिर, बड़ौदा की बीजासन

माता, कराहल स्थित पनवाड़ा माता मंदिर, पानड़ी के देवी मंदिर पर दर्शनों के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी।

हिंदू नव वर्ष के स्वागत में आयोजित हुए कार्यकम

चैत्र शुक्ल प्रतिपदा पर रविवार को विक्रम नवसंवत्सर 2082 शुरू होगा गया है। शहर में हिंदू नव वर्ष के स्वागत में हिंदू संगठन एवं सामाजिक संगठनों द्वारा भिन्न-भिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। शहर के प्रमुख मंदिर देव स्थानों पर सुबह से शाम तक धार्मिक कार्यक्रम चलते रहे। लोगों द्वारा नव वर्ष की अगवानी के लिए घरों भी केसरिया ध्वज लगाए गए। दिनभर हिन्दू नववर्ष की बधाई देने का सिलसिला जारी रहा।

भव्य सजावट से रोशन हुआ राम मंदिर: शहर के किला सोनघटा में स्थित प्रसिद्ध श्रीराम जानकी मंदिर को रामनवमी से पूर्व भव्य सजावट से सराबोर कर दिया है। नौ दिनो तक मंदिर पर बड़ी संख्या में रामभक्तो का जमावडा जुटेगा।

कार्यक्रम चक्रवर्ती सम्राट विक्रमादित्य के जीवन पर केन्द्रीत नाट्य का मंचन

ब्रह्मध्वज का पूजन कर मनाया विक्रमोत्सव

सत्ता सुधार ■ श्योपुर

शहर के श्रीरामतलाई हनुमान मंदिर पर रविवार को सुबह 10 बजे मप्र शासन संस्कृति विभाग द्वारा जारी निर्देशो के अनुपालन में ब्रम्हा ध्वज के पूजन के साथ विक्रमोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर संस्कृति विभाग की ओर से अधिकृत अद्भुत कला एवं विज्ञान मंच ग्वालियर द्वारा सम्राट विक्रमादित्य पर केन्द्रीत नाट्य का मंचन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में नपाध्यक्ष रेणू सुजीत गर्ग मौजूद रहीं वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता कलेक्टर अर्पित वर्मा ने की। इस दौरान जिला प्रचारक सचिन शर्मा, पूर्व विधायक दुर्गालाल विजय, पूर्व विधायक बृजराज सिंह चैहान, भाजपा जिलाध्यक्ष शंशाक भूषण, पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष सुरेन्द्र जाट, भाजपा प्रदेश कार्य

समिति सदस्य महावीर सिंह सिसौदिया, भाजपा मंडल अध्यक्ष संजय मंगल, दिनेश दुबोलिया, जगदीश यादव, सुजीत गर्ग, बिहारी सिंह सोलंकी, सीईओ जिला पंचायत अतेन्द्र सिंह गुर्जर, डिप्टी कलेक्टर संजय जैन, जिला शिक्षा अधिकारी एमएल गर्ग सहित पार्षदगण, अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी, गणमान्य नागरिक आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ उपस्थित अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलन एवं माल्यार्पण के साथ किया गया। ततपश्चात् ब्रम्हा ध्वज का पूजन-अर्चन किया गया एवं डॉ हिमांशु द्विवेदी के नेतृत्व में कलाकारो द्वारा ब्रम्हा ध्वज की वंदना की गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती रेणु सुजीत गर्ग ने सभी को हिन्दु नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज हम सभी देश के विकास में योगदान के लिए कोई न कोई संकल्प ले और इसे पूरा करें। भाजपा जिलाध्यक्ष शंशाक भूषण ने कहा कि हमारे देश की परम्पराएं प्राचीन है। अंग्रेजी कैलेण्डर से पहले विक्रम संवत का प्रचलन हुआ, जो आज भी भारतीय पांचांग का एक

विक्रमादित्य के अद्भुत कौशल का किया मंचन

डॉ हिमाशु द्विवेदी के निर्देशन में अद्भुत कला एवं विज्ञान मंच ग्वालियर द्वारा सम्राट विक्रमादित्य पर केन्द्रीत नाट्य का सजीव मंचन किया गया। कार्यक्रम के अंत में कलेक्टर अर्पित वर्मा सहित उपस्थित अतिथियों द्वारा नाट्य दल में शामिल कलाकारों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम का संचालन सुशील दुबे तथा आभार प्रदर्शन सहायक संचालक शिक्षा यश जैन ने किया।

प्रमुख संवत है। उन्होने कहा कि सम्राम विक्रमादित्य एक पराक्रमी, न्याय प्रिय और विदवान शासक थे। कार्यक्रम को पूर्व विधायक दुर्गालाल विजय, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष बृजराज सिंह चैहान, भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य महावीर सिंह सिसौदिया, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र जाट ने भी सम्बोधित किया।

पंजाबी,सिंधी समाज ने मनाई भगवान झूलेलाल की जयंती

सत्ता सुधार ■ श्योपुर

शहर के पटेल चैक पर रविवार को पंजाबी, सिंधी समाज ने भगवान झूलेलाल की जयंती को धूमधाम से मनाया, इस मौके पर समाजबंधुओं ने भगवान झूलेलाल की पूजा अर्चना करते हुए शहरवासियों को चने, हलवा और ठंडाई का प्रसाद वितरण किया। यह जानकारी देते हुए पंजाबी सिंधी समाज सेवा समिति के अध्यक्ष महावीर प्रसाद दानी ने बताया कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी भगवान झूलेलाल जयंती चेटीचंड के मौके पर विशेष आयोजन करते हुए पटेल चैक पर भगवान झूलेलाल की सामुहिक आरती की गई एवं शहरवासियों को शीतल पेय पिलाने हेतु स्टॉल लगाया गया। इस मौके पर वरिष्ठ समाज बंधुओं ने फीता काटकर स्टॉल का शुभारम्भ किया। श्री दानी ने बताया कि यह पर्व हर्ष और उल्लास का पर्व है, भगवान झूलेलाल जी प्रेम और मदद की विशिष्ट सीख देते हुए समाज को एक दिशा प्रदान की है। उनके वचनों का पालन करते हुए हमें हर व्यक्ति की मदद के लिए पहल करनी चाहिए। इस दौरान लक्ष्मणदास मुखिजा, दीपचंद मुंगिया, सतीश मुखीजा, सुनील सूद, किशोर मंगलानी, अशोक माधवानी, ओमी भाटिया, विनय सहगल, विष्णु धिरिया, राजकुमार सोढी सहित बडी संख्या में पंजाबी सिंधी समाज के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

श्याम सुंदर यादव पुनः चुने गए इंटक के प्रदेश अध्यक्ष

कांग्रेस के विचार को कमजोर करने की साजिश रच रही भाजपा: पटवारी

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

मध्यप्रदेश राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस (इंटक) के श्रम शिविर में चल रहे 22वें प्रांतीय अधिवेशन में दूसरे दिन मुख्य अतिथि की आसंदी से संबोधित करते हुए मप्र कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भाजपा पर कांग्रेस के विचार को क्षति पहुंचाने का आरोप लगाते हुए इंटक एवं कांग्रेस के कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे सभी अपनी एकजुटता बनाए रखते हुए कांग्रेस की विचारधारा को मजबूत करें। उन्होंने अपने संबोधन में दृढ़ विश्वास व्यक्त किया कि परिवर्तन का आगाज ग्वालियर चंबल की क्रांतिकारी धरती से ही होगा। अधिवेशन के द्वितीय दिवस के सत्र को संबोधित करते हुए कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि जो शरीर से श्रम करता है, वही इस देश का असली राजा है। उन्होंने कहा कि दोनों विचारधाराओं के बीच अंतर यही है कि कांग्रेस के नेता राहुल गांधी गरीब व निम्न मध्यमवर्गीय लोगों से मिलते हैं जबकि खुद को गरीबों का हितैषी बताने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पास सिर्फ अंबानी और अडानी से ही मिलने का वक्त है। कांग्रेस ने जातिगत जनगणना की पैरोकारी की है लेकिन इसको लेकर भ्रम पैदा किया जा रहा है जबकि वे लोग यह भूल जाते हैं कि जातिगत जनगणना से आर्थिक सर्वे भी स्वतः हो जाएगा जिसका लाभ समाज के सभी वर्गों को मिलेगा और उसी के अनुरूप सर्व समावेशी विकास की योजनाएं बनाने का पथ प्रशस्त हो सकेगा। विशेष अतिथि पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह ने कहा कि इंटक में काम करने वाले 70 से 80 प्रतिशत लोग वे हैं जो विगत तीस चालीस वर्ष से इस मजदूर संगठन से जुड़े हैं, इंटक में नई पीढ़ी का प्रवेश और सक्रिय भूमिका निभाना जरूरी है, लिहाजा इंटक की स्थापित वरिष्ठ पीढ़ी को ऐसी नीतियां बनानी होंगी जिससे नए लोगों को अपनी विचारधारा के प्रति आकर्षित किया जा सके, तभी इंटक मजबूत बनेगी और जाहिर तौर पर इसका लाभ कांग्रेस संगठन को भी मिलेगा। इसके अलावा राज्यसभा सांसद अशोक सिंह, प्रदेश कांग्रेस महासचिव प्रवीण पाठक, शहर जिलाध्यक्ष डॉ.देवेंद्र शर्मा, ग्रामीण अध्यक्ष प्रभुदयाल जौहरे, पूर्व मंत्री लाखन सिंह यादव, विधायक साहब सिंह गुर्जर, सुरेश राजे, महेश परमार, पंकज उपाध्याय, केशव देसाई, देवेंद्र शंखवार, पूर्व विधायक मेवाराम जाटव एवं युवा कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष मितेंद्र यादव मंचासीन रहे। प्रांतीय अधिवेशन में इंदौर के वरिष्ठ श्रमिक नेता श्याम सुन्दर यादव को पुनः मध्यप्रदेश राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस (इंटक) का प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। प्रारंभ में इंटक के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष राजेंद्र सिंह नाती ने स्वागत उद्बोधन देते हुए ग्वालियर चंबल क्षेत्र सहित समग्र मध्यप्रदेश में चल रही इंटक की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। अधिवेशन में इंटक के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष रतिराम यादव, प्रदेश सचिव अशोक गोस्वामी, तरुण कुशवाह, ठेका संघ के प्रदेश महामंत्री विश्वेश्वर गोस्वामी एवं प्रदेश से आए सभी पदाधिकारियों के साथ प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

आयुर्वेद आधुनिक चिकित्सा और प्रगति के बीच एक सेतु पर हुआ मंथन

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

आयुर्वेद के क्षेत्र में हो रही नवीनतम प्रगति और आधुनिक चिकित्सा के साथ इसके समन्वय पर चर्चा के लिए भोपाल में राष्ट्रीय थीमेटिक सेमिनार का आयोजन किया गया। डॉ. हरेन्द्र सिंह भदौरिया ने बताया कि इस प्रतिष्ठित सेमिनार में मुख्य अतिथि ब्रह्मचारी डॉ. गिरीश चंद्र वर्मा अध्यक्ष महर्षि समूह शैक्षणिक संस्थान उपस्थित रहे। डॉ. वर्मा आयुर्वेद और आध्यात्मिकता के क्षेत्र में अपने व्यापक अनुभव के लिए जाने जाते हैं और उनका संबोधन इस आयोजन का मुख्य आकर्षण हुआ। इस अवसर पर डायबिटिक रेटिनोपैथी में आयुर्वेद किस प्रकार सर्वोपरी हमें पर सभी को जागरूक किया गया, नाड़ी परीक्षा के मध्यम से रीढ़ की हड्डी में रोग, किस प्रकार सफल निदान होते हैं और किस प्रकार आधुनिक चिकित्सा आयुर्वेद के मंथन से भविष्य में एकता के साथ एक देश एक चिकित्सा पद्धति के नीव रखे अग्रिम विकास कर भारत को पुनः विश्व गुरु के बनने की राह पर अगरसर है। इस अवसर पर आयुर्वेद के प्रतिष्ठित विशेषज्ञ और शोधकर्ता डॉ. विनायक तायड़े, डॉ. ज्ञानेंद्र सिंह, डॉ. लोकेंद्र दवे और डॉ. पी.सी. शर्मा की-नोट स्पीकर्स के रूप में अपने विचार साझा किए। यह सेमिनार आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति को आधुनिक विज्ञान और तकनीक के साथ जोड़ने की संभावनाओं पर केंद्रित रहा एवं आयुर्वेद एडवांस फॉर्मा के उद्घाटन की घोषणा हुई। इस आयोजन में आयुर्वेदिक चिकित्सा क्षेत्र के प्रतिष्ठित चिकित्सक, शोधकर्ता, विद्यार्थी और स्वास्थ्य जगत से जुड़े कई गणमान्य व्यक्ति आए। यह सेमिनार आयुर्वेद के भविष्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

भाजपा जिला महामंत्री से की शिष्टाचार भेंट

ग्वालियर। नमो नमो मोर्चा भारत, प्रदेश व जिला पदाधिकारियों द्वारा जिला महामंत्री भाजपा विनय जैन से शिष्टाचार भेंटकर उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया। इस अवसर पर नमो नमो मोर्चा भारत से प्रदेश उपाध्यक्ष एवं ग्वालियर चंबल संभाग प्रभारी अमित श्रीवास्तव, ग्वालियर चंबल सह प्रभारी विकास सिंह अग्र, जिला मंत्री सुरेंद्र ढोडी, जिला मंत्री प्रदीप गर्ग, जिला महामंत्री योगेश दंडोतिया, जिला उपाध्यक्ष (पिछड़ा वर्ग) जसवंत कुशवाह, जिला संयोजक चिकित्सा प्रकोष्ठ राजीव श्रीवास्तव, मंडल महामंत्री कृष्णा थानेश्वर आदि उपस्थित थे।

नेत्रहीन छात्रावास में किए पंखे भेंट

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

बजरंग भक्त मंडल द्वारा निरंतर की जा रही सामाजिक, धार्मिक एवं जनसेवा अंतर्गत हिन्दू नववर्ष एवं नवरात्री के पावन पर्व पर काल्पी ब्रिज स्थित आत्म ज्योति नेत्रहीन बालिका आवासीय विद्यालय में विद्यालय की मांग पर 2 छत के पंखे उपलब्ध कराए गए। साथ ही प्रति सप्ताह की जाने वाली गौभोग सेवा के क्रम में 650 किलो हरे चारे की सेवा जनकताल स्थित गौशाला में हेमंत शिवहरे इंदौर, शालिनी त्रिपाठी, लव मिश्रा, मयंक कसेरा, दीपक शर्मा, राजीव जादौन, संतोष शिवहरे, डॉ. प्रकाश अग्रवाल, शांतनु सिंह के सहयोग से की गई। सेवा में मंडल अध्यक्ष आशीष मंगल, सचिव राकेश मंगल, उपाध्यक्ष अमन गर्ग, सह सचिव नमन अवस्थी, संयुक्त उपाध्यक्ष विशाल अग्रवाल, पुनेश पाल, हरीश राठौर, हरीश अग्रवाल, रामकिशोर मंगल, दीपक बघेल, दीपक शर्मा, अंकित गोयल, संतोष शिवहरे, राजीव जादौन, सुशील कुशवाह, मयंक कसेरा, संजीव गुप्ता, कुशल अग्रवाल आदि सदस्य उपस्थित थे।

सम्पूर्ण सुरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत एचआईवी स्क्रीनिंग की

ग्वालियर। मध्य प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण कार्यक्रम भोपाल द्वारा संचालित संपूर्ण सुरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत हेमसिंह की परेड, सिकंदर कंपू पर कैंप का आयोजन कर एचआईवी की स्क्रीनिंग की गई। यह कार्यक्रम जिले के डीटीओ डॉ. विजय पाठक, संपूर्ण सुरक्षा कार्यक्रम की प्रोजेक्ट डायरेक्टर श्रीमती नीलम दीक्षित एवं काउंसलर रजिया खान के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। संपूर्ण सुरक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत संपूर्ण सुरक्षा कार्यक्रम में दी जाने वाली गतिविधियों और स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में जानकारी दी गई एवं एचआईवी, गुप्त रोग, वीआरएल, कंडोम आदि के बारे में विस्तृतपूर्वक समझाया गया और मेडिकल कॉलेज सुरक्षा क्लिनिक का पता बताया जिससे कोई भी परेशानी होने पर सुरक्षा क्लिनिक पर आए। इसके लिए अधिक जानकारी हेतु 1097 टोल फ्री नंबर पर कॉल कर सकते हैं। साथ ही कंडोम उपयोगिता के बारे में बताया गया। संपूर्ण सुरक्षा कार्यक्रम की ओआरडब्लू श्रीमती गीता सूर्यवंशी द्वारा किया गया। स्वास्थ्य शिविर में आए हुए सभी हितग्राहियों की एचआईवी वीडीआरएल की जांच की गई। कार्यक्रम में कुल 39 लोगों को लाभान्वित किया गया।

200 मरीजों का हुआ नेत्र परीक्षण

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

हिन्दू नववर्ष एवं नवरात्रि के प्रथम दिवस पर मधु जोशी महिला वेलफेयर फाउंडेशन ने बहोड़ापुर 24 बीघा स्थित गालव नगर में निशुल्क नेत्र जांच शिविर लगाया। जिसमे 200 मरीजों को ए.एस.जी.नेत्र चिकित्सालय के विशेषज्ञों द्वारा आंखों की जांच कर आंखों की समस्याओं के लिए परामर्श दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ खोज़मा सैफी, विशिष्ट अतिथि इमरजेंसी ब्लड सेंटर से तृप्ति साओ, श्याम श्रीवास्तव, नम्रता सक्सेना, प्रवीण पवार एवं अतिथि अजय जोशी, अशोक गुप्ता, रामबाबू पाठक, रामकुमार शर्मा, अरुण कुमार उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के अध्यक्ष भानुप्रताप शर्मा ने की एवं आभार व्यक्त संस्था की संस्थापक, सचिव मधु जोशी के द्वारा किया गया। सभी अतिथियों ने संस्थापक मधु जोशी को उनके इस कार्यक्रम के लिए उन्हें शुभकामनाएं दी।

शनि अमावस्या पर हवन पूजन के साथ प्रसादी बांटी

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

हुरावली हीरा भूमिया की पहाड़ी पर स्थित खाटू श्याम चित्रगुप्त धाम नवग्रह मंदिर पर शनि अमावस्या पर हवन पूजन के साथ प्रसादी वितरण का आयोजन किया गया। जिसमें सभी भक्तों ने अपने ग्रहों को मजबूत करने के लिए शनि देव की पूजा अर्चना की। मंदिर पर आयोजित पूजा पाठ के बारे में अधिक जानकारी देते हुए एड. रवि श्रीवास्तव ने बताया कि शनि अमावस्या होने की वजह से सुबह से ही भक्तों का आना लगा हुआ था। पूजन का कार्यक्रम मंदिर समिति की और से सुबह 11 बजे से अभिषेक से प्रारम्भ होकर रात्रि तक हवन पूजन 11:30 बजे तक प्रभु कृपा से सम्पन्न हुआ। मंदिर पर शनि देव का अभिषेक श्रीमती राधा संजीव सक्सैना द्वारा सम्पन्न किया गया। दोपहर 12 बजे से शुरू हुए प्रसादी भंडारे में करीब 2000 से अधिक लोगों ने भोजन प्रसादी ग्रहण की। शहर के विभिन्न गणमान्य लोगों ने कार्यक्रम में उपस्थित होकर शनि देव का अभिषेक कर उनका आशीर्वाद लिया।

कन्या पूजन कर मनाया नववर्ष

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

बेटी है तो कल है सामाजिक संस्था मध्यप्रदेश की वार्ड 25 की अध्यक्ष ममता मौर्य ने बताया कि संस्था द्वारा गुडी पड़वा के पावन अवसर पर कन्या पूजन कर बेटियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डीसी तिवारी थे। अध्यक्षता संस्था संयोजक डॉ. वंदना भूपेन्द्र प्रेमी ने की।

सर्वप्रथम अतिथियों ने मां सरस्वती की तस्वीर का पूजन किया। तत्पश्चात ममता मौर्य ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर डीसी तिवारी ने कहा कि संस्था विगत कई वर्षों से बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान को लेकर निरंतर कार्य कर रही है। साथ ही नवजात कन्याओं का पूजन कर समाज को बहुत अच्छा संदेश दे रही है। संस्था संयोजक डॉ. वंदना भूपेन्द्र प्रेमी ने कहा कि संस्था ने प्रत्येक वार्ड में अपने अध्यक्ष नियुक्त किए हैं, जिनकी सूचना पर घरों में जाकर कन्या पूजन करने का हमें सौभाग्य मिलता है। साथ ही उत्कृष्ट छात्राओं को सम्मानित कर संस्था उन्हें प्रोत्साहित कर रही है। रविवार को मुरार स्थित वार्ड 25 की अध्यक्ष ममता मौर्य के निवास गुरुकुल कोचिंग पर कन्या पूजन एवं 21 छात्राओं को सम्मानित किया। इससे पूर्व संस्था कार्यालय पर भगवा झंडा लगाकर पूजन भी किया। इस अवसर पर हर्षिता गुर्जर, काजल कुशवाह, दीपमाला दिवाकर सहित संस्था की बहनें उपस्थित थी। कार्यक्रम का संचालन दीपमाला दिवाकर एवं आभार काजल कुशवाह ने व्यक्त किया।

श्याम भक्त टिबडेवाल का भीषण भूकंप भी कुछ नहीं बिगाड़ पाया

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

बैंकॉक, म्यांमार, दुबई, कंबोडिया, सिंगापुर और वियतनाम के बड़े व्यवसाई और श्री खाटू श्याम बाबा के अनन्य भक्त और दुनिया भर में मशहूर एसरो ग्रुप ऑफ कम्पनीस के चेयरमैन अशोक टिबडेवाल पर बाबा श्याम की असीम कृपा हुई है। शुक्रवार को बैंकॉक और म्यांमार में आए भीषण भूकंप के दौरान अशोक टिबडेवाल बैंकॉक के अपने अपार्टमेंट में मौजूद थे और बाबा के आशीर्वाद से वे सकुशल हैं। श्याम सेवादार राजेश भारद्वाज से फोन पर हुए वार्तालाप में अशोक टिबडेवाल ने बताया कि शुक्रवार को आए भूकंप के दौरान वे बैंकॉक में अपने टावर की 19वीं मंजिल के अपने अपार्टमेंट में लेटे थे और भूकंप आने पर वे पूरे समय बाबा श्याम का नाम लेते रहे और उनकी बिल्डिंग को कुछ भी नहीं हुआ और बाबा के आशीर्वाद से वे सुरक्षित बने रहे। इसके अलावा म्यांमार में स्थित उनके 2 ऑफिसों के आसपास की सभी इमारतें ध्वस्त हो गई लेकिन उनके आफिसों को कुछ भी नहीं हुआ। अशोक टिबडेवाल का कहना है कि ये बाबा की कृपा और आशीर्वाद का कमाल है कि इतने भीषण भूकंप के बावजूद वे पूरी तरह से सकुशल हैं। अशोक टिबडेवाल श्री खाटू श्याम मंदिर कमेटी के पूर्व अध्यक्ष महाराज प्रताप सिंह चौहान के भी बेहद प्रिय हैं। मैं सभी श्यामप्रेमियों को बताना चाहता हूं कि इस कलियुग के समय में बाबा का डंका पूरी दुनिया के गूंज रहा है और वो अपने भक्तों को पूर्ण रूप से संभाल रहे हैं। गौरतलब है कि म्यांमार में शुक्रवार सुबह 11:50 बजे 7.7 तीव्रता का भूकंप आया। म्यांमार और थाईलैंड में यह 200 साल का सबसे बड़ा भूकंप है। भारी तबाही के चलते म्यांमार के 6 राज्यों और पूरे थाईलैंड में इमरजेंसी लगा दी गई है।

भिंड नेशनल हाईवे पर आए दिन हो रही है मौतें, यदि मांग पूरी नहीं होती तो 10 अप्रैल को होगा विशाल आंदोलन

चंबल घाट से रानी लक्ष्मीबाई समाधि स्थल पर पहुंची संतों की विशाल रैली

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

भिंड-ग्वालियर सिक्स लाइन हाईवे के अति शीघ्र निर्माण को लेकर एवं सनातन धर्म की धुरी कही जाने वाली गौ माता की रक्षा हेतु गौ अभ्यारण प्रत्येक तहसील स्तर पर बनाए जाने को लेकर अखिल भारतीय संत समिति के अध्यक्ष संत कालिदास महाराज के नेतृत्व में विशाल धर्म जन यात्रा निकाली गई। भिंड चंबल घाट से संत समाज, पूर्व सैनिक व समाजसेवी हजारों की संख्या में ग्वालियर आए और रानी लक्ष्मी बाई समाधि स्थल पर यात्रा का समापन किया। इस अवसर पर संतों ने कहा कि हम सरकार को याद दिलाने का काम कर रहे हैं। सरकार ने आश्वासन दिया था कि भिंड नेशनल हाईवे पर 6 लाइन का कार्य 31 मार्च से पहले कर दिया जाएगा लेकिन अभी तक निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं हुआ है। अखिल भारतीय संत समिति के अध्यक्ष संत कालिदास महाराज ने कहा कि भिंड ग्वालियर सिक्स लाइन हाईवे ना होने के कारण आए दिन लोग दुर्घटना के कारण मौत का शिकार हो रहे हैं और काल के गाल में जा रहे हैं। यह पूरे ग्वालियर चंबल संभाग वासियों के लिए बड़ी दुखद दर्द पूर्ण और निंदनीय घटना है, जिसके चलते सैकड़ों लोग कई वर्षों से मौत का शिकार हो रहे हैं और हजारों परिवार बेघर और तबाह हो गए हैं। यदि सरकार शीघ्र ही हमारी मांगों को नही मानती तो हम संत समाज हजारों की संख्या में आगामी 10 अप्रैल को धरना प्रदर्शन करेंगे। भारतीय नमो संघ के प्रदेश अध्यक्ष मुकेश दीक्षित ने कहा कि आज देश में और प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है, जो विशेष कर सनातन को मानती है। मोदी जी के कार्यकाल में देश में चाहे धारा 370 हो या राम मंदिर निर्माण सरकार ने हमेशा जनहित योजनाएं चलाई है, हम केवल सरकार और केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से अनुरोध करते हैं कि हमारी मांगों को शीघ्र ही पूरा कर जनमानस की रक्षा करें।

एक लाख 2082 दीपक प्रज्वलित किए

ब्राह्मण विवाह के पंजीयन 2 तक

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

सकल ब्राह्मण महासमिति के तत्वाधान में नव संवत्सर विक्रम संवत 2082 के अवसर पर सकल ब्राह्मण महासमिति की महिला अध्यक्षा श्रीमती बीना भारद्वाज की अध्यक्षता में पंडित चंद्रशेखर शास्त्री के मुख्य अतिथि में मनाया गया। संचालन महिला संयुक्त अध्यक्ष श्रीमती सुधा दीक्षित ने किया। इस अवसर पर सकल ब्राह्मण महासमिति के प्रधान कार्यालय सहित अपने-अपने घरों पर एक लाख 2082 दीपक प्रज्वलित कर एक दूसरे को नव संवत्सर की गले लगकर शुभ कामनाएं दी। दीप प्रज्वलित करने वाले में कीर्ति गौड़, रेखा चतुर्वेदी, रेनू शर्मा, संध्या तिवारी, शशि व्यास, डॉ. सविता त्रिपाठी, रश्मि त्रिपाठी, राधा शर्मा, संगीता शर्मा, अंजू दीक्षित, नीतू शर्मा, बीना भारद्वाज, मीनू द्विवेदी, सरला शर्मा, सुलेखा शर्मा, मंजू मिश्रा, किरण त्रिवेदी, अल्का मिश्रा, किरण मिश्रा, शशि गोस्वामी, विमला मौसी, माया शर्मा, पुष्पा मिश्रा, अनीता रिछारिया, निशा शुक्ला, सुधा दीक्षित, शिखा शर्मा आदि उपस्थित थे। संस्थापक अध्यक्ष डॉ. जयवीर भारद्वाज ने सबको जानकारी दी की 2 अप्रैल तक निशुल्क तृतीया ब्राह्मण सामूहिक विवाह सम्मेलन के पंजीयन प्रधान कार्यालय ऊंट पुल पर करने की अंतिम तिथि घोषित की गई है तथा 8 अप्रैल को सामूहिक विवाह के आमंत्रण का पूजन शिवपुरी में महामंडलेश्वर पुरुषोत्तम दास महाराज के मुख्य अतिथि में परशुराम मंदिर पर किया जाएगा। ग्वालियर से आधा सैकड़ा सकल ब्राह्मण महासमिति के आजीवन सदस्य पदाधिकारी भाग लेने जाएंगे। शिवपुरी में प्राचीन ढाई सौ वर्ष का पुरानी श्री राजेश्वरी देवी मंदिर, बड़े तालाब हनुमान जी के मंदिर, बधाइयां कुंड, शहीद तात्या टोपे शहीद स्थल, नेशनल पार्क, सिंधिया छतरी पर भी नशा मुक्ति जन जागरण अभियान को चलाया जाएगा। डॉ. अनिल शर्मा, मनोज त्रिपाठी को शिवपुरी यात्रा संयोजक का दायित्व सौंपा गया है। ब्रह्मदत्त पांडे शास्त्री ने आभार माना।

9.5 तीव्रता के इस भूकंप ने मचा दी थी तबाही

अब तक का सबसे शक्तिशाली भूकंप 65 साल पहले चिली में आया था

एजेंसी ■ लंदन

28 मार्च को म्यांमार और थाईलैंड में आए विनाशकारी भूकंप ने भारी तबाही मचाई। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 7.2 मापी गई, जो बेहद खतरनाक मानी जाती है। इस भूकंप से कई लोगों की जाने चली गई और कई विशाल इमारतें जमीदोज हो गई। वैज्ञानिकों के अनुसार, इस तीव्रता का भूकंप बड़े पैमाने पर तबाही मचा सकता है और कमजोर इमारतों को गिरा सकता है।

क्या आप जानते हैं कि दुनिया में अब तक का सबसे शक्तिशाली भूकंप 1960 में चिली के वाल्दीविया में आया था? इस भूकंप की तीव्रता 9.5 मापी गई थी, जिसे ग्रेट चिलियन भूकंप के नाम से जाना जाता है। यह भूकंप 22 मई 1960 को

आया था और करीब 10 मिनट तक झटके देता रहा था। इसकी वजह से सूनामी की विशाल लहरें उठीं, जिसने दक्षिण अमेरिका से लेकर हवाई, जापान, फिलीपींस, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया तक तबाही मचा दी थी। वाल्दीविया एक तटीय क्षेत्र था, इसलिए इस भूकंप के कारण समुद्र से उठी लहरों ने अधिक विनाश किया। हालांकि, उस समय इस क्षेत्र की आबादी अपेक्षाकृत बहुत कम थी, जिसके कारण मरने वालों की संख्या 1,000 से 6,000 के बीच रही। हालांकि, आर्थिक नुकसान बहुत ज्यादा हुआ और कई शहर तबाह हो गए। यह भूकंप इतना शक्तिशाली था कि वैज्ञानिक आज भी इसे धरती पर आए सबसे विनाशकारी भूकंपों में से एक मानते हैं। आमतौर पर भूकंप की तीव्रता 6 से 8 के बीच होती है, जो इमारतों और बुनियादी ढांचे को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकती है। लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या रिक्टर स्केल पर 10 तीव्रता का भूकंप आ सकता है? वैज्ञानिकों के अनुसार, यह लगभग असंभव है। अमेरिका की भूवैज्ञानिक संस्था यूएसजीएस के अनुसार, पृथ्वी की संरचना और फाल्ट लाइनों की सीमाओं के कारण 10 तीव्रता का भूकंप आना बेहद कठिन है। भूकंप की तीव्रता और उसके प्रभाव फाल्ट लाइनों पर निर्भर करते हैं। फाल्ट लाइन वह स्थान होता है जहां पृथ्वी की चट्टानें आपस में टकराती या खिसकती हैं। अगर फाल्ट लाइन बड़ी होती है, तो भूकंप भी उतना ही शक्तिशाली होता है। चिली में आए 9.5 तीव्रता वाले भूकंप की फाल्ट लाइन 1,000 मील लंबी थी, जो इसे अब तक का सबसे शक्तिशाली भूकंप बनाने के लिए पर्याप्त थी। अगर कभी 10 तीव्रता का भूकंप आता है, तो उसका प्रभाव इतना विनाशकारी होगा कि धरती के बड़े हिस्से को नुकसान पहुंच सकता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि हमारी पृथ्वी की संरचना इतनी मजबूत है कि इतने बड़े झटकों को सहने के लिए यह खुद को संतुलित कर सकती है। इसलिए, 10 तीव्रता का भूकंप आना लगभग असंभव है। फिलहाल, भारत समेत दक्षिण एशिया के कई देश भूकंप के बढ़ते खतरों का सामना कर रहे हैं। नेपाल, भूटान और भारत के हिमालयी क्षेत्र में भूकंप की संभावना अधिक होती है, क्योंकि यह इलाका टेक्टोनिक प्लेट्स के टकराने वाले क्षेत्र में आता है। विशेषज्ञों का मानना है कि हमें भूकंप-रोधी इमारतों का निर्माण करने और भूकंप से बचाव के उपायों को अपनाने की जरूरत है, ताकि इस प्राकृतिक आपदा से होने वाले नुकसान को कम किया जा सके।

ईरान की उल्टी गिनती शुरू, ट्रंप के प्रस्ताव को मानने के अलावा कोई विकल्प नहीं

परमाणु बम गिराने वाले बी-2 बॉम्बर तैनात

एजेंसी ■ तेहरान

ईरान की उल्टी गिनती शुरू हो गई है और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से आखिरी आदेश का इंतजार हो रहा है। ईरान के पास अब सिर्फ दो ही विकल्प बचे हैं, या अमेरिका की बात माने या फिर विनाशक हमले के लिए तैयार रहे। ट्रंप के आदेश के बाद अमेरिका के शक्तिशाली परमाणु बम गिराने वाले बी-2 बॉम्बर ब्रिटिश डिएगो गार्सिया पर जमा हो रहे हैं, जिसका लक्ष्य ईरान पर हमला करना है। ईरान के सुप्रीम लीडर के पास वक्त खत्म होता जा रहा है। इतना ही नहीं ट्रंप ने इजरायल को ईरानी परमाणु स्थलों पर हमला की इजाजत दे दी है। ट्रंप ने ईरानी सुप्रीम लीडर को चेतावनी दे दी हैं कि नए परमाणु समझौतों पर दस्तखत करे या फिर ईरान पर हमले का इंतजार करे। ट्रंप ने सुप्रीम लीडर को 2 महीने का वक्त दे रखा है और अब सिर्फ इसमें 5 हफ्ते ही बचे हुए हैं। हालांकि रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान ने ओमान के रास्ते अमेरिका को कुछ संदेश भिजवाया

है लेकिन उस संदेश में क्या कहा गया है फिलहाल इसकी कोई जानकारी नहीं है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि जब तक ट्रंप की ओर से मैक्सिमम दबाव बनाया जाता रहेगा, ईरान अमेरिका के साथ बातचीत नहीं करेगा। ईरानी विदेश मंत्री भले ही सख्त दिखने कोशिश कर रहे हैं, लेकिन एक्सपर्ट्स का मानना है कि उनके पास अब विकल्प नहीं बचे हैं।

ट्रंप प्रशासन ने ईरान को कई तरह की चेतावनी दी है, जिसमें उन्होंने तत्काल हूती विद्रोहियों को मदद बंद करने को कह दिया है। इसके अलावा ऐसी रिपोर्ट है कि पिछले हफ्ते करीब 5 बी-2 स्पिरिट बमवर्षक यमन पर अमेरिकी एयरस्ट्राइक के बाद बमबारी के लिए तैयार थे, जिसका मकसद हूती आतंकवादियों को निशाना बनाना था। बी-2 स्पिरिट बमवर्षक विमान दुनिया का सबसे शक्तिशाली बमवर्षक विमान है। इस विमान को विशाल वजन वाले बम और परमाणु बमों को गिराने के लिए डिजाइन किया गया है। ये 25 टन के विशाल बम से किसी भी लक्ष्य को नष्ट करने की क्षमता रखता है। बी-2 स्पिरिट बॉम्बर विमान को डिएगो गार्सिया में तैनात किया गया है, जो ईरान से सिर्फ 2300 किलोमीटर दूर है। जबकि बम गिराने वाले विमान का रेंज 6900 मील से ज्यादा है।

ट्रंप ईरान को लेकर हमेशा से सख्त रहे हैं और 2020 में उनके ही आदेश पर ईरानी जनरल कासिम सुलेमानी को मौत के घाट उतारा गया था। ट्रंप को डर है कि बदला लेने के लिए ईरान उनकी हत्या कर सकता है। ट्रंप ने अपनी टीम को आदेश दे रखा है कि अगर ईरान उनकी हत्या करता है, तब इस्लामिक देश को पूरी तरह से बर्बाद कर दें। ट्रंप ने फरवरी महीने में कहा था कि अगर उनकी हत्या कर दी जाती है, तब अमेरिका क्या करेगा, इसकी तैयारी पहले ही की जा चुकी है। उन्होंने कहा था कि मैंने आदेश दे रखा है कि अगर ऐसा करते हैं, तब वे नष्ट हो जाएंगे। कुछ भी नहीं बचेगा। बता दें कि पिछले साल नवंबर में दावा किया गया था कि एक ईरानी एजेंट उनकी हत्या की साजिश रच रहा था, जिससे अमेरिका में हड़कंप मच गया था। हालांकि ईरान ने इन बातों को नकार दिया था।

जबकि ट्रंप ने 7 मार्च को ईरानी सुप्रीम लीडर अली खामेनेई को एक धमकी भरी चिट्ठी भेजी थी, जिसमें दोनों देशों के बीच परमाणु समझौते पर सीधी बातचीत करने के लिए ईरान को चेतावनी दी गई थी। ट्रंप ने प्रस्ताव को खारिज करने और परमाणु कार्यक्रम को आगे बढ़ाने पर ईरान को अंजाम भुगतने की धमकी दी थी।

ट्रंप की धमकियों पर भड़का ईरान कहा- अमेरिका का एक भी ठिकाना नहीं बचने देंगे

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार ईरान को धमका रहे हैं। ईरान ने कई बार मामले को टालने की कोशिश की। इसके बाद भी अमेरिका धौंस दिखाने से बाज नहीं आ रहा है। इस ईरान ने भी साफ कह दिया कि ईरान को इतना कमजोर न समझें, अमेरिका का एक भी ठिकाना नहीं बचने देंगे। ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाकर गलीबाफ ने अमेरिका को चेतावनी देते हुए कहा है कि तेहरान को धमकाना बंद कर दीजिए। उन्होंने कहा कि ईरान पर हमला हुआ तो अमेरिका और उसके सहयोगियों के ठिकाने भी सुरक्षित नहीं रहेंगे। ईरानी नेता की यह धमकी ऐसे समय में आई है, जब अमेरिका ने अपने सैन्य संसाधन ईरान के करीब पहुंचाने की बात कही है। गलीबाफ ने इजरायल को भी घेरा है और उसे लेबनान में हवाई हमले रोकने के लिए कहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान के संसद स्पीकर मोहम्मद बाकर गलीबाफ ने तेहरान यूनिवर्सिटी में इंटरनेशनल कुद्स डे पर बोलते हुए अमेरिका की ओर से आ रही धमकियों पर बात की। उन्होंने कहा, अगर वे ईरान को धमकी देते हैं तो समझ लें कि वो भी बारूद के ढेर पर हैं। ईरान पर हमला हुआ तो पूरे क्षेत्र में अमेरिका और उसके सहयोगी असुरक्षित हो जाएंगे।

म्यांमार और थाईलैंड में भूकंप की तबाही देख मस्क ने की मदद की पेशकश

आपदा की घड़ी में वह कम्युनिकेशन के लिए स्टारलिंक किट करेंगे प्रदान

एजेंसी ■ वाशिंगटन

म्यांमार और थाईलैंड में भूकंप ने भारी तबाही मचाई है। इस तबाही को देखते हुए पूरी दुनिया ने मदद के लिए हाथ बढ़ाया है। इस बीच एक्स के मालिक एलन मस्क ने भी पेशकश की है। उन्होंने कहा कि आपदा की घड़ी में वह कम्युनिकेशन में मदद करेंगे। मस्क ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट में कहा कि थाईलैंड और म्यांमार में भूकंप से हुए नुकसान से वह बहुत दुखी हैं।

स्पेसएक्स की टीम संचार आवश्यकताओं और राहत प्रयासों में सहायता के लिए स्टारलिंक किट प्रदान करने के लिए तैयार है। दरअसल, स्टारलिंक एक सैटेलाइट कॉन्सटेबुल सिस्टम है जिसका उद्देश्य वैश्विक इंटरनेट कवरेज देना है। यह सिस्टम ग्रामीण और भौगोलिक रूप से अलग-थलग क्षेत्रों के लिए आदर्श है जहां इंटरनेट कनेक्टिविटी न के बराबर होती है।

बता दें, 7.7 की तीव्रता वाले भूकंप के बाद म्यांमार में शुक्रवार देर रात रिक्टर स्केल पर 4.2 तीव्रता का एक और भूकंप आया। यह भूकंप दक्षिण-पूर्व एशिया के अधिकांश हिस्सों में आया। पहले भूकंप के बाद 150 से ज्यादा लोगों की मौत की पुष्टि हुई और सैकड़ों लोग घायल हुए हैं। शुक्रवार को म्यांमार सैन्य जुंटा ने शुक्रवार के विनाशकारी भूकंप के बाद छह क्षेत्रों में आपातकाल घोषित कर दिया है। अधिकारियों ने कहा कि म्यांमार और थाईलैंड में खोज और बचाव प्रयासों के चलते हताहतों की संख्या में इजाफा होने संभावना जताई जा रही है। भूकंप से बैंकॉक में एक निर्माणाधीन ऊंची इमारत के ढहने से 8 लोगों की मौत हो गई और 9 घायल हो गए। पुलिस ने कहा कि 100 से ज्यादा लोग लापता हैं। 7.7 तीव्रता के भूकंप के बाद, थाईलैंड के पीएम पैटोंगटार्न शिनावात्रा ने बैंकॉक को आपातकालीन क्षेत्र घोषित कर दिया है।

एड्स फंडिंग में रोक से 2030 तक 10 मिलियन संक्रमण और 3 मिलियन मौतें का खतरा!

एजेंसी ■ सिडनी

एक अध्ययन के मुताबिक एचआईवी रोकथाम और उपचार कार्यक्रमों के लिए अंतर्राष्ट्रीय फंडिंग में कटौती से 2030 तक 10 मिलियन से ज्यादा संक्रमण और करीब तीन मिलियन मौतें हो सकती हैं। यह बात गुरुवार को प्रकाशित एक अध्ययन में सामने आई। ऑस्ट्रेलिया के एक इंस्टीट्यूट की टीम द्वारा किए अध्ययन में 2026 तक वैश्विक एचआईवी फंडिंग में अनुमानित 24 फीसदी की कमी के प्रभाव का मॉडल बनाया गया है। यह अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी और नीदरलैंड समेत प्रमुख दाताओं द्वारा 8 से 70 फीसदी की सहायता कटौती की घोषणा के बाद हुआ है। ये पांच देश सामूहिक रूप से वैश्विक एचआईवी सहायता का 90 फीसदी से ज्यादा फंडिंग करते हैं। शोधकर्ताओं ने कहा कि अगर अमेरिका और ब्रिटेन समेत शीर्ष पांच दाता देशों द्वारा प्रस्तावित फंडिंग कटौती को कम

नहीं किया जाता है, तो अनुमान है कि 2025 और 2030 के बीच बच्चों और वयस्कों में 4.4 से 10.8 मिलियन अतिरिक्त नए एचआईवी संक्रमण और 770,000 से 2.9 मिलियन मौतें हो सकती हैं। एचआईवी फंडिंग में विश्व में सबसे जयादा योगदान देने वाले अमेरिका ने ट्रम्प के शपथ ग्रहण के बाद 20 जनवरी को सभी सहायता रोक दी है। अध्ययन में खुलासा हुआ है कि एड्स राहत के लिए राष्ट्रपति ट्रंप की आपातकालीन योजना के नुकसान के साथ-साथ अन्य फंडिंग कटौती के कारण अब 2030 तक वैश्विक स्वास्थ्य संकट के रूप में एचआईवी/एड्स को खत्म करने की दिशा में प्रगति उलटने का खतरा है। एक अध्ययनकर्ता ने कहा कि अमेरिका ऐतिहासिक रूप से एचआईवी के उपचार और रोकथाम के वैश्विक प्रयासों में सबसे बड़ा योगदान देता है, लेकिन पीईपीएफएआर और यूएसएआईडी समर्थित कार्यक्रमों में मौजूदा कटौती ने पहले से ही एंटीरेट्रोवायरल थेरेपी और एचआईवी की रोकथाम और परीक्षण सहित जरुरी एचआईवी सेवाओं तक पहुंच को बाधित कर दिया है। संस्थान के सह-लेखक ने बताया कि परीक्षण और उपचार कार्यक्रमों को सीमित करने के अलावा, उप-सहारा अफ्रीका में व्यापक रोकथाम प्रयासों में कटौती देखने को मिलेगी, जैसे कि कंडोम वितरित करना और प्री-एक्सपोज़र प्रोफिलैक्सिस एक दवा जो एचआईवी होने के जोखिम को कम करती है की पेशकश करना।

बवाल के पीछे उजागर हुई नेपाल के पूर्व राजा की साजिश, अब भरना पड़ेगा जुर्माना

एजेंसी ■ काठमांडु

बीते कई दिनों से नेपाल में लगातार हिंसा, आगजनी और तोड़फोड़ के साथ विरोध प्रदर्शन चल रहे थे। इसके पीछे दावा किया जा रहा है कि पूर्व राजा ने साजिश के तहत यह उपद्रव करवाया है। नेपाल सरकार ने प्रदर्शन को भड़काने के शक में पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह का पासपोर्ट रद्द करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। नेपाल के एक समाचार पत्र के मुताबिक अधिकारियों का दावा है कि इन प्रदर्शनों के पीछे ज्ञानेंद्र का ही हाथ है। उन पर जुर्माना भी लगाया गया है। काठमांडू के नागरिक निकाय ने शनिवार को ज्ञानेंद्र शाह पर जुर्माना लगाने की मांग करते हुए एक पत्र जारी किया। इस चिट्ठी में उन्हें नुकसान के लिए मुआवजे के रूप में 7,93,000 नेपाली रुपये का भुगतान करने के लिए कहा गया है। बता दें कि नेपाल में फरवरी में लोकतंत्र दिवस के बाद से राजशाही

समर्थक सक्रिय हो गए हैं। उससे पहले ज्ञानेंद्र शाह ने एक बयान जारी कर कहा था कि अब देश की रक्षा करने का समय आ गया है और अब देश के एकता लाने की जिम्मेदारी हमें लेनी चाहिए। राजशाही समर्थक काठमांडू और देश के अन्य हिस्सों में रैलियां आयोजित कर रहे हैं जिसमें 2008 में खत्म किए गए 240 साल पुराने राजतंत्र को बहाल करने की मांग की गई है। शनिवार को राजशाही समर्थक प्रदर्शनकारियों ने देश की राजनीतिक पार्टियों के दफ्तरों को निशाना बनाते हुए हमले किए जिसमें कम से कम 2 लोगों के मारे जाने की खबर है।

पुतिन की हाईटेक कार में धमाका, यूक्रेन के हमले से हिल गया रूस?

एजेंसी ■ मॉस्को

सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है। जिसमें एक जलती हुई कार दिखाई गई है। बताया जा रहा है कि ये कार रुस राष्ट्रपति पुतिन के काफिले की है। रूसी सुरक्षा एजेंसी एफएसबी के मुख्यालय के पास यह विस्फोट हुआ। रिपोर्ट के मुताबिक पुतिन ने इस धमाके के बाद सीवर की तलाशी से लेकर अपने गार्डों की जांच का आदेश दिया है।

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में दिख रहा है कि आग इंजन से शुरू हुई और देखते ही देखते पूरी गाड़ी चपेट में आ गई। लिमोजिन में आग लगते ही आस-पास के बार से कर्मचारी मदद के लिए पहुंचे, लेकिन आग इतनी भयानक थी कि वह बस देखते रहे। अभी यह साफ नहीं हो सका है कि विस्फोट के दौरान गाड़ी में कौन था। लिमोजिन पुतिन के प्रेसिडेंशियल प्रॉपर्टी मैनेजमेंट डिपार्टमेंट की

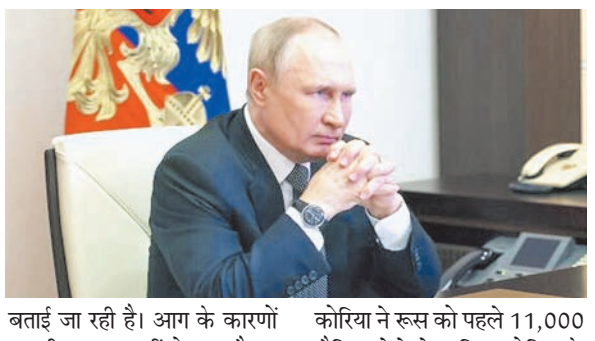

बताई जा रही है। आग के कारणों का भी खुलासा नहीं हो सका है।

गुरुवार को दक्षिण कोरिया की सेना ने बड़ा खुलासा किया। उसने बताया कि उत्तर कोरिया ने इस साल की शुरुआत में कम से कम 3000 अतिरिक्त सैनिकों को रूस भेजा है। यह दिखाता है कि किम जोंग लगातार पुतिन की सेना का समर्थन कर रहे हैं। उत्तर कोरियाई सैनिकों की ताजा मदद के कारण रूस ने यूक्रेनी सैनिकों को यूक्रेन सीमा तक खदेड़ दिया। इसी से बौखलाई जेलेंस्की की सेना ने बेलगोरोड में नया हमला शुरू कर दिया है। उत्तर कोरिया ने रूस को पहले 11,000 सैनिक भेजे थे। दक्षिण कोरिया के जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने बताया कि जनवरी और फरवरी में भेजी गई ये टुकड़ियां पहले के 11,000 सैनिकों से अलग है। दक्षिण कोरिया का मानना है कि युद्ध में करीब 4,000 सैनिक मारे या घायल हो चुके हैं। यूक्रेन के पूर्वी शहर नीप्रो पर बड़ा ड्रोन हमला हुआ, जिसमें कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और 21 लोग घायल हुए। इस हमले में ऊंची इमारतों को नुकसान पहुंचा है और एक होटल तथा घरों में आग लग गई।

अध्ययन रिसर्च में जेएडीईएस-जीएस-झेड 14-0 में ऑक्सीजन की मौजूदगी के स्पष्ट संकेत मिले

तारों के विकास को लेकर नई चिंतनशील बहस शुरू

एजेंसी ■ वाशिंगटन

हाल ही में डच और इटालियन खगोलविदों की टीमों ने इस आकाशगंगा का गहन अध्ययन करने के लिए एएलएमए रेडियो टेलीस्कोप का उपयोग किया। यूरोपियन सदर्न ऑब्जर्वेटरी (ईएसओ) के अनुसार, इस अध्ययन मेंजेएडीईएस-जीएस-झेड14-0 में ऑक्सीजन की मौजूदगी के स्पष्ट संकेत मिले, जो पहले वेब टेलीस्कोप द्वारा देखे गए थे। खगोलविदों ने आकाशगंगा में ऑक्सीजन के संकेत खोजे हैं, जिससे शुरुआती ब्रह्मांड में तारों के विकास को लेकर नई चिंतनशील

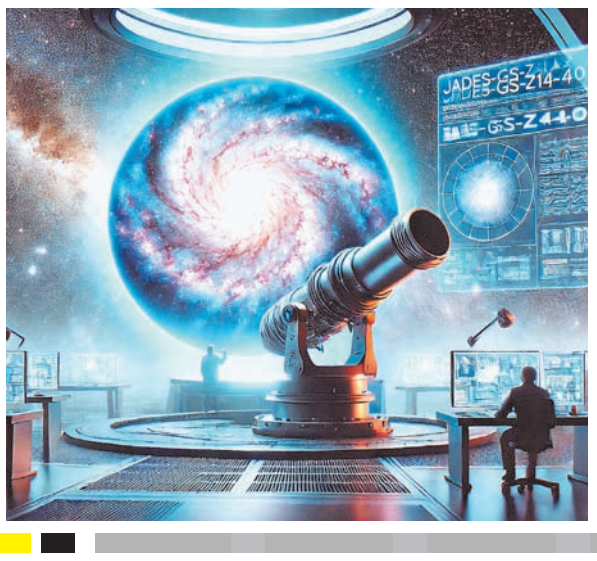

बहस शुरू हो गई है। यह आकाशगंगा जेएडीईएस-जीएस-झेड14-0 है, जिसे जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोपने पिछले साल खोजा था। यह इतनी दूर स्थित है कि इसका प्रकाश पृथ्वी तक पहुंचने में 13.4 अरब साल लगा, यानी जब ब्रह्मांड सिर्फ 300 मिलियन साल पुराना था, तब यह आकाशगंगा अस्तित्व में आ चुकी थी।

यह खोज वैज्ञानिकों के लिए चौंकाने वाली है, क्योंकि यह संकेत देती है कि शुरुआती ब्रह्मांड में सितारे अपेक्षा से कहीं ज्यादा तेजी से बने और विकसित हुए। सामान्यतः ब्रह्मांड के शुरुआती दौर, जिसे कॉस्मिक डॉन कहा जाता है, में आकाशगंगाओं में मुख्य रूप से हाइड्रोजन और हीलियम जैसे हल्के तत्व मौजूद होने चाहिए थे। लेकिन जेएडीईएस-जीएस-झेड14-0 में भारी तत्वों की मात्रा उम्मीद से 10 गुना अधिक पाई गई। लीडेन ऑब्जर्वेटरी के खगोलशास्त्री सैंडर शॉव्स ने इस खोज को एक ऐसे किशोर को खोजने जैसा बताया, जहां केवल नवजात शिशु होने की उम्मीद थी। उन्होंने कहा, यह आकाशगंगा अत्यधिक तेजी से विकसित हो रही है, जिससे यह संकेत मिलता है कि आकाशगंगाओं का निर्माण जितना हम सोचते थे, उससे कहीं तेज हुआ।

इटली के खगोल वैज्ञानिक स्टेफानो कार्नियानी ने इसे अविश्वसनीय खोज बताया और कहा कि यह सवाल उठाता है कि आकाशगंगाओं का जन्म आखिर कब और कैसे हुआ। 2022 में जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप के सक्रिय होने के बाद से वैज्ञानिकों ने पाया है कि शुरुआती ब्रह्मांड की आकाशगंगाएं पहले के अनुमानों से कहीं अधिक चमकदार और विकसित थीं। यह खोजें इतनी चौंकाने वाली रही हैं कि वैज्ञानिकों को अब ब्रह्मांड की मौजूदा समझ पर सवाल उठाने पड़े हैं।

पिरामिडों के नीचे फैली जटिल भूमिगत संरचना का पता चला

एजेंसी ■ काहिरा

यूनिवर्सिटी ऑफ़ पीसा के वैज्ञानिकों ने एडवांस राडार तकनीक से मिस्र में गीज़ा के पिरामिडों को स्कैन किया, जिससे उनके नीचे फैली एक जटिल भूमिगत संरचना का पता चला है। यूनिवर्सिटी ऑफ़ पीसा के वैज्ञानिक कोराडो मलंगा और यूनिवर्सिटी ऑफ़ स्ट्रैथक्लाइड के फिलिपो बायोन्डी ने खफ़रे पिरामिड की जांच के लिए सिंथेटिक एपर्चर रडार (एसएआर) टोमोग्राफी का उपयोग किया। खफ़रे पिरामिड, गीज़ा की दूसरी सबसे बड़ी संरचना है, और स्कैन में इसके आधार के पास पांच समान भूमिगत संरचनाएं मिलीं। इन संरचनाओं में कई स्तर थे और ये जटिल ज्यामितीय मार्गों से आपस में जुड़ी हुई थीं। इसके अलावा, वैज्ञानिकों ने आठ ऊर्ध्वाधर बेलनाकार कुएं खोजे, जो 648 मीटर तक फैले हुए सर्पिल रास्तों से घिरे थे। इनका अंत दो विशाल घनाकार संरचनाओं में हुआ, जिनकी प्रत्येक भुजा लगभग 80 मीटर की थी। इस खोज के बाद, वैज्ञानिकों ने एक रिपोर्ट जारी की, जिसमें उन्होंने बताया कि यह अध्ययन पिरामिडों के पारंपरिक शाही कब्र होने की धारणा को चुनौती देता है। इस भूमिगत नेटवर्क के उद्देश्य को लेकर कई सिद्धांत सामने आए हैं।

भारत को पड़ोसी देशों से चुनौती

भारत की विदेश नीति हमेशा से पड़ोसियों के साथ बेहतर संबंधों और वैश्विक मंच पर जरूरत को ध्यान में रखते हुए स्थिति से जुड़ी रही है। हाल के वर्षों में कुछ नीतिगत निर्णयों और पड़ोसी देशों से बिगड़ते संबंधों ने भारत के लिए गंभीर कूटनीतिक चुनौतियां पैदा कर दी हैं। इन चुनौतियों के कारण भारत को अपने पड़ोसी देशों के साथ बिगड़ते संबंधों के कारण कूटनीतिक हार का सामना करना पड़ा है। भारत की सबसे बड़ी हार बांग्लादेश के तीस्ता जल समझौता और नेपाल के संबंधों को लेकर है, जहां सबसे ज्यादा चिंताजनक स्थिति में भारत पहुंच गया है। भारत और बांग्लादेश के संबंध ऐतिहासिक रूप से मजबूत रहे हैं। बावजूद इसके हाल ही में चीन की बढ़ती दखलंदाजी ने भारत और बांग्लादेश के संबंधों में खटास ला दी है। तीस्ता जल समझौते पर वर्षों से भारत की टाल-मटोल नीति ने बांग्लादेश को निराश किया। चीन ने इस अवसर का लाभ उठाकर वहां अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा दी। बांग्लादेश और चीन का इस मामले में समझौता होने जा रहा है। प्रधानमंत्री शेख हसीना के कार्यकाल में भारत की उपेक्षा के बावजूद बांग्लादेश ने धैर्य बनाए रखा था। नई सरकार के आते ही चीन ने तीस्ता परियोजना को अपने हाथ में ले लिया। यह भारत के लिए रणनीतिक रूप से बड़ी हार है। नेपाल, म्यांमार और अन्य पड़ोसी देशों के साथ भारत के संबंध हाल के वर्षों में काफी तनावपूर्ण हो गये हैं। उन देशों की आंतरिक राजनीति में भारत पर हस्तक्षेप के आरोप लगे हैं। नेपाल में भारत के प्रति असंतोष बढ़ा है। वहीं, म्यांमार में चीन की सक्रियता और भारत की निष्क्रियता ने पड़ोसी देश के साथ संबंधों और सीमा के मामले में भारत को कमजोर किया है। भूटान, हमेशा से भारत का परंपरागत सहयोगी रहा है। भारत और भूटान के बीच में भी दूरियां बढ़ रही हैं। भूटान विदेश नीति के मामले में अधिक स्वतंत्रता से आगे बढ़ रहा है। श्रीलंका और मालदीव मे भी चीन की रणनीतिक पकड़ भारत की तुलना में काफी मजबूत हुई है। भारत का प्रभाव उपरोक्त देशों में सीमित होता जा रहा है। जिसके कारण भारत के लिये सीमावर्ती चुनौतियां बढ़ती चली जा रही हैं। पिछले एक दशक में भारत की विदेश नीति पड़ोसी देशों के साथ अनुकूल नहीं रही है। उससे भारत के संबंध अपने पड़ोसी देशों

के साथ पहले की तुलना में बहुत खराब हुए हैं। भारत की यह हार भविष्य में भारत के लिए बहुत बड़ी चुनौतियां पैदा करने जा रही है। यह सिर्फ पडोसी देश तक सीमित नहीं है। इसके प्रभाव भारत की सीमा सुरक्षा एवं व्यापार के क्षेत्र में भी बड़ा असर डालेगी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़े पैमाने पर इसका असर होगा। समूचे दक्षिण एशिया में चीन की आक्रामक विदेश नीति ने भारत के लिए कई बड़ी चुनौतियां पैदा कर दी हैं। भारत सरकार की निष्क्रियता से पड़ोसियों के बेहतर रिश्तों को खराब कर दिया है। अभी भी समय है, भारत सरकार अपनी नीतियों की समीक्षा करे।

अन्य देशों में रह रहे हिंदूओं के साथ खड़े रहने की आवश्यकता

आज लगभग 4 करोड़ से अधिक भारतीय मूल के नागरिक विश्व के अन्य देशों में शांतिपूर्ण तरीके से रह रहे हैं एवं इन देशों की आर्थिक प्रगति में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। कई देशों में तो भारतीय मूल के नागरिक इन देशों के राजनैतिक पटल पर भी अपनी उपयोगिता सिद्ध कर रहे हैं। अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, आदि विकसित देश इसके प्रमाण हैं। आस्ट्रेलिया में तो भारतीय मूल के नागरिकों को राजनैतिक क्षेत्र में सक्रिय करने के गम्भीर प्रयास स्थानीय स्तर पर किए जा रहे हैं, क्योंकि अन्य देशों में भारतीय मूल के नागरिकों की इस क्षेत्र में सराहनीय भूमिका सिद्ध हो चुकी है। राजनैतिक क्षेत्र के अतिरिक्त आर्थिक क्षेत्र में भी भारतीय मूल के नागरिकों ने अपनी उपयोगिता सिद्ध की है जैसे अमेरिका के सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में आज भारतीयों का ही बोलबाला है। अमेरिका में प्रतिवर्ष लगभग 85,000 एच वन-बी वीजा जारी किए जाते हैं, इसमें से

लगभग 60,000 एच वन-बी वीजा भारतीय मूल के नागरिकों को जारी किए जाते हैं। इसी प्रकार अमेरिका की प्रमुख बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी भारतीय मूल के नागरिक बन रहे हैं। आज अमेरिका एवं ब्रिटेन में प्रत्येक 7 चिकित्सकों में 1 भारतीय मूल का नागरिक हैं। न केवल उक्त वर्णित विकसित देशों बल्कि खाड़ी के देशों यथा, बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात में भी भारतीय मूल के नागरिक भारी संख्या में शांतिपूर्ण तरीके से रह रहे हैं एवं इन देशों के आर्थिक विकास में अपनी प्रभावशाली भूमिका निभा रहे हैं। इसके अतिरिक्त, कई देशों यथा सिंगापुर, गुयाना, पुर्तगाल, सूरीनाम, मारीशस, आयरलैंड, ब्रिटेन, अमेरिका आदि के राष्ट्राध्यक्ष (प्रधानमंत्री अथवा राष्ट्रपति/उपराष्ट्रपति) भारतीय मूल के नागरिक रहे हैं एवं कुछ देशों में तो अभी भी इन पदों पर आसीन हैं। साथ ही, 42 देशों की सरकार अथवा विपक्ष में कम से कम एक भारतवंशी रहा है।

दूसरी ओर, भारत के पड़ौसी देशों बांग्लादेश, पाकिस्तान एवं अफगानिस्तान में भारतीय मूल के नागरिकों, विशेष रूप से हिंदुओं की जनसंख्या लगातार कम हो रही है। बांग्लादेश में तो वर्ष 1951 में कुल आबादी में हिंदुओं की आबादी 22 प्रतिशत

प्रहलाद सबनानी

थी वह आज घटकर 8 प्रतिशत से भी नीचे आ गई है। लगभग यही हाल पाकिस्तान का भी है। बांग्लादेश में तो हाल ही के समय में सत्ता पलट के पश्चात हिंदुओं सहित वहां के अल्पसंख्यक समुदायों पर कातिलाना हमले किए गए हैं। केवल बांग्लादेश ही क्यों बल्कि विश्व के किसी भी अन्य देश में हिंदुओं के साथ इस प्रकार की घटनाओं का कड़ा विरोध होना चाहिए। भारतीय मूल के नागरिक सनातन संस्कृति के संस्कारों के चलते बहुत ही शांतिपूर्वक तरीके से इन देशों के विकास में अपनी भागीदारी निभाते हैं। इसके बावजूद भी यदि भारतीयों पर इस प्रकार के आक्रमण किए जाते हैं तो इसकी निंदा तो की ही जानी चाहिए एवं विश्व समुदाय से इस संदर्भ में सहायता भी मांगी जानी चाहिए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके। बांग्लादेश में हिंदूओं सहित अन्य अल्पसंख्यक समुदायों पर हुए घातक हमलों की अमेरिका के राष्ट्रपति श्री डॉनल्ड ट्रम्प ने भी भर्त्सना की थी, इसी प्रकार के विचार अन्य देशों के राष्ट्राध्यक्षों ने भी प्रकट किया थे। परंतु, आज आवश्यकता इस बात की है कि भारतीय हिंदू समाज भी विदेशों में रह रहे भारतीय मूल के नागरिकों के साथ खड़ा हो। इसी संदर्भ में, दिनांक 21 मार्च से 23 मार्च 2025 को बंगलूरू में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा में बांग्लादेश के हिंदू समाज के साथ एकजुटता से खड़े रहने का आह्वान किया गया है एवं इस संदर्भ में निम्नलिखित एक विशेष प्रस्ताव भी पास किया गया है।

÷अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा, बांग्लादेश में हिंदू और अन्य अल्प संख्यक समुदायों पर इस्लामी कट्टरपंथी तत्वों द्वारा लगातार हो रही सुनियोजित हिंसा, अन्याय और उत्पीड़न पर गहरी चिंता व्यक्त करती है। यह स्पष्ट रूप से मानवाधिकार हनन का गम्भीर विषय है।

बांग्लादेश में वर्तमान सत्ता पलट के समय मठ मंदिरों, दुर्गा पूजा पंडालों और शिक्षण संस्थानों पर आक्रमण, मूर्तियों का अनादर, नृशंस हत्याएं, सम्पत्ति की लूट, महिलाओं के अपहरण और अत्याचार, बलात मतांतरण जैसी अनेक घटनाएं सामने आ रही हैं। इन घटनाओं को केवल राजनीतिक बताकर इनके मजहबी पक्ष को नकारना सत्य से मुंह मोड़ने जैसा होगा, क्योंकि अधिकतर पीड़ित, हिंदू और अन्य अल्प संख्यक समुदायों से ही हैं।

बांग्लादेश में हिंदू समाज, विशेष रूप से अनुसूचित जाति तथा जनजाति समाज का इस्लामी कट्टरपंथी तत्वों द्वारा उत्पीड़न कोई नई बात नहीं है। बांग्लादेश में हिंदुओं की निरंतर घटती जनसंख्या (1951 में 22 प्रतिशत से वर्तमान में 7.95 प्रतिशत) दर्शाती है कि उनके सामने अस्तित्व का संकट है। विशेषकर, पिछले वर्ष की हिंसा और घृणा को जिस तरह सरकारी और संस्थागत समर्थन मिला, वह गम्भीर चिंता का विषय है। साथ ही, बांग्लादेश से लगातार हो रहे भारत विरोधी वक्तव्य दोनों देशों के सम्बन्धों को गहरी हानि पहुंचा सकते हैं।

कुछ अंतरराष्ट्रीय शक्तियां जान बूझकर भारत के पड़ौसी क्षेत्रों में अविश्वास और टकराव का वातावरण बनाते हुए एक देश को दूसरे के विरुद्ध खड़ा कर अस्थिरता फैलाने का प्रयास कर रही हैं।

प्रवासी लोगों का हिमाचल में दखल, घातक होगा आने वाला कल

■ नरेन्द्र भारती

देवभूमि के नाम से विख्यात हिमाचल में प्रवासी लोगों व मजदूरों व महिलाओं का दखल आने वाले कल के लिए घातक सिद्ध होगा। अपराधिक प्रवृति के प्रवासी हिमाचल को अपराध की शरणस्थली बना रहे है।सरेआम हत्याएं कर रहे है।बेखौफ होकर कत्लेआम व अपहरण कर रहे है।

मंडी में दो वरदातें हुई हैं एक सप्ताह पहले प्रवासी लोगों ने एक ढाबा मालिक पर गोलीवारी से जनमानस खौफजदा है अभी इस घटना की स्याही भी नहीं सूखी थी की नेरचौक में प्रवासी महिलाओं ने एक महिला के 35000 हजार रूपये लूटने का असफल प्रयास किया लेकिन महिला की बहादुरी से यह डकैती करने वाली पकड़ी गई और पैसा बरामद हो गया द्य ऐसी वरदातों पर संज्ञान लेना होगा ताकि आने वाले भविष्य में ऐसी घटना न हो सके द्य4 नवबंर 2018 रविवार को मण्डी जिला के कनैड में प्रवासी मजदूरों ने एक कारोबारी की हत्या कर दी थी ।खूनी वारदात से लोग दहशत के साए में थे ।पुलिस ने प्रवासी को राजस्थान से गिरफतार कर लिया था ।यह असम का रहने वाला था । दूसरा अपराधी अभी फरार हो गया था । प्रवासी लोगों की वारदातें थमने का नाम नहीं ले रही है।प्रशासन व पुलिस को इन हत्याओं की घटनाओं पर संज्ञान लेना चाहिए ताकि फिर कोई प्रवासी ऐसा जघन्य अपराध न कर सके।प्रवासियों की वारदातें बढती ही जा रही है। गत वर्षो दिन-दहाडे ही संतोषगढ में बस में सवार एक गिरोह ने महिला की गले की चेन काटने व झपटने का प्रयास किया तो महिला ने उसे पकड़ लिया था जबकि गिरोह के दूसरे सदस्य फरार हो गए थे । विदेशी नेपाली व अन्य राज्यों से आए प्रवासी लोगों द्वारा प्रदेश में अपराधिक घटनाओं व चोरियों व हत्याओं की वारदातों को अंजाम दिया जा रहा है जिससे हिमाचली जनमानस खौफजदा है।प्रवासी बेखौफ होकर प्रदेश में अराजकता फैला रहे हैं इसे कानून व्यवस्था की लारपवाही कहना गलत नहीं होगा समझ नहीं आता कि यह प्रवासी बार-बार अपराधिक वारदातों को कर रहे है और प्रशासन कुभंकरणी नींद सोया हुआ है यह दुर्भाग्य की बात है कि बाहरी लोग प्रदेश की शांति को ग्रहण लगा रहे है यदि समय रहते इन प्रवासी लोगों के खिलाफ कारवाई न की तो फिर पछताने के सिवाए कुछ हासिल नहीं होगा। प्रवासी हर रोज प्रदेश में चोरियां-डकैतियां कर रहे है लोगों को लूट रहे है ऐसी वारदातें निरंतर बढ़ती जा रही हैं। गत वर्ष नेरचैक में कुछ प्रवासी महिलाओं के डकैती करने वाले गिरोह ने बैंक से पैसा निकालकर बाहर निकली एक युवती का बैग काटकर 50 हजार रुपये उडा लिए थे। बारदात को अंजाम देने के दूसरे दिन इन महिलाओं ने मंडी बाजार में भी एक महिला का बैग काटा तो मौके पर ही इन महिलाओं को पकड़ लिया था बाद में उनसे नेरचौक से महिला से चुराये पैसे भी बरामद हो गए थे। कुछ साल पहले से प्रवासी ने चलती बस में मंडी में एक युवती पर तेजाब फैंककर उसका

चेहरा जला दिया था तेजाब के कारण लडकी की आखें व चेहरा बुरी तरह झुलस गया था।तेजाब के छीटों से अन्य यात्रियों को भी नुक्सान पंहुचा था। प्रवासीयों की करतूतों के रौगटें खड़े कर देने वाले प्रमाण जिला कांगड़ा के पालमपुर और राजधानी शिमला के ठियोग में देखने को मिले इन दोनों घटनाओं को अंजाम देने वाले प्रवासी ही थे पहली घटना में ठियोग में एक बाप ने अपनी तीन साल की बेटी की गला रेत कर निर्मम हत्या कर दी थी यह प्रवासी झारखंड़ का था तथा यहां मजदूरी करने आया था और दूसरी घटना में एक प्रवासी ने एक तीन साल की अबोध बच्ची के साथ दुष्कर्म किया था यह कारपेंटर का काम करता था तथा यह प्रवासी लुधियाना का रहने वाला था। प्रवासियों की इन वारदातों से देवभूमी की साख पर बटटा लगता जा रहा है।प्रवासियों द्वारा प्रदेश में अराजकता के मामले घटित होते रहते है प्रशासन द्वारा इन पर कुछ समय सख्ती बरती जाती है फिर भी प्रवासी लोग नई घटनाओं को अंजाम देते रहते हैं।हर जिला में प्रवासी लोगों के काले करानामों की करतूते देखने को मिलती रहती है।लगभग चार साल पहले कुल्लु में नेपाल के चोर नरबहादुर ने अधिष्ठाता भगवान रघुनाथ की मूर्ति को 8 दिसंबर 2014 को चुराया था मगर प्रदेश पुलिस की तत्परता से 45 दिनों की कड़ी मश्कत से इस मूर्ति चुराने वाले अपराधी को नेपाल में गिरफतार करके मूर्तियों को कुल्लू से बरामद कर लिया था। इसने मूर्तियों को कुल्लु के आसपास ही दबाया था जिसे पुलिस ने खोज लिया था।आज प्रदेश में हजारों की संख्या में प्रवासी प्रवास कर रहे है।हर जिलें में यह लोग नजर आ रहे है।कुछ लोगों बिना पंजीकरण के घूम रहे है प्रशासन और पुलिस को इनका पजीकरण करना चाहिए ताकि अपराधिक व असमाजिक तत्वों की पहचान हो सके।आज प्रवासी प्रदेश के हर शहर व गांव में नकली व घटिया सामान बेच रहे है गत वर्ष स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने सुन्दरनगर में प्रवासीयों की झुग्गियों-झोपडीयों में छापामारी करके नकली शहद पकड़ा था। हमीरपुर के एक बैंक से प्रवासियों द्वारा 32 लाख रुपयों से भरे बैग को चुरा लिया था जिसमें मध्यप्रदेश के लोग संलिप्त पाए गए थे।भले ही पुलिस ने इनसे कुछ पैसे बरामद कर लिए इन प्रवासियों ने यह पैसे करनाल के जंगल में जमीन में दबाकर रखे थे पुलिस की सक्रियता के कारण ही इन चोरों केा पकड़ा गया था। इन चोरों ने बीते अगस्त माह में 32 लाख रुपयों से भरा बैग चुराया था। इसमें चोरी करने वाले बच्चो की उम्र महज 15 साल तक थी। ऐसे पता नहीं कितने गिरोह प्रदेश में है इस वारदात के बाद भी यह प्रवासी निरंतर चोरियां कर रहे हैं। प्रदेश में हर रोज एटीएम कार्ड बदल कर लोगों को लुटा जा रहा है उसमें अधिकतर प्रवासी लोग ही पकड़े जा रहे है।आज प्रदेश में नेपाल, बिहार, उतरप्रदेश, झारखंड,राजस्थान,व जम्मू कश्मीर के प्रवासी लोग आजिविका कमा रहे है यह लोग पेंटर, मिस्त्री, बढ़ई का काम करते है प्रदेश में खडडों में रेत बतरी छानने का काम करते है कुछ गरीब लोग परिवार पालने के लिए मेहनत मजदूरी कर रहे है और शांति से रहते है कई प्रवासी मेलों मे खिलौने बेचकर रोजी रोटी कमा रहे है, मगर कुछ अपराधिक प्रवृति के लोग यहां भी अपने राज्यों जैसी अपराधिक वारदातों को कर रहे है अपराधों की शरणस्थली बना रहे है। अगर प्रदेश के लोग एकजुट होकर इन पर नजर रखें तो उनके यह मसूबें पूरे नही होगें। प्रदेश में यह लोग काम कर रहे है अच्छा है मगर अपराध की जो इबारतें लिख रहे है वह अशुभ सकेंत है।

राजकाज

कांग्रेस को पंजाब की हालत समझनी है तो पंजाब आना होगा

जब अरविंद केजरीवाल ने पंजाब के आम आदमी पार्टी विधायकों की बैठक दिल्ली में बुलाई थी। उस समय कांग्रेस ने बड़ी आलोचना की थी। लेकिन अब कांग्रेस के पंजाब प्रभारी छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी पंजाब कांग्रेस विधायकों की बैठक दिल्ली में बुलाई है। इस पर कांग्रेस के ही कई नेता याद दिला रहे हैं। जब आम आदमी पार्टी ने अपने विधायकों की बैठक दिल्ली में बुलाई थी। तब कांग्रेस उसके बारे में विरोध कर रही थी। आज कांग्रेस भी उसी रास्ते पर चल रही है। कांग्रेस के प्रभारी को यदि पंजाब की हालत समझनी है। तो उन्हें भी पंजाब आना होगा।

नागपुर का दंगा एक संयोग है या प्रयोग

मुगल शासक औरंगजेब को लेकर महाराष्ट्र और पूरे देश में एक नया प्रयोग हो रहा है। महाराष्ट्र का सबसे शांत शहर नागपुर माना जाता है। यहां पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का मुख्यालय भी है। जब भारत स्वतंत्र हुआ था। देशभर में दंगे हुए थे,तब भी नागपुर में दंगा नहीं हुआ था। अब नागपुर में औरंगजेब की कब्र को लेकर दंगा हुआ है। नागपुर में औरंगजेब की कब्र भी नहीं है। यह दंगा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ तथा भारतीय जनता पार्टी का नया प्रयोग है? क्या यह दंगा मात्र एक संयोग है। इसको लेकर देशभर में चर्चा हो रही है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पास बाबरी मस्जिद, अयोध्या, काशी और मथुरा हैं। गुजरात के पास गोधरा है।

नागपुर में हिंदू मुस्लिम का खेल शुरू हो गया

महाराष्ट्र के नागपुर में पिछले 300 साल में कभी भी दंगा देखने को नहीं मिला। यहां की हिंदू-मुस्लिम, गंगा जमुनी तहजीब नागपुर को हमेशा विशिष्ट बनाकर रखा है। स्वतंत्रता आंदोलन और स्वतंत्रता के बाद जब देश में जगह-जगह पर दंगे हो रहे थे। उस समय भी नागपुर में कोई दंगा नहीं हुआ था। जब नागपुर के विधायक देवेंद्र फडणवीस जो महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री भी हैं। उनके रहते हुए नागपुर में दंगा हुआ है। सारे नागपुर में यह चर्चा का विषय बना हुआ है। जिस विधानसभा क्षेत्र में संघ का मुख्यालय है। इस क्षेत्र में दंगा होना सभी को आश्चर्य में डाल रहा है। नागपुर में चर्चा है, महाराष्ट्र में भी हिंदू मुस्लिम का खेल शुरू हो गया है। इसकी परणति क्या होगी भगवान ही जाने।

बिहार में पप्पू यादव पर कांग्रेस ने अपना दांव लगाया

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस इस बार बिहार में चुनावी सफलता के लिए रणनीति बना रही है। कांग्रेस ने दलित राजेश राम को प्रदेश अध्यक्ष बनाया है। कन्हैया कुमार को बिहार में सक्रिय कर दिया है। लालू प्रसाद यादव से निपटने के लिए उनके साले पप्पू यादव पर कांग्रेस ने अपना दांव लगाया है। बिहार का दलित समुदाय कई जातियों में बटा हुआ है। अभी तक दलितों का नेतृत्व पासवान परिवार करता रहा है। पहले कांग्रेस के पास जगजीवन बाबू थे। उसके बाद उनकी पुत्री मीरा कुमार कांग्रेस में थी। समय बदला, जगजीवन बाबू आपातकाल के बाद जनता दल में चले गए थे।

फीचर

एग्रीकल्चर में भी हैं कॅरियर की अपार संभावनाएं

एग्रीकल्चर फील्ड में प्रोफेशनली कदम रखने के लिए आपको इस क्षेत्र से संबंधित कोर्स करना होगा। इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए छात्र विभिन्न तरह के कोर्स कर सकते हैं। इस क्षेत्र में सर्टिफिकेट कोर्स से लेकर आप डिप्लोमा, बैचलर व मास्टर कोर्स कर सकते हैं।

आमतौर पर युवा मानते हैं कि कृषि के क्षेत्र में कॅरियर का कोई स्कोप नहीं है। जबकि वास्तव में ऐसा नहीं है। कृषि सबसे बड़े उद्योगों में से एक है और देश भर में रोजगार का एक अच्छा स्रोत है। भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि की भी अहम भूमिका है और इसलिए इस क्षेत्र में करियर की कई संभावनाएं देखी जा सकती हैं। एग्रीकल्चर साइंस एक मल्टीडिसिप्लनरी फील्ड है, जिसमें विभिन्न प्रकार के वैज्ञानिक, तकनीकी और व्यावसायिक विषय शामिल हैं। यह कृषि-खाद्य उद्योग और गुणवत्तापूर्ण भोजन के कुशल उत्पादन को बढ़ावा देता है। कृषि क्षेत्र में बागवानी, खेत प्रबंधन, व्यवसाय और उद्योग शामिल हैं जो कृषि उत्पादों की खरीद और प्रक्रिया करते हैं, कृषि मशीनरी, बैंकिंग गतिविधियों का निर्माण करते हैं, गुणवत्ता और कृषि उत्पादों की मात्रा में सुधार के लिए रिसर्च आदि करते हैं। अगर आप भी खेती से जुड़ी बारीकियों को जानना चाहते हैं और बेहतर उत्पादन के जरिए देश की सेवा करना चाहते हैं तो एग्रीकल्चर में कॅरियर बना सकते हैं। तो चलिए जानते हैं विस्तार से इसके बारे में एग्रीकल्चर फील्ड में प्रोफेशनली कदम रखने के लिए आपको इस क्षेत्र से संबंधित कोर्स करना होगा। इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए छात्र विभिन्न तरह के कोर्स कर सकते हैं। इस क्षेत्र में सर्टिफिकेट कोर्स से लेकर आप डिप्लोमा, बैचलर व मास्टर कोर्स कर सकते हैं। इतना ही नहीं, आप एग्रीकल्चर के विभिन्न क्षेत्रों जैसे कृषिविज्ञान, बागवानी, फ्लोरीकल्चर, कृषि अर्थशास्त्र, फॉरेस्टी, एग्रीकल्चर जेनेटिक्स, हीड्रोपोनिक्स, वीड साइंस, कृषि एंटोमोलॉजी, कृषि माइक्रोबायोलॉजी, सॉइल साइंस और कृषि रसायन आदि में स्पेशलाइजेशन भी कर सकते हैं।

प्रेरणा

कर्म का फल हैं योनियां

जीवों में शरीर तथा इन्द्रियों की विभिन्न अभिव्यक्तियां प्रकृति के कारण हैं। कुल मिलाकर 84 लाख भिन्न-भिन्न योनियां हैं और ये सब प्रकृतिजन्य हैं। जीव के विभिन्न इन्द्रिय-सुखों से ये योनिया मिलती हैं जो इस या उस शरीर में रहने की इच्छा करता है। जब उसे विभिन्न शरीर प्राप्त होते हैं तो वह विभिन्न प्रकार के सुख तथा दुख भोगता है। उसके भौतिक सुख-दुख शरीर के कारण होते हैं, स्वयं उसके कारण नहीं। उसकी मूल अवस्था में भोग में कोई सन्देह नहीं रहता, अत- वही उसकी वास्तविक स्थिति है। वह प्रकृति पर प्रभुत्व जताने के लिए भौतिक जगत में आता है। वैपुंठ लोक शुद्ध है, किन्तु भौतिक जगत में प्रत्येक व्यक्ति विभिन्न प्रकार के शरीर-सुखों को प्राप्त करने के लिए संघर्षरत रहता है। यह कहने से बात और स्पष्ट हो जाएगी कि यह शरीर इन्द्रियों का कार्य है। इन्द्रियां इच्छाओं की पूर्ति का साधन हैं। यह शरीर तथा हेतु रूप इन्द्रियां प्रकृति द्वारा प्रदत्त हैं और जीव को पूर्व आकांक्षा तथा कर्म के

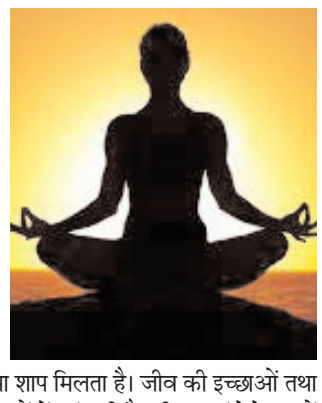

अनुसार परिस्थितियों के वश वरदान या शाप मिलता है। जीव की इच्छाओं तथा कर्मों के अनुसार प्रकृति उसे विभिन्न स्थानों में पहुंचाती है। जीव स्वयं ऐसे स्थानों में जाने तथा मिलने वाले सुख-दुख का कारण होता है।

एक प्रकार का शरीर प्राप्त होने पर वह प्रकृति के वश में हो जाता है। शरीर, पदार्थ होने के कारण प्रकृति के नियमानुसार कार्य करता है। उस समय शरीर में ऐसी शक्ति नहीं होती कि वह उस नियम को बदल सके। उदाहरण के लिए ज्यों ही वह कुत्ते के शरीर में स्थापित किया जाता है, उसे कुत्ते की भांति आचरण करना होता है।

अपनी बात

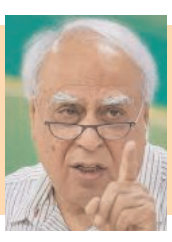

सिब्बल ने कहा कि यह उनके विवेक पर निर्भर करता है। यह सही था या गलत, यह समय ही बताएगा। दस्तावेज का स्रोत खुद कोर्ट है और फिर लोग इसे सही मानने लगते हैं। उन्होंने कहा कि यह एक खतरनाक उदाहरण है। संस्थागत प्रतिक्रिया एक ऐसा तंत्र होना चाहिए जो संस्थान को यह लिखित रूप में बताना चाहिए कि क्या किया जाना चाहिए। सिब्बल ने कहा कि ईमानदारी से कहूं तो यह बात बार के साथ परामर्श करके तय की जानी चाहिए।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि मोदी सरकार ने बैंकों को कलेक्शन एजेंट में बदल दिया है और आम नागरिकों से पैसे लूट रही है। खड़गे ने कहा कि 2018 से 2024 के बीच बचत खातों और जनधन खातों में मिनिमम बैलेंस न रखने पर सरकार ने जनता से लगभग 43,500 करोड़ रूपए वसूले हैं।

ब्रीफ न्यूज

नपा राघौगढ़ ने पेयजल सुविधा कराई उपलब्ध

राघोगढ़। नगर पालिका राघौगढ़ विजयपुर द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत तहसील कार्यालय एवं रूठियाई एसबीआई बैंक के पास पेयजल सुविधा हेतु सार्वजनिक प्याऊ लगाए गए। इस मौके पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी हरिप्रसाद जाटव, उपयंत्री बी.के गुप्ता, पार्षद प्रतिनिध इकलाख खान, नगर पालिका स्टाफ ,वार्डवासी आदि उपस्थित स्थित रहे।

म्याना चौराहे पर गेहूं के खेत में आग, ग्रामीणों ने खुद संभाला मोर्चा

गुना। म्याना चौराहे के पास शनिवार दोपहर गेहूं के खेत में अचानक आग लग गई, जिससे इलाके में हडक़ंप मच गया। आग तेजी से फैली और देखते ही देखते कई बीघा फसल को अपनी चपेट में ले लिया। आग लगने की सूचना मिलते ही किसान और ग्रामीण मौके पर पहुंचे और आग बुझाने के प्रयास शुरू कर दिए। हालांकि, जिले की सबसे बड़ी पंचायत होने के बावजूद यहां फायर ब्रिगेड की कमी फिर से महसूस की गई। जानकारी के अनुसार, यह आग किसान घनश्याम सोनी के खेत में लगी थी। आगजनी के कारणों का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल पाया है, लेकिन भीषण गर्मी और तेज हवाओं के कारण आग तेजी से फैली। आग बुझाने के लिए स्थानीय किसान अपने ट्रैक्टरों का उपयोग करने लगे और खेत जोतकर आग को फैलने से रोकने की कोशिश की। साथ ही, ग्रामीणों ने पानी की नलियों और बाल्टियों से आग पर काबू पाने का प्रयास किया। घटना की सूचना मिलते ही म्याना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने ग्रामीणों से आग लगने के संभावित कारणों की जानकारी ली और राहत कार्यों में मदद की। स्थानीय लोग प्रशासन से मांग कर रहे हैं कि इतनी बड़ी पंचायत में फायर ब्रिगेड की सुविधा जल्द उपलब्ध कराई जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को समय रहते रोका जा सके।

अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज के प्रदेश अध्यक्ष पं. मिश्रा जी के आवाहन पर

गुना। अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज की बैठक संपन्न हुई जिसमें अत्यधिक भारी संख्या में ब्राह्मण समाज एकत्रित हुआ और बैठक में समाज क्षेत्र में अपनी सुझाव दिए जिसमें आदरणीय संत श्री गुड्डा महाराज जी श्री मनोज दुबे जी सदस्य राष्ट्रीय कॉफी बोर्ड भारतसरकार आदरणीय प्रसिद्धकथावाचक पंडित श्री शिवदयाल भार्गव जी अनुविभागीय अधिकारी श्रीमती शिवानी पांडे जी विद्युत मंडल के महा प्रबंधक श्री आरके पाराशर जी समाजसेवी एवं प्रोफेसर आदरणीय श्री सतीश चतुर्वेदी जी वरिष्ठ समाजसेवी श्री एलके शर्मा जी सर्व सर्व ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष आदरणीय रजनीश शर्मा जी , श्री मनोज शर्मा जी टोरिया श्री पवन शर्मा जी श्री रविंद्र भट्ट जी उपस्थित रहे।

जिले भर में जल संरचनाओं का किया जाएगा संरक्षण एवं संवर्धन

जल गंगा संवर्धन अभियान आज से प्रारंभ

सत्ता सुधार ■ गुना

कलेक्टर श्री किशोर कुमार कन्याल ने आज गुड़ी पड़वा के अवसर पर शहर के सिंगवासा तालाब पर पहुंचकर जिले में ''जल गंगा संवर्धन अभियान'' का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमति सविता अरविन्द गुप्ता सहित जनअभियान परिषद की टीम एवं विभिन्न जिला अधिकारियों द्वारा सिंगवासा तालाब पर सामूहिक रूप से साफ-सफाई कर सहभागिता की गई। इस दौरान कलेक्टर द्वारा साफ-सफाई बनाये रखने की अपील की गई एवं सिंगवासा तालाब पर पॉलिथीन एवं अन्य कचरा फेंकने पर 500 रूपये जुर्माना लगाये जाने के निर्देश मुख्य नगर पालिका अधिकारी को दिये। आज इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी श्री सीएस सिसोदिया, डीपीसी श्री ऋषि शर्मा, कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्री दिनेश चंदेल, जिला संयोजक आदिम जाति कल्याण विभाग श्री बी.सिसोदिया, जनअभियान परिषद श्रीमति मंजूषा सोलोमन सहित अन्य नागरिकों द्वारा श्रमदान कर सहभागिता की गई।

प्रदेश में वर्षा जल की बूंद-बूंद बचाने का जल गंगा संवर्धन महा अभियान आज गुड़ी पड़वा के दिन 30 मार्च से शुरू हो गया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन स्थित क्षिप्रा तट पर वरुण (जल देवता) पूजन और जलाभिषेक के साथजल गंगा संवर्धन अभियान का विधिवत शुभारंभ करेंगे। यह प्रदेशव्यापी अभियान ग्रीष्म ऋतु में 30 जून तक 90 दिन से अधिक समय तक लगातार चलेगा।

इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव हर दिन एक छोटी-बड़ी जल संरचना को लोकार्पित करेंगे। जल संरक्षण के इस अभियान से प्रदेश में भूजल स्तर में सुधार आएगा। पानी की बूंद-बूंद बचाएं, तभी हमारी सांसें बचेंगी। मध्यप्रदेश सरकार जन, जल, जंगल, जमीन और वन्य प्राणियों के संरक्षण के लिए संकल्पित है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का जल संरक्षण अभियान देशभर में एक व्यापक जन-आंदोलन बना है। राज्य सरकार भी खेत का पानी खेत में-गांव का पानी गांव में के सिद्धांत पर जल संरक्षण की दिशा में अभियान चला रही है।

जल गंगा सवर्धन अभियान के अंतर्गत साफ-सफाई एवं जल संरचनाओं के जीर्णोद्धार का किया जायेगा कार्य

यह अभियान ग्रीष्म ऋतु में 30 मार्च से आरंभ होकर 30 जून 2025 तक लगातार चलेगा। इस अभियान के तहत जिले के सभी नगरीय निकायों और ग्राम पंचायतों में नदी, तालाबों, कुओं, बावड़ियों आदि स्थानों पर साफ-सफाई एवं जल संरचनाओं के जीर्णोद्धार का कार्य किया जाएगा। साथ ही जल संवर्धन एवं संरक्षण के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

गुना में उत्साहपूर्वक मनाया गया विक्रम संवत 2082 हिन्दू नववर्ष

टेकरी पर भगवान सूर्य को अर्घ्य देकर नवसंवत्सर का स्वागत

सत्ता सुधार ■ गुना

विक्रम संवत 2082 का हिन्दू नववर्ष बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विश्व गौता प्रतिष्ठानम के तत्वावधान में टेकरी पर भगवान भूयन भास्कर, सूर्य को सामूहिक अर्घ्य अर्पित कर नवसंवत्सर का स्वागत किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान लड्डू गोपालजी के अभिषेक एवं गीता स्वाध्याय से हुई। जैसे ही सूर्य की पहली किरण निकली, मंत्रोच्चार के बीच भक्तों ने भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर विश्व मंगल की कामना की। इसके पश्चात टेकरी पर 501 दीपों से महाआरती की गई और प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

विजयवर्गीय समाज ने चंदन तिलक और गुड़-नीम से नववर्ष की दी शुभकामनाएं

गुना के जय स्तंभ चौराहे पर विजयवर्गीय समाज ने परंपरागत रूप से हिन्दू नववर्ष का स्वागत किया। समाज के सदस्यों ने राहगीरों को चंदन का तिलक लगाकर एवं नीम, मिश्री और गुड़ खिलाकर शुभकामनाएं दीं। विजयवर्गीय समाज के अध्यक्ष संजीव विजयवर्गीय ने बताया कि हमारी परंपरा के अनुसार गुड़ी पड़वा से नववर्ष का शुभारंभ होता है, जिसे अगली पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए इस तरह के आयोजन किए जाते हैं। कार्यक्रम की शुरुआत स्वामी श्री रामचरण महाराज की तस्वीर पर माल्यार्पण, दीप प्रज्वलन और तिलक अर्पण से हुई। इस दौरान समाज के कई गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे और सभी ने एक-दूसरे को नववर्ष की बधाइयाँ दीं।

प्रज्ञा प्रवाह और सक्षम संस्था ने राहगीरों को तिलक लगाकर बांटी खुशियां

गुना में प्रज्ञा प्रवाह एवं सक्षम संस्था के संयुक्त तत्वावधान में मारुति शोरूम तिराहे पर राहगीरों को तिलक लगाकर, मिश्री और नीम वितरित कर नववर्ष की शुभकामनाएं दी गईं। प्रज्ञा प्रवाह गुना विभाग के जिला संयोजक अनिरुद्ध सिंह सेंगर ने बताया कि इस अवसर पर लोगों को गुड़ी पड़वा से संबंधित जानकारी भी दी गई। उन्होंने कहा कि गुड़ी पड़वा न केवल नवसंवत्सर की शुरुआत का प्रतीक है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति और परंपरा का गौरवशाली पर्व भी है। उन्होंने बताया कि यह दिन कई ऐतिहासिक एवं धार्मिक घटनाओं से जुड़ा हुआ है। यह न केवल विक्रम संवत की शुरुआत है, बल्कि भगवान श्रीराम के राज्याभिषेक, मां वसुधा के जन्म दिवस, सम्राट विक्रमादित्य के संवत प्रारंभ, गुरु अंगद देव एवं डॉ. हेडगेवार के जन्म दिवस का भी प्रतीक है। इस आयोजन में रनीश जैन, गोपाल सक्सेना सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे और राहगीरों का तिलक लगाकर अभिनंदन किया।

राष्ट्रवादी संघ ने स्वतंत्रता पार्क में किया नवसंवत्सर उत्सव

राष्ट्रवादी संघ द्वारा स्वतंत्रता पार्क में हिन्दू नववर्ष समारोह आयोजित किया गया। इस मौके पर उपस्थित सभी सदस्यों ने भारत माता एवं भगवान श्रीराम के चित्र पर पूजन-अर्चन किया और तिलक लगाकर एक-दूसरे को नवसंवत्सर की शुभकामनाएं दीं। संघ के पदाधिकारियों ने उपस्थित जनसमुदाय को राष्ट्रहित और धर्महित में कार्य करने की प्रेरणा दी। इस दौरान अधिवक्ता मनीष सिंह राठौड़, कप्तान राय देशमुख, कमल अस्थाना, सुनील शर्मा, सचिन लाड, दीपक कुशवाह, रजनीश कश्यप सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया नवसंवत्सर

गुना में हिन्दू नववर्ष विक्रम संवत 2082 का स्वागत पूरे जोश और उमंग के साथ किया गया। विभिन्न संगठनों और समाजों ने परंपरागत रीति-रिवाजों के साथ इस पावन अवसर को मनाया और सनातन संस्कृति के प्रचार-प्रसार का संकल्प लिया।

विक्रमोत्सव 2025 के अंतर्गत भव्य सूर्य उपासना कार्यक्रम सम्पन्न

सत्ता सुधार ■ गुना

मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग के निर्देशानुसार मुख्य अतिथि विधायक पन्नालाल शाक्य की उपस्थिति में आज मानस भवन गुना में विक्रमोत्सव-2025 के अंतर्गत 'सूर्य उपासना' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के आरंभ में मुख्य अतिथि श्री शाक्य एवं कलेक्टर श्री किशोर कुमार कन्याल द्वारा मॉ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। इस दौरान मुखौटा नाट्य समिति गुना द्वारा सम्राट विक्रमादित्य पर आधारित नाट्य प्रस्तुति दी गई एवं मुख्य अतिथियों द्वारा मंच पर ब्रह्म ध्वज की स्थापना की गई। इस दौरान 'भारत का नववर्ष विक्रम संवत' पुस्तिका का विमोचन किया गया। कार्यक्रम के समापन के दौरान मुख्य अतिथि विधायक श्री पन्नालाल शाक्य द्वारा विक्रम सम्वत् 2082 की सभी उपस्थितजनों को शुभकामनाएं देते हुए सम्राट विक्रमादित्य के संस्मरण अपने शब्दों में व्यक्त किये। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सविता अरविन्द गुप्ता द्वारा हिन्दू नव वर्ष एवं गुड़ी पड़वा की शुभकामनाएं देते हुए सभी के सहयोग से गुना शहर को स्वच्छ बनाने की बात कही। कलेक्टर श्री किशोर कुमार कन्याल ने कार्यक्रम के दौरान कहा कि शासन की महत्वपूर्ण पहल है कि हम अपनी संस्कृति, विरासत को पहचाने। उन्होंने कलाकार दल द्वारा दी गई प्रस्तुति की प्रशंसा करते हुए कहा कि हमें अपनी संस्कृति, विरासत की जानकारी अपने बच्चों को भी दी जानी चाहिये, ताकि वे भी भारत के गौरवशाली इतिहास को समझ सकें।

आज आयोजित कार्यक्रम के दौरान निर्देशक श्री विष्णु झा सहित कलाकार दल प्रमोद कुशवाह, कनक झा, विक्की, पिंकी ओझा, रचयिता सिसोदिया, विरलय सिसोदिया, घनश्याम अहिरवार, कृष्णा रघुवंशी, बिट्टू राठौर, कमलेश झा, संघर्ष झा, सौरभ सोनी द्वारा सम्राट विक्रमादित्य पर आधारित आकर्षक नाट्य प्रस्तुति दी गई।

कैंट रोड पर नशे में धुत ट्रक चालक ने मचाया कहर, कई वाहन क्षतिग्रस्त

सत्ता सुधार ■ गुना

शहर के व्यस्ततम इलाके कैंट रोड पर आज दोपहर एक तेज रफ्तार ट्रक ने कहर बरपा दिया। शराब के नशे में धुत ट्रक चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए सड़क किनारे खड़ी पांच से अधिक बाइकों और एक ट्रैक्टर को जोरदार टक्कर मार दी। इस घटना में दुकान के बाहर स्कूटी पर बैठे युवक और एक महिला बाल-बाल बच गए। गनीमत रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन आधा दर्जन से अधिक वाहनों को भारी नुकसान पहुंचा है।

सीसीटीवी में कैद हुआ हादसा

यह दुर्घटना दोपहर करीब 12 बजे की बताई जा रही है, जो स्थानीय सीसीटीवी कैमरों में भी कैद हो गई। भोपाल निवासी इमरान खान, जो हादसे के प्रत्यक्षदर्शी हैं, ने बताया कि ट्रक ने पहले 5-6 बाइकों को टक्कर मारी और फिर एक ट्रैक्टर को भी अपनी चपेट में ले लिया। ट्रक एक घर से टकराने ही वाला था, लेकिन समय रहते वह रुक गया। इमरान ने साहस दिखाते हुए ट्रक चालक को पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया।

लाखों का हुआ नुकसान

शोरूम में काम करने वाले अंकित ओझा के अनुसार, वह ट्रैक्टर लेकर अशोकनगर जा रहे थे, तभी ट्रक ने उनके ट्रैक्टर में टक्कर मार दी, जिससे करीब डेढ़ लाख रुपये का नुकसान हुआ। वहीं, महाराज सिंह सहरिया, जो नजर के चश्मे बनवाने आए थे, ने बताया कि ट्रक ने उनकी बाइक को बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया।

लोगों में आक्रोश, पुलिस ने आरोपी को पकड़ा

इस घटना से स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है। बताया जा रहा है कि ट्रक हनुमान चौराहे की ओर जा रहा था। घटना के तुरंत बाद पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी ट्रक चालक को हिरासत में ले लिया। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि ऐसे लापरवाह और नशे में वाहन चलाने वाले चालकों पर सख्त कार्रवाई की जाए ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके।

भोजन की बर्बादी रोकने और बचे हुए भोजन के सदुपयोग पर हुआ भारतीय जैन मिलन का वार्षिक अधिवेशन

सत्ता सुधार ■ गुना

भारतीय जैन मिलन क्षेत्र क्रमांक 12 का 26वां वार्षिक क्षेत्रीय अधिवेशन भगवान महावीर विहार में संपन्न हुआ। अधिवेशन की अध्यक्षता क्षेत्रीय अध्यक्ष इंजीनियर पी.के. जैन ने की, जबकि राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय जैन मुख्य अतिथि रहे। कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक हरि सिंह रघुवंशी, पत्रकार विजय कुमार जैन, सांसद प्रतिनिधि देवेंद्र यादव, जिला पंचायत सदस्य गायत्री नरेंद्र रघुवंशी, व्यापार महासंघ अध्यक्ष विपिन तिवारी और नागरिक सेवा समिति अध्यक्ष कांति भाई शाह सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। इस अधिवेशन में गुना, अशोकनगर, चंदेरी, भोपाल, विदिशा, सहराई, देवास, राघौगढ़, गंजबासौदा, सिरनोटा आदि स्थानों की 60 से अधिक शाखाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ सेवा दल के दिव्या घोष के साथ ध्वजारोहण से हुआ। शाखाओं के प्रतिनिधियों ने भोजन की बर्बादी कैसे रोकें एवं बचे हुए भोजन का सदुपयोग कैसे करें विषय पर स्लोगन और बैनर प्रदर्शित किए। मंचीय कार्यक्रम में राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री शांति देवी ने उद्घाटन किया, जबकि स्वागत भाषण अनीता जैन और प्रणय जैन ने दिया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न वक्ताओं ने भोजन की बर्बादी रोकने के उपायों पर चर्चा की। विधायक हरि सिंह रघुवंशी ने कहा कि अन्न को देवता माना जाता है, अतः हमें शादी-विवाह और बड़े आयोजनों में भोजन की बर्बादी रोकनी चाहिए। राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय जैन ने जैन मिलन की 1588 शाखाओं द्वारा किए जा रहे सामाजिक और धार्मिक कार्यों की जानकारी दी। सांसद प्रतिनिधि देवेंद्र यादव ने जैन समाज के सेवा कार्यों को प्रेरणादायक बताया।

कार्यक्रम में महिला जैन मिलन गंजबासौदा द्वारा महावीर प्रार्थना प्रस्तुत की गई। मिलन गीत पर नृत्य भाग्यश्री जैन ने किया, जबकि भोजन की बर्बादी रोकने पर महिला जैन मिलन गंजबासौदा ने नृत्य नाटिका प्रस्तुत की। क्षेत्र की विभिन्न शाखाओं के अध्यक्षों, मंत्रियों और सदस्यों को सेवा कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। वीर ऑफ द ईयर का पुरस्कार अर्पित जैन (चंदेरी) और सतीश जैन (गंजबासौदा) को दिया गया। वीरांगना ऑफ द ईयर का पुरस्कार सपना सुरेंद्र जैन (भोपाल) और मोना पुनीत जैन (गंजबासौदा) को प्रदान किया गया।

बैनर प्रतियोगिता में जैन मिलन गुना, महिला जैन मिलन गुना, जैन मिलन सेंट्रल अशोकनगर ने जीत हासिल की। सुंदर वेशभूषा प्रतियोगिता में महिला जैन मिलन त्रिमूर्ति गंजबासौदा, अरिहंत विदिशा, और कैंट गुना को पुरस्कृत किया गया। मेहंदी प्रतियोगिता में साक्षी जैन, मोना जैन, रश्मि जैन, अंशुल जैन, सुरभि जैन और दीपाली जैन विजयी रहीं। मानव दूरी प्रतियोगिता में जैन मिलन गुना और महिला जैन मिलन कैंट गुना को पुरस्कार दिया गया।

चेतना समूह द्वारा 23वें विशेष साधना शिविर का आयोजन

चैत्र नवरात्रि की भक्ति में डूबा शहर, विभिन्न धार्मिक आयोजन शुरू

सत्ता सुधार ■ गुना

नवसंवत्सर के साथ आज से चैत्र नवरात्रि का शुभारंभ हो गया है। शुभ मुहूर्त में घटस्थापना कर जोत प्रज्वलित की गई और माता की आराधना का पावन दौर शुरू हुआ। आगामी नौ दिनों तक श्रद्धालु माता की उपासना व अनुष्ठान करेंगे। इसी क्रम में पहली बार शहर के तलैया मोहल्ले में झांकी समिति द्वारा चैत्र नवरात्रि में मां काली का भव्य और विशाल दरबार सजाया गया है, जहां पूरे नौ दिनों तक माता की झांकी के दर्शन होंगे। साथ ही शतचंडी महायज्ञ का आयोजन भी किया जा रहा है। झांकी पांडाल में आज विधि-विधान से घटस्थापना और पूजन-अर्चन किया गया।

इसके अलावा, बजरंगगढ़ स्थित मां बौसभुजा एवं निहाल देवी के दरबार में भी नवरात्रि के अवसर पर मेले का आयोजन किया गया है। जिलेभर से श्रद्धालु यहां माता के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं और भक्ति भाव से मत्था टेक रहे हैं। इसके साथ ही, शहर के विभिन्न मंदिरों में धार्मिक अनुष्ठान हो रहे हैं। गायत्री शक्तिपीठ में प्रतिदिन हवन, पूर्णाहुति और अन्य संस्कारों का आयोजन किया जा रहा है।चेतना समूह का 23वां विशेष साधना शिविरभारतीय संस्कृति और अध्यात्म के प्रचार-प्रसार में प्रयासरत

चेतना समूह द्वारा 23वें विशेष चैत्र नवरात्रि साधना शिविर का शुभारंभ आज नयापुरा स्थित चेतना ध्यान कक्ष, गुना में भैया श्री दिनेश अग्रवाल के मार्गदर्शन में किया गया। विकास जैन ने बताया कि यह साधना शिविर नवसंवत्सर विक्रम संवत 2082 के प्रथम दिवस से आरंभ हुआ है और नौ दिनों तक चलेगा। कार्यक्रम संयोजक एवं चेतना समूह संरक्षक श्री पवन अग्रवाल ने बताया कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी चैत्र नवरात्रि में विशेष साधना शिविर का आयोजन किया गया है। इस साधना शिविर में गुना के साधकों के साथ ही देश-विदेश से साधक ऑनलाइन माध्यम से जुड़ रहे हैं।शिविर का उद्घाटन करते हुए श्री दिनेश अग्रवाल ने कहा कि भारतीय संस्कृति में नवरात्रि ऋतुओं के संधि काल में मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण पर्व है। यह केवल धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि संपूर्ण व्यक्तित्व एवं जीवन के परिष्करण का पर्व है। नवरात्रि में साधना और उपासना के माध्यम से दैविक अनुदानों की प्राप्ति होती है। जिस प्रकार शारीरिक पोषण के लिए भोजन और जल आवश्यक हैं, उसी प्रकार आत्मिक पोषण के लिए साधना और उपासना अनिवार्य हैं। नवरात्रि का यह अवसर साधना के लिए अत्यंत शुभ और प्रभावकारी होता है।इस विशेष साधना शिविर में दिनेश शर्मा, हरिसिंह यादव, विशाल अग्रवाल, प्रमोद दुबे, नितिन जैन, साकेत सुमन, अभिषेक शर्मा, अजय शर्मा, विकास जैन, रितेश अग्रवाल, शरद सक्सेना, ज्योति अग्रवाल, पूजा अग्रवाल, शिवानी अग्रवाल, आयुषी अग्रवाल सहित अनेक साधक सदस्य सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं।शहर में चैत्र नवरात्रि को लेकर श्रद्धा और भक्ति का माहौल है। विभिन्न धार्मिक आयोजनों और साधना शिविरों के माध्यम से भक्तजन देवी की आराधना कर अपने जीवन को सकारात्मक ऊर्जा से भरने का प्रयास कर रहे हैं।

बोहरा समाज ने हर्षोल्लास से मनाई ईद

गुना। दाऊदी बोहरा समाज द्वारा रविवार को ईदुल फितर का त्यौहार सादगी और हर्ष के साथ मनाया गया। सुबह 5.45 पर फज्र की नमाज़ के साथ ईद का आग़ाज़ हुआ। 6.30 पर खुतबे की नमाज स्थानीय आमिल मुल्ला असगर ने पढ़ाई। इस अवसर पर सैंकड़ो की संख्या में समाजजन ने शिरकत की। नमाज़ के बाद खुशी की मजलिस अक़्द की गई उसके बाद शीरखुरमा और खारकों का दौर चला। आमिल साहब ने ईद के खुतबे के पश्चात समस्त समाजजन को दुआ में शामिल करते हुए देश प्रदेश शहर में शांति सदभाव प्रेम और भाईचारे की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि आपसी सौहार्द कायम रहने पर ही हर इंसान की तरक्की निश्चित है। जब एक आदमी विकास करेगा तो उसके छोटे से योगदान से वह समाज, शहर, प्रदेश और पुरे भारत देश के विकास का भागीदार बनेगा। उन्होंने उपस्थित समुदाय से आह्वान किया कि इमाम हुसैन की शहादत के दिन नजदीक हैं। मुहर्रम में हुसैन का गम मनाने के लिए अभी से तैयारी शुरू करिये। प्रतिदिन हुसैन की मजलिस में शामिल होकर उनके सब्र, दु:ख, त्याग और कुरबानी का पाठ सुनिए, आपका जीवन भी सफल हो जाएगा और मृत्यु पर्यन्त आपको कोई अन्य दु:ख परेशान नही करेगा। अंत में धर्मगुरु सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन की एकता, दानशीलता और सब्र की शिक्षा के साथ और हुसैन के मातम के साथ मजलिस का समापन हुआ।

चांदी की ये वस्तुएं, घर में कर देगी अमन-चमन

आज हम आपको चांदी की 4 ऐसी वस्तुओं के बारे में बताएंगे जो घर की सुख और शांति को हमेशा बरकरार रखती है। घर में अमन-चमन हो जाता है।

- घर में चांदी का गिलास जरूर रखना चाहिए और इसी से पानी भी पीना चाहिए। चांदी के गिलास से पानी पीने से और इसे घर में रखने से राहु और केतु का प्रकोप कभी नहीं आता।
- वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में चांदी के हाथी रखने से व्यापार में काफी लाभ होता है और व्यापार कभी घाटे में नहीं जाता।
- चांदी की चैन या अंगूठी पहनने से विवाह में हो रहा विलंब दूर हो जाता है।
- चांदी का चौकोर टुकड़ा जेब में रखने से नौकरी में आ रही समस्या हल हो जाती है और जल्द से जल्द नौकरी मिल जाती है।

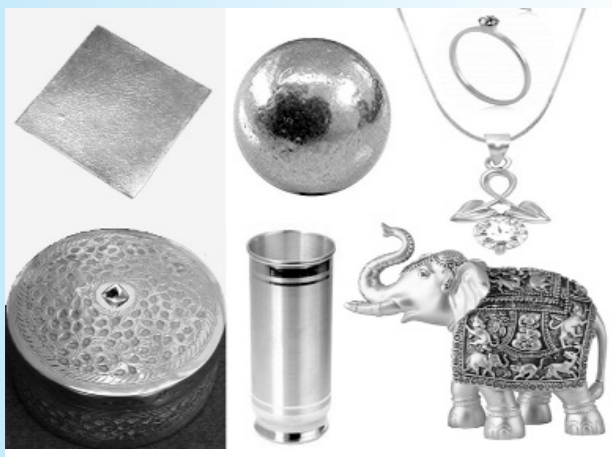

दहलीज पर ना करें ये कार्य, वर्ना धन का होगा नुकसान

द्वार की चौखट के नीचे वाली लकड़ी को आम बोलचाल की भाषा में देहरी, देहली और डेली कहते हैं परंतु सही शब्द है दहलीज या डेहरी। इसे द्वारपिंडी, ड्योढ़ी, बरोठा भी कहते हैं। वास्तु शास्त्र में इसका बहुत महत्व है। आओ जानते हैं इसके बारे में किए जाने वाले 5 निषेध कार्य। वास्तु के अनुसार दहलीज टूटी-फूटी या खंडित नहीं होना चाहिए।

बेतरतीब तरह से बनी दहलीज नहीं होना चाहिए यह भी वास्तुदोष निर्मित करती है। द्वार की देहली (डेली) बहुत ही मजबूत और सुंदर होना चाहिए। कई जगह दहलीज होती ही नहीं जो कि वास्तुदोष माना जाता है। कोई भी व्यक्ति हमारे घर में प्रवेश करे तो दहलीज लांघकर ही आ पाए। सीधे घर में प्रवेश न करें।

निषेध कार्य

- दहलीज पर पैर रखकर कभी खड़े नहीं होते हैं।
- दहलीज पर कभी पैर नहीं पटकते हैं।
- अपने गंदे पैर या चप्पल को रगड़कर साफ नहीं करते हैं।
- दहलीज पर खड़े रहकर कभी किसी के चरण नहीं छूते हैं।
- मेहमान का स्वागत या विदाई दहलीज पर खड़े रहकर नहीं करते हैं। स्वागत दहजलीज के अंदर से और विदाई दहलीज के बाहर खड़े रहकर करते हैं।

उज्जैन में विराजमान हैं 3 चमत्कारिक गणेशजी

विश्व की एक मात्र उत्तर प्रवाह मान क्षिप्रा नदी के पास बसी सप्तपुरियों में से एक भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षा स्थली अवंतिका अर्थात उज्जैन को राजा महाकाल और विक्रमादित्य की नगरी कहा जाता है। यहां पर साढ़े तीन काल विराजमान है– महाकाल, कालभैरव, गढ़कालिका और अर्धकाल भैरव। यहां पर ज्योतिर्लिंग के साथ दो शक्तिपीठ हरसिद्धि और गढ़कालिका है और यहां के शमशान को तीर्थ माना जाता है जिसे चक्र तीर्थ कहते हैं। यहां के कुंभ पर्व को सिंहस्थ कहते हैं। 84 महादेव के साथ ही यहां पर देश का एक मात्र अष्ट चिरंजीवियों का मंदिर है। यह मंगलदेव की उत्पत्ति का स्थान भी है और यहां पर नौ नारायण और सात सागर है। यहीं से विश्व का काल निर्धारण होता है अर्थात मानक समय का केंद्र भी यही है। उज्जैन से ही ग्रह नक्षत्रों की गणना होती है और यहीं से कर्क रेखा गुजरती है। राजा विक्रमादित्य ने ही यहीं से विक्रमादित्य के कैलेंडर का प्रारंभ किया था और उन्होंने ही इस देश को सर्वप्रथम बार सोने की चिढ़िया कहकर यहां से सोने के सिक्के का प्रचलन किया था। महाभारत की एक कथानुसार उज्जैन स्वर्ग है। यहां तीन गणेशजी विराजमान हैं चिंतामन, मंछामन और इच्छामन।

- उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर से करीब 6 किलोमीटर दूर ग्राम जवास्या में भगवान गणेश जी का प्राचीनतम मंदिर स्थित है।
- गर्भगृह में प्रवेश करते ही गौरीसुत गणेश की तीन प्रतिमाएं दिखाई देती हैं। यहां पार्वतीनंदन तीन रूपों में विराजमान हैं। पहला चिंतामण, दूसरा इच्छामन और तीसरा सिद्धिविनायक।
- ऐसी मान्यता है कि चिंतामण गणेश जी चिंता से मुक्ति प्रदान करते हैं, जबकि इच्छामन अपने भक्तों की कामनाएं पूर्ण करते हैं। गणेश जी का सिद्धिविनायक स्वरूप सिद्धि प्रदान करता है।
- मंछामन गणेश जी मंदिर गऊघाट के समीप रेलवे कालोनी में बना है। मंदिर के सामने कुंड के सामने छत्र के नीचे भगवान मंछामन विराजमान है। भगवान गणेश कमल पुष्प पर विराजमान है। यह हर तरह की मनोकामना पूर्ण करते हैं।

पुराण कहते हैं 10 वेद कहते हैं 64 और विज्ञान कहता है कि होते हैं 4 आयाम

आपने भौतिक और गणित विज्ञान में आयाम अर्थात डायमेंशन के बारे में पढ़ा ही होगा। स्ट्रिंग थ्योरी के अनुसार ब्रम्हांड में 10, एम थ्योरी के अनुसार 11 और बोजोनिक थ्योरी के अनुसार ब्रम्हांड में 26 आयाम होते हैं। आयाम को अंग्रेजी में डायमेंशन कहते हैं। आयाम का संबंध हम दिशा से लगा सकते हैं। आओ जानते हैं महत्वपूर्ण जानकारी।

- वैज्ञानिक कहते हैं कि ब्रह्मांड में 10 आयाम हो सकते हैं लेकिन मोटे तौर पर हमारा ब्रह्मांड त्रिआयामी है। पहला आयाम है ऊपर और नीचे, दूसरा है दाएं और बाएं, तीसरा है आगे और पीछे। इसे ही थ्रीडी कहते हैं।
- एक चौथा आयाम भी है जिसे समय कहते हैं। समय को आगे बढ़ता हुआ महसूस कर सकते हैं। हम इसमें पीछे नहीं जा सकते हैं। हमारा यह संपूर्ण ब्रह्मांड इन चार आयामों पर ही आधारित है।
- मूल रूप से पहला आयाम एक बिंदू या शून्य है, दूसरा आगे–पीछे, दाएं–बाएं हैं, तीसरा उपर–नीचे, चौथा समय जिसमें अभी हम चल रहे हैं। बाकी आयाम परिकल्पना है जिसे वैज्ञानिकों ने बताया है। हो सकता है कि किसी अन्य ब्रह्मांड या अदृष्य ब्रह्मांड में पांचवां, छटा, सातवां या इसे अधिक आयाम हो।

पुराणों के अनुसार

- हिन्दू धर्म के पुराणों अनुसार तीन लोक है 1कृतक त्रैलोक्य– कृतक त्रैलोक्य के 3 भाग हैं– भूलोक, भुवर्लोक, स्वर्लोक। 2.महर्लोक– कृतक और अकृतक लोक के बीच स्थित है 'महर्लोक', जनशून्य है। 3.अकृतक त्रैलोक्य– कृतक और महर्लोक के बाद जन, तप और सत्य लोक तीनों अकृतक लोक कहलाते हैं।
- उपरोक्त आयामों का नियम सिर्फ कृतक त्रैलोक्य पर ही लागू होता है, अन्य लोकों पर नहीं। हिन्दू शास्त्रों के अनुसार भूलोक, भुवर्लोक, स्वर्लोक हमारी त्रिआयामी सृष्टि में ही निवास करते हैं। चौथा आयाम वह समय है।
- पांचवें आयाम को ब्रह्मा आयाम कहा गया है। इसी आयाम में ब्रह्मा निवास करते हैं। इसी आयाम से कई तरह के ब्रह्मांडों की उत्पत्ति होती है। यहां का समय अलग है। जैसा कि हम बता चुके हैं कि ब्रह्मा का एक दिन एक कल्प के बराबर का होता है। यह स्थान चारों आयामों से बाहर है।
- इसके बाद आगे छठे आयाम में महाविष्णु निवास करते हैं। महाविष्णु के भी 3 भाग हैं– कारणोंदकशायी विष्णु, गर्भोदकशायी विष्णु और क्षीरोदकशायी विष्णु।
- इसमें कारणोंदकशायी अर्थात महाविष्णु तत्वादि का निर्माण करते हैं जिससे इन 5 आयामों का निर्माण होता है। इसे ही महत कहा जाता है और जिनके उदर में समस्त ब्रह्मांड हैं तथा प्रत्येक श्वास चक्र के साथ ब्रह्मांड प्रकट तथा विनष्ट होते रहते हैं।
- दूसरे गर्भोदकशायी विष्णु से ही ब्रह्मा का जन्म होता है, जो प्रत्येक ब्रह्मांड में प्रविष्ट करके उसमें जीवन प्रदान करते हैं तथा जिनके नाभि कमल से ब्रह्मा उत्पन्न हुए। उसके बाद तीसरे हैं क्षीरोदकशायी विष्णु, जो हमारी सृष्टि के हर तत्व और परमाणु में विलीन हैं, जो परमात्मा रूप में प्रत्येक जीव के हृदय तथा सृष्टि के प्रत्येक अणु में उपस्थित होकर सृष्टि का पालन करते हैं।
- जब हम ध्यान करते हैं तो हम कसिरोधकस्य विष्णु को महसूस करते हैं। जब हम इसका ज्ञान पा लेते हैं तो हम भौतिक माया से बाहर आ जाते हैं। इसी से हम परमात्मा को महसूस करते हैं। जब व्यक्ति ध्यान की परम अवस्था में होता है तब इन्हें या इस आयाम को महसूस कर सकता है।
- इसके बाद नंबर आता है सातवें आयाम का जिसे सत्य आयाम या ब्रह्म ज्योति कहते हैं। ब्रहमा नहीं ब्रह्म ज्योति, जैसे सूर्य की ज्योति होती है। इसी आयाम में समाया है वह तत्व ज्ञान जिसकी मदद से मनुष्य देवताओं की श्रेणी में चला जाता है।
- इसके बाद है आठवां आयाम जिसे कैलाश कहा जाता है। इस आयाम में भगवान शिव का भौतिक रूप विराजमान है। उनका कार्य ही इन सात आयामों का संतुलन बनाए रखना है। इसीलिए सिद्धयोगी भगवान शिव की आराधना करते हैं, क्योंकि हर योगी वहीं जाना चाहता है।
- उसके बाद है नौवां आयाम जिसे पुराणों में वैकुंठ कहा गया है। इसी आयाम में नारायण निवास करते हैं, जो हर आयाम को चलायमान रखते हैं। मोक्ष को प्राप्त करने का मतलब है इस आयाम में समा जाना। हर आयाम इसी से बना है। यही आयाम सभी आयामों का निर्माण करता है। मोक्ष की प्राप्ति कर हर आत्मा शून्य में लीन होकर इसी आयाम में लीन हो जाती है।
- इसके नंबर आता है 10वें आयाम का जिससे अनंत कहा गया है। हमने आपको ऊपर चौथे पॉइंट में बताया था कि अनंत से ही महत और महत से ही अंधकार, अंधकार से ही आकाश की उत्पत्ति हुई है। यह अनंत ही परम सत्ता परमेश्वर अर्थात परमात्मा, ईश्वर या ब्रह्म है। संपूर्ण जगत की उत्पत्ति इसी ब्रह्म से हुई है और संपूर्ण जगत ब्रह्मा, विष्णु, शिव सहित इस ब्रह्म में ही लीन हो जाता है। यह एक जगह प्रकाश रूप में स्थिर रहकर भी सर्वत्र व्याप्त है।
- यही सनातन सत्य है जिसमें वेदों के अनुसार 64 प्रकार के आयाम समाए हुए हैं।

एक पौधा लगाने से भी मिलता है पुण्य

हमारे धर्म में वृक्षों की महत्ता है कि जो पुण्य अनेकानेक यज्ञ करवाने अथवा तालाब खुदवाने या फिर देवाराधना से भी अप्राप्य है, वह पुण्य महज एक पौधे को लगाने से सहज ही प्राप्त हो जाता है। इससे कई प्राणियों को जीवनदान मिलता है। ज्योतिष और वास्तुशास्त्र में भी वृक्षों का मनुष्य से संबंध निरूपित किया गया है। जानिए ज्योतिष अनुसार कैसे करें पौधारोपण –

- पौधारोपण हेतु उत्तरा, स्वाति, हस्त, रोहिणी और मूल नक्षत्र अत्यंत शुभ होते हैं। इनमें रोपे गए पौधों का रोपण निष्फल नहीं होता है।
- घर के नैऋत्य अथवा अग्निकोण में बगीचा न लगाएं तथा जिन घरों में बगीचा लगाने की जगह निकाली जा रही हो, वहां घर के वाम पार्श्व में ही उद्यान लगाना चाहिए। घर के पूर्व में विशाल वृक्षों का न होना या कम होना शुभ है। फिर भी यदि हो तो उन्हें काटने के बजाय घरके उत्तर की ओर उनके दुष्प्रभावों को संतुलित करने हेतु आंवला, अमलतास, हरश्रृंगार, तुलसी, वन तुलसी के पौधों में से किसी भी एक को लगाया जा सकता है।
- जिन वृक्षों में फल लगना बंद हो गए हों या कम लगते हों उन्हें कुलथी, उड़द, मूंग, तिल और जौ मिले जल से सींचना चाहिए।
- जिस वृक्ष के तने के चारों ओर सूअर की हड्डी का एक–एक टुकड़ा गाड़ दिया जाता है, वह सदैव हरा रहता है, कभी सूखता नहीं है।
- जिस घर की सीमा में निर्गुंडी का पौधा होता है, वहां हमेशा अमन–चैन रहता है। इसी प्रकार अंगूर, पनस, पाकड़ तथा महुआ के पौधों का भी घर की सीमा में रोपण शुभ होता है।
- आमलक को लगाने वाले की जमीन संबंधी परेशानियां दूर होती हैं। फिर चाहे उस व्यक्ति के द्वारा इस पौधे का रोपण कहीं भी क्यों न किया जाए।
- चन्द्रमा की पीड़ा हरण हेतु गूलर का पौधा लगाना चाहिए।
- घर के पूर्व में बरगद का, पश्चिम में पीपल का, उत्तर में पाकड़ का तथा दक्षिण में गूलर का वृक्ष होना शुभ होता है। इसके विपरीत पूर्व में पीपल, दक्षिण में पाकड़, पश्चिम में बरगद और घर के उत्तर में गूलर का वृक्ष अशुभ माना गया है।
- जिस व्यक्ति के घर में बिल्व का एक वृक्ष लगा होता है, उसके यहां साक्षात लक्ष्मी का वास रहता है।
- घर की सीमा में कदली (केला), बदरी (बेर) एवं बाँझ अनार के वृक्ष होने से वहां के बच्चों को कष्ट उठाना पड़ता है।
- घर में रेगिस्तानी पौधों का होना शत्रु बाधा, अशांति एवं धनहानि का कारक होता है। कैक्टस के पौधे इसी श्रेणी में आते हैं।
- जिस घर की सीमा में पलाश, कंचन, अर्जुन, करंज और श्लेषमांतक नामक वृक्षों में से कोई भी वृक्ष होता है, वहां सदैव अशांति बनी रहती है। बेर का वृक्ष अधिक शत्रु पैदा करता है। बेर का वृक्ष घर की सीमा के बाहर ही शुभ होता है।
- जो व्यक्ति दो बड़ के वृक्षों का रोपण करता है उसके अनेक पापों का शमन होता है। यह वृक्ष किसी खुले मैदान में ही रोपण करें।
- जो व्यक्ति पलाश के वृक्ष का रोपण करते हैं उन्हें उत्तम संतान और सुख देने वाले पुत्र अवश्य ही प्राप्त होते हैं, किंतु पलाश का वृक्ष घर की सीमा में न हो।
- किसी भी कारण से वृक्ष के काटने पर दूसरे 10 वृक्षों का रोपण और पालन करने वाला उसके पाप से मुक्त हो सकता है।

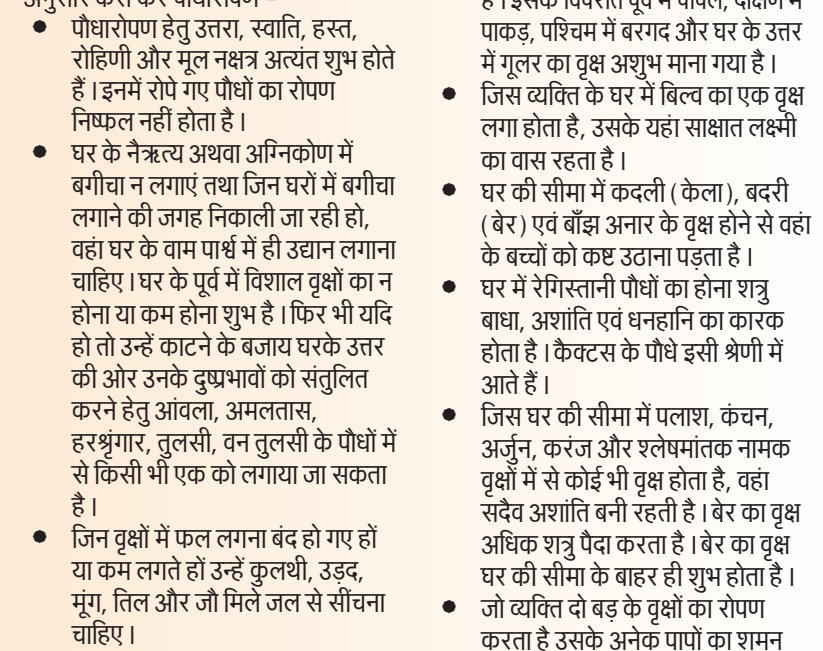

रॉबिनहुड में नजर आएगी नितिन श्रीलीला की जोड़ी

नितिन की फिल्म रॉबिनहुड 28 मार्च, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। लेकिन फिल्म की रिलीज से पहले इसके ओटीटी और सैटेलाइट तय कर दिए गए हैं। इस फिल्म का निर्देशन वेंकी कुडुमुला ने किया है। इन दिनों रॉबिनहुड की पूरी स्टार कास्ट फिल्म का प्रचार कर रही है। यही वजह है कि हाल ही में इस फिल्म में अहम भूमिका निभा रहे क्रिकेटर डेविड वार्नर भी फिल्म के प्रचार के लिए हैदराबाद पहुंच चुके हैं। एक खबर के मुताबिक, जी ने फिल्म के पोस्ट-थियेट्रिकल अधिकार सुरक्षित कर लिए हैं। ओटीटी स्ट्रीमिंग अधिकार जी5 के पास हैं, जबकि जी तेलुगु के पास इस फिल्म के सैटेलाइट अधिकार हैं। रॉबिनहुड के सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद फैंस को पूरी उम्मीद है कि यह फिल्म जल्द ही ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम होगी।

रॉबिनहुड में नजर आएंगे डेविड वार्नर

रॉबिनहुड एक एक्शन कॉमेडी ड्रामा फिल्म है, जिसमें नितिन, श्रीलीला के अलावा ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर डेविड वार्नर भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। नितिन, श्रीलीला और डेविड के अलावा फिल्म में राजेंद्र प्रसाद, वेनेला किशोर अहम भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्माण मैथरी मूवी मेकर्स के तहत किया गया है। फिल्म का संगीत जीवी प्रकाश कुमार ने दिया है। फिल्म में केतिका शर्मा का एक स्पेशल सॉन्ग भी है। नितिन और श्रीलीला के फैंस को रॉबिनहुड की रिलीज का बेसब्री से इंतजार है।

सिर्फ एक्टिंग नहीं, किरदार को भी जीती हूं

रश्मिका मंदाना की पिछली तीन फिल्मों ने 500 करोड़ से अधिक की कमाई की। आगे वह सिंकदर और द गर्लफ्रेंड में भी दिखेंगी। उनसे फिल्मों और करियर पर हुई बातचीत...

2016 में करियर की शुरुआत की थी। इतने समय में क्या कुछ सीखा और बदलाव पाया?

मैंने इन सालों में बहुत कुछ सीखा। मुझे लगता है कि आज मेरे काम में एक आत्मविश्वास है। शुरुआती दिनों में मैं परफॉर्म तो करती थी लेकिन अपने क्राफ्ट को लेकर उतनी श्योर नहीं थी। लोग कहते थे कि मैं प्रिटी लगती हूं, स्क्रीन पर प्लीजिंग लगती हूं और डिलीवर कर सकती हूं लेकिन किन मैं खुद को लेकर बहुत क्लियर नहीं थी। आज, मुझे लगता है कि मैं किसी भी भीड़ में लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच सकती हूं। जब मैं स्क्रीन पर होती हूं तो लोग मुझ पर फोकस करते हैं। ये मेरे लिए एक बड़ा बदलाव है।

छावा एक बड़ी हिट रही। किरदार में ढलने के लिए क्या रिसर्च की थी?

छावा के लिए मेरी तैयारी किसी महारानी की तरह ही शाही रही थी। लक्ष्मण उतेकर सर से कहा, जो आप कहेंगे, मैं करूंगी। हालांकि सबसे बड़ी चुनौती लैंग्वेज थी। हिंदी मेरी मातृभाषा नहीं है लेकिन ऑडियंस के लिए इसे सीखना मेरा फर्ज था। संवादों के लिए मैंने हर दिन 3-4 घंटे मेहनत की। यह सिलसिला पांच महीनों तक चला। मेरे लिए यह सिर्फ किरदार निभाने की बात नहीं थी, बल्कि उस किरदार की आत्मा को जीने की कोशिश थी।

द गर्लफ्रेंड के बारे में कुछ शेयर करेंगी?

द गर्लफ्रेंड के बारे में... बहुत कुछ एक्साइटिंग है। मुझे लगता है कि यह एक अनोखी कहानी है। यह एक कॉन्सेप्ट है जो आज के समय की बात करता है। यह फिल्म मेरे करियर में एक महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट है क्योंकि यह मेरी पहली सोलो फिल्म है। मैं इसे अपनी बेबी फिल्म मानती हूं और इसके लिए पूरी टीम ने बहुत मेहनत की है। कहानी को परदे पर लाने के लिए हमारी कड़ी मेहनत और जुनून साफ दिखाई देगा। मुझे यकीन है कि यह ऑडियंस को प्रभावित करेगी। यह सिर्फ एक कहानी नहीं है, बल्कि यह मेरी एक और चुनौतीपूर्ण जर्नी होगी।

ओडेला 2 में भैरवी के किरदार को खुद के लिए भाग्यशाली मानती हैं तमन्ना

साउथ और बॉलीवुड फिल्मों में अपने बेहतरीन अभिनय से दर्शकों का दिल जीत चुकीं तमन्ना भाटिया हाल ही में अपनी नई फिल्म ओडेला 2 को लेकर खास बातचीत की।

हाल ही में हैदराबाद में हुए एक इवेंट के दौरान तमन्ना और फिल्म के क्रिएटिव सुपरवाइजर संपत नंदी और फिल्म के निर्माताओं ने मीडिया से बात की। तमन्ना ने बताया कि वह फिल्म में भैरवी का किरदार निभा रही हैं और इसे बहुत खास मानती हैं।

ओडेला 2, 17 अप्रैल को रिलीज होगी

एक खबर के मुताबिक, तमन्ना ने कहा कि वह ओडेला 2 में भैरवी का किरदार निभाकर खुद को भाग्यशाली मानती हैं। तमन्ना ने कहा, मुझे पहली फिल्म बहुत पसंद आई थी। ओडेला 2 की कहानी बहुत रोमांचक है। गांव की पृष्ठभूमि में इस तरह की कहानी बनाना आसान नहीं है, लेकिन निर्देशक अशोक तेजा ने कमाल कर दिखाया। निर्माता डी मधु ने भी इसे बहुत मेहनत से बनाया है। यह फिल्म दर्शकों को थिएटर में शानदार अनुभव देगी। हाल ही में फिल्म निर्माताओं ने ओडेला 2 का नया पोस्टर जारी करते हुए इसकी रिलीज डेट से पर्दा उठा दिया है। फिल्म का टीजर महाकुंभ मेले के दौरान जारी किया गया था। फिल्म का थिएट्रिकल ट्रेलर अप्रैल के पहले हफ्ते में रिलीज होने की उम्मीद है। इस फिल्म में तमन्ना नागा साधु के अवतार में नजर आएंगी। ओडेला 2 का निर्माण डी मधु ने अपने मधु क्रिएशन्स बैनर के तहत संपत नंदी टीमवर्क्स के सहयोग से किया है।

ओडेला 2 में नजर आएंगी तमन्ना

अशोक तेजा के निर्देशन में बनी इस फिल्म को पैन इंडिया स्तर पर रिलीज किया जाएगा। यह फिल्म 2019 में आई ओडेला रेलवे स्टेशन का दूसरा भाग है, जो एक सुपरनैचुरल थ्रिलर थी। फिल्म में तमन्ना भाटिया के अलावा हेबाह पटेल और वशिष्ठ एन सिम्हा भी अहम किरदार निभा रहे हैं।

फिल्म की शूटिंग के दौरान घायल हुए वरुण धवन

हाल ही में वरुण धवन अपनी फिल्म की शूटिंग करते वक्त घायल हो गए हैं, जिससे उनको चोट आई है। अभिनेता ने इसकी जानकारी अपने सोशल मीडिया पर दी है और दर्शकों से अपनी चोट को लेकर सवाल भी किया है।

काम के दौरान लगी चोट

वरुण धवन को शूटिंग के दौरान चोट लग गई है, जिसकी जानकारी उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर कर दी है। अभिनेता ने बुधवार को स्टोरी के जरिए बताया कि उन्हें उंगली में चोट लग गई है। साथ ही उन्होंने अपने प्रशंसकों से सवाल किया कि आपकी उंगली को ठीक होने में कितना समय लगता है। इसके अलावा वरुण ने लिखा कि हैशटैग काम के दौरान की चोट। इस तस्वीर में उनकी उंगली में सूजन दिखाई दे रही है।

कई प्रोजेक्ट्स हैं वरुण के पास

वरुण धवन के पास इस समय कई फिल्में हैं, जो लाइन में लगी हुई हैं। हाल ही में अभिनेता ने जान्हवी कपूर के साथ सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी की शूटिंग पूरी की। अब वे बॉर्डर 2 पर फोकस करने से पहले है जवानी तो इश्क होना है की शूटिंग में जुट गए हैं।

फिल्म का पहला शेड्यूल किया पूरा

अभी कुछ दिनों पहले ही वरुण धवन ने है जवानी तो इश्क होना है की देहरादून की शूटिंग पूरी की है। इस फिल्म का निर्देशन वरुण के पिता डेविड धवन कर रहे हैं और इसमें पूजा हेगड़े और मृणाल ठाकुर मुख्य भूमिका में हैं। अभिनेता आखिरी बार बेबी जॉन फिल्म में नजर आए थे।

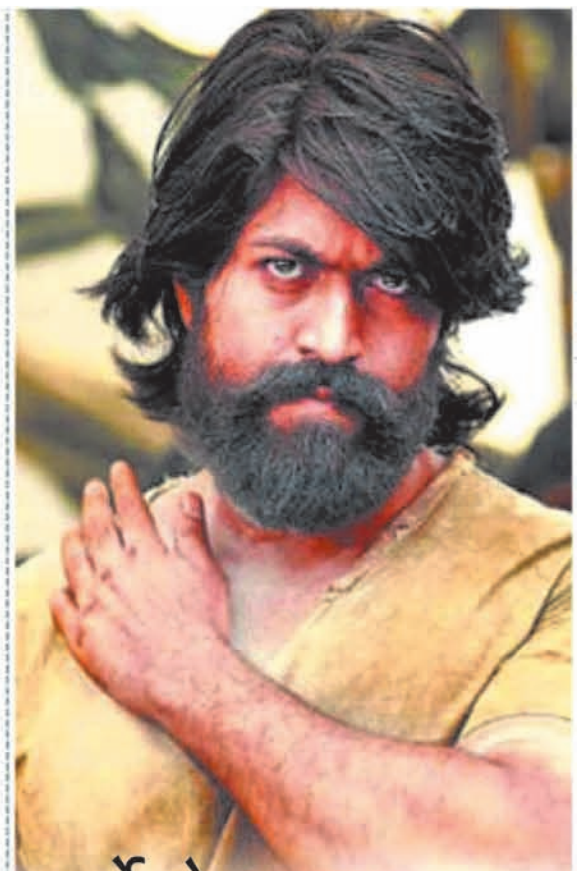

पर्दे के साथ-साथ बॉक्स ऑफिस पर रणबीर से भिड़ेंगे यश

इस साल ईद के मौके पर सलमान खान की फिल्म सिकंदर रिलीज होने वाली है। अगले साल ईद के मौके पर दो फिल्में रिलीज होने वाली हैं। एक फिल्म 26 मार्च 2026 को रिलीज होगी। इस फिल्म का नाम टॉक्सिक है। इस फिल्म में साउथ के सुपरस्टार यश हैं। दूसरी फिल्म लव एंड वार है। यह फिल्म भी ईद के आस-पास ही रिलीज होने वाली है। इसका निर्देशन संजय लीला भंसाली कर रहे हैं। इस फिल्म में रणबीर कपूर नजर आएंगे। ऐसे में अगले साल यश और रणबीर कपूर की फिल्म में बॉक्स ऑफिस पर टकराव देखने को मिल सकता है। यश को फिल्म केजीएफ से पूरे देश में शोहरत मिली। उम्मीद की जा रही है कि वह टॉक्सिक में भी अपनी पहले वाली छवि लेकर आएंगे। यह एक ऐसी फिल्म है जिसने अपने एलान के बाद से ही फैंस में काफी उत्सुकता पैदा कर दी है। दूसरी तरफ लव एंड वार फिल्म है। इसका निर्देशन संजय लीला भंसाली कर रहे हैं। इस फिल्म में रणबीर कपूर नजर आएंगे। फिल्म में जबरदस्त विजुअल होंगे। फिल्म में भरपूर रोमांस और ड्रामा होगा। मजे की बात ये है कि यह पहली ऐसी जगह नहीं है जहां रणबीर और यश एक दूसरे से भिड़ेंगे।

पर्दे पर यश से भिड़ेंगे रणबीर

दोनों अभिनेता नितेश तिवारी की रामायण में राम और रावण का किरदार निभाएंगे। इस फिल्म का लोग बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। दोनों की ऑन-स्क्रीन लड़ाई भारतीय सिनेमा के सबसे यादगार क्षणों में से एक होने वाली है। ये फिल्म 2026 रिलीज होने वाली है। कई जानकारों ने उम्मीद जताई है कि जिस तरह से ये दोनों अभिनेता ऑनस्क्रीन लड़ाई करते नजर आएंगे, उसी तरह से इन दोनों की फिल्में बॉक्स ऑफिस पर लड़ाई करती नजर आएंगी। इससे साल 2026 फिल्म देखने वालों के लिए एक यादगार लम्हा होने वाला है।

इस ईद पर रिलीज होगी सिकंदर

आपको बता दें कि इस ईद के मौके पर को सलमान खान की बहुप्रतीक्षित फिल्म सिकंदर रिलीज होने वाली है। फिल्म में सलमान खान के अलावा रश्मिका मंदाना, सुनी शेट्टी और शर्मन जोशी नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन ए आर मुरुगदास ने किया है। फिल्म के टीजर और गाने ने दर्शकों का दिल जीत लिया है।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने ऋतिक रोशन की तारीफ की

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने उनके साथ सेट पर हुए कई किस्सों को लेकर खुलासा किया। नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने ऋतिक रोशन की तारीफ की और बताया कि कैसे ऋतिक रोशन उनसे अलग और अनोखे दिखते हैं। एक खबर के मुताबिक, नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने एक इंटरव्यू के दौरान बताया कि उन्हें अक्सर अपनी ही फिल्म के सेट पर रोक दिया जाता था। उन्हें भीड़ में घुलने-मिलने में मजा आता है। शुरुआती दिनों में जब वे ऑडिशन के लिए जाते थे, तो लोग कहते थे कि वे अभिनेता जैसे नहीं दिखते। इससे उन्हें गुस्सा और दुख होता था। वे कहते हैं कि लोग उनसे पूछते थे, आप कौन हैं? और जब वे बताते कि वे अभिनेता हैं, तो लोग कहते, आप तो अभिनेता जैसे दिखते नहीं।

ऋतिक रोशन को लेकर की बात

एक खबर के मुताबिक, इंटरव्यू में नवाजुद्दीन ने कहा, आप अपरंपरागत दिखते हैं। भाई, मैं अपरंपरागत कैसे हो सकता हूं, जब भारत में करोड़ों लोग मेरे जैसे दिखते हैं। मैं पारंपरिक हूं, यह ऋतिक रोशन हैं जो अपरंपरागत दिखते हैं। इंटरव्यू के दौरान नवाजुद्दीन ने फिल्म तलाश का एक किस्सा सुनाया। तलाश की शूटिंग के दौरान एक गार्ड ने उन्हें सेट में घुसने से रोक दिया था। गार्ड को समझाने के बाद ही उन्हें अंदर जाने दिया गया। वे कहते हैं कि आज भी उनके साथ ऐसा होता है। हाल ही में रात अकेली है पार्ट 2 की शूटिंग के दौरान डायरेक्टर हनी त्रेहान उन्हें ढूंढते थे, जबकि वे उनके ठीक पीछे खड़े होते थे। नवाजुद्दीन को यह सब अच्छा लगता है। वे कहते हैं कि उनका ऐसा स्वभाव है और वे इसका फायदा उठाते हैं।

रंग को लेकर बताई खास बात

पहले एक इंटरव्यू में नवाजुद्दीन ने रंग और शक्ल को लेकर लोगों के बुरे बर्ताव के बारे में भी बात की थी। नवाजुद्दीन ने कहा कि लोग उन्हें हमेशा कहते हैं कि वे बदसूरत हैं। दुख की बात यह है कि अब वे भी इस पर यकीन करने लगे हैं। वे कहते हैं, कुछ लोग मेरी शक्ल से नफरत क्यों करते हैं, पता नहीं। शायद इसलिए कि मैं इतना बुरा दिखता हूं। मैं खुद को आईने में देखता हूं तो सोचता हूं कि इतनी खराब शक्ल लेकर फिल्म इंडस्ट्री में क्यों आया?

सिकंदर और एल 2 एम्पुरान में कोई कंपटीशन नहीं

पृथ्वीराज सुकुमारन के निर्देशन में बनी बहुप्रतीक्षित मलयालम फिल्म एल2- एम्पुरान 27 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। यह फिल्म सलमान खान की एक्शन ड्रामा सिकंदर के साथ बॉक्स ऑफिस पर भिड़ेगी, जो 30 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। हाल ही में पृथ्वीराज सुकुमारन ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि दोनों फिल्मों के बीच कोई कंपटीशन नहीं है साथ ही उन्होंने सिकंदर की सफलता की कामना भी की। पृथ्वीराज ने कहा, सलमान खान देश के सबसे बड़े सितारों में से एक हैं और दोनों फिल्मों के बीच कोई प्रतिस्पर्धा नहीं है। मुझे उम्मीद है कि यह एक ब्लॉकबस्टर बनेगी। उन्होंने कहा, अगर आप सुबह 11 बजे एल2- एम्पुरान और दोपहर 1 बजे सिकंदर देखते हैं तो मुझे कोई शिकायत नहीं होगी। सिकंदर का निर्देशन ए.आर. मुरुगादॉस ने किया है। वहीं, 'एल2- एम्पुरान' लूसिफर का दूसरा भाग है।

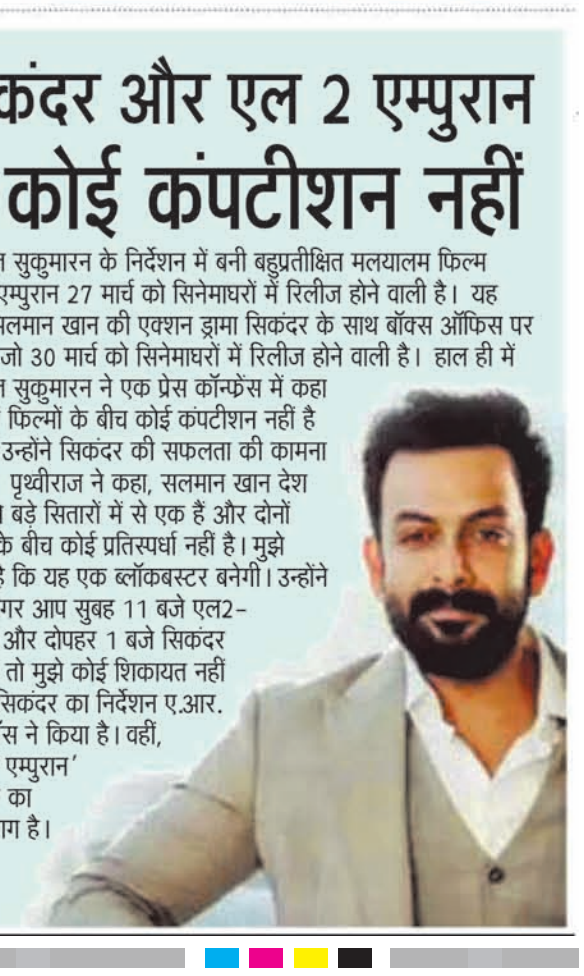

ब्रीफ न्यूज

शाढ़ौरा में जल गंगा संवर्धन का शुभारंभ

अशोकनगर। आज नगर परिषद शाढ़ौरा द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान की शुरुआत की गई संभालो गांव का जल, बेहतर कर लो कल, को ध्यान में रखते हुये मध्य प्रदेश के मुख्य मंत्री के नेतृत्व में आज से सभी 55 जिलों में जल गंगा संवर्धन अभियान की शुरूआत की गई है इसी के तहत आज सभी जन प्रतिनिधि और अधिकारी कर्मचारी धर्मेन्द्र सरोबार तालाब पर पहुंचे और जल गंगा संवर्धन अभियान की शुरुआत की इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष अशोक माहौर, उपाध्यक्ष प्रतिनिधि संगीता अरविंद रघुवंशी , सीएमओ शमशाद पठान, उपयंत्री आजाद जैन, लेखा पाल अमरदीप चंदौरिया एवं नगर परिषद कर्मचारी मौजूद रहे।

गेहूं के खेत में लगी आग

अशोकनगर। नगऊखेडी गांव में खेत में झूलते तारों से हार्वेस्टर के टकराने से बिजली की चिनगारियों से गेहूं के खेत में लगी आग 50 हजार का नुक़सान तार टूट कर हार्वेस्टर पर गिरा बढ़ा हादसा टला रविवार दोपहर 2 बजे थाना अंतर्गत गांव नगऊखेडी मे कृषक शिवराम रधुंवशी के खेत मे हार्वेस्टर से गेहूं की फसल की कटाई चल रही थी तभी अचानक हार्वेस्टर झूलते तारों से टकरा गया तीनों तारो के साथ मिलने से बिजली फाल्ट हो गई तभी हुई स्पार्किंग से खेत मे आग लग गई तार टूटकर हार्वेस्टर पर गिरा गनीमत रही कि जब तक लाइट फाल्ट हो चुकी थी अन्यथा एक बढा हादसा हो सकता था गेहूं के खेत मे लगी आग ने अपना विकराल रूप दिखाया तभी ग्रामीणों ने टैक्टर पंजे से नजदीक की जमीन काटकर खेतों को सुरक्षित किया ग्रामीणों ने फायर बिग्रेड को सूचना दी शाढ़ौरा से पहुंची फायर ब्रिगेड के पहुंचने से पहले आग पर काबू पा लिया था फायर ब्रिगेड ने शेष आग पर कंट्रोल किया । ग्रामीणों का कहना है कि यदि लाइट फाल्ट नहीं होती तो एक बढा हादसा सामने आ सकता था कृषक शिवकुमार रधुंवशी का लगभग 50 हजार का गेहूं जल गया है।

विक्रमोत्सव-2025 के तहत सांस्कृतिक कार्यक्रम संपन्न

हरदा। नववर्ष प्रतिपदा, विक्रम सम्वत 2082 के शुभारंभ अवसर पर रविवार को शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में विक्रमोत्सव-2025 कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर भोपाल की आहान शिक्षा, संस्कृति एवं समाज सेवा समिति के कलाकारों द्वारा श्रीमती शोभा चटर्जी के निर्देशन में सम्राट विक्रमादित्य पर केंद्रित नाटक का मंचन भी हुआ। कार्यक्रम में विभिन्न अधिकारी व जनप्रतिनिधि भी मौजूद थे। इस कार्यक्रम में भारत का नववर्ष विक्रम संवत पुस्तिका का वितरण भी किया गया।

ग्राम पंचायत देरखा में भारी भ्रष्टाचार

बगैर निर्माण पूर्ण किए निकाली जा रही राशि

- सरपंच सचिव की मिली भगत से शासन की राशि का हो रहा दुरुपयोग
- ग्रामीणों ने पंचनामा बनाकर पंचायत के कार्यों की जांच कराने कलेक्टर को दिया आवेदन

सत्ता सुधार ■ अशोकनगर

जिले की जनपद पंचायत ईसागढ़ अंतर्गत ग्राम पंचायत देरखा में भारी भ्रष्टाचार हो रहा है। यहां होने वाले निर्माण कार्य सरपंच सचिव की मिली भगत से भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि शासन द्वारा स्वीकृत निर्माण कार्यों के लिए सरपंच द्वारा शुरू कर अधूरा छोड़ दिया जाता है,तथा काम के लिए स्वीकृत राशि पूरी निकल जाती है। जो काम सरपंच द्वारा कराए गए हैं, उनकी गुणवत्ता पर भी सवाल उठ रहे हैं। ग्रामीणों द्वारा लगातार शिकायत के बावजूद ना तो अधूरे काम पूरे किए जा रहे ना ही कार्यों की जांच की जा रही।

अधूरे कामों की निकाली गई पूरी राशि- वर्ष 2020-21 में पूर्व सरपंच द्वारा स्वीकृत करीब 13 लाख रुपए की राशि से बनने वाली ग्राम देरखा के स्कूल से गुलाब

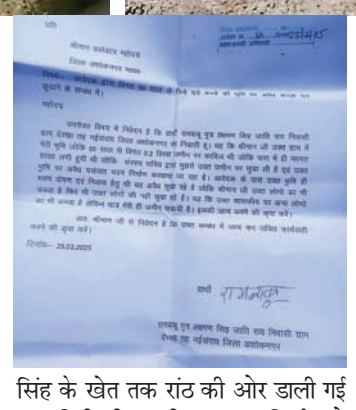

सिंह के खेत तक रांठ की ओर डाली गई मुरम मिट्टी की कच्ची सड़क का निर्माण तो पूर्व सरपंच द्वारा कराया गया, लेकिन पैसे वर्तमान सरपंच द्वारा निकाल लिए गए। सड़क अभी भी अधूरी है। मजे की बात तो यह है कि सड़क का पूरा मूल्यांकन सब इंजीनियर चंद्रभान सिंह रघुवंशी द्वारा कर दिया गया है।

ग्राम में राधे शरण रघुवंशी के खेत के पास 15 लाख रुपए की राशि स्टाफ डैम का निर्माण भी गुणवत्ताहीन कराया गया है। जिसका काम भी पैसे पूरे निकालने के बाद अधूरा छोड़ा गया लेकिन जब इसकी शिकायत हुई तो, मिट्टी चढ़ावा कर औपचारिकता पूरी कर दी गई। गांव में पंचायत भवन का निर्माण कार्य कराया जा रहा है, जो गत वर्ष 11 जनवरी 2024 को स्वीकृत हुआ था,जिसके निर्माण के लिए 37 लाख 50 हजार रुपए की राशि स्वीकृत है। जिसका निर्माण शांति धाम की जगह पर कराया जा रहा है जिसके पिलर खुद गए हैं, लेकिन उक्त जमीन शांति धाम की है,जहां विवाद की स्थिति है। ग्रामीणों का कहना है कि अगर शांति धाम की जगह पर पंचायत भवन का निर्माण कराया गया तो फिर गांव के लोग अंतिम संस्कार के लिए कौन सी जगह तलाशेंगे। जबकि पंचायत भवन बनाने के लिए गांव के स्कूल के पास सर्वे नंबर 115 में पर्याप्त भूमि है। और उस पर अतिक्रमण है,जिसे हटवाकर सुविधाजनक रूप से पंचायत भवन बनाया जा सकता है। जिससे शासकीय जमीन भी अतिक्रमण मुक्त होगी और भविष्य में स्कूल के विस्तार में जगह की आवश्यकता पड़ने पर उक्त जगह स्कूल के काम आएगी। जहां प्रधानमंत्री सड़क बनी हुई है। जिससे लोगों को किसी प्रकार की दिक्कत नहीं होगी। जबकि जहां सरपंच द्वारा पंचायत भवन बनाया जा रहा है वहां अतिक्रमण,विवाद की स्थिति है। गांव के स्कूल की नवनिर्मित बाउंड्री वॉल जो 12 लाख 48 हजार की स्कूल शिक्षा विभाग से प्राप्त राशि से बनाई गई है। जिसकी गुणवत्ता पर भी निर्माण के साथ ही सवाल उठ रहे हैं,नव निर्मित बाउंड्री वॉल में जगह-जगह दरारें पड़ गई हैं,जिन्हें बिरला व्हाइट से भर दिया गया। इसकी शिकायत होने पर,जांच भी हो चुकी है। वही विधायक निधि से स्वीकृत स्कूल के प्रांगण में पेवर्स लगाने के लिए 10 लाख रुपए की राशि प्रदान की गई। जिसमें 1लाख 30 हजार रुपए की राशि आहरित की गई है। लेकिन धरातल पर कोई भी काम नहीं कराया गया। गांव के मवेशियों के लिए प्यास बुझाने बनाई गई होदियों में भी गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखा गया, बगैर नींव खोदे ही,ऊपर से निर्माण कर दिया है, इतना ही नहीं जिस जगह होदियां बनाई गई हैं वहां न तो उन्हें भरने पानी की कोई व्यवस्था है,ना ही वहां हेड पंप लगे न कोई अन्य साधन है। जिससे होदियों को बनाने का उद्देश्य पूरा नहीं हो रहा है। फिलहाल गांव में आठ होदियां बनाई गई हैं,उनका मूल्यांकन भी 3 लाख 80 हजार रुपए किया गया है। जबकि धरातल पर ऐसा प्रतीत नहीं होता। इस तरह सरपंच सचिव मिलकर सब इंजीनियर एसडीओ की मदद से शासन की राशि का भरपूर लाभ उठा रहे हैं। और अधूरे कामों का पूरा मूल्यांकन हो रहा है। इस संबंध में ग्रामीणों द्वारा पंचायत के गुणवत्ता हीन और अधूरे निर्माण कार्यों की जांच कराए जाने के लिए पंचनामा तैयार कर कलेक्टर को आवेदन दिया गया है तथा पंचायत के कार्यों की जांच कराए जाने की मांग की गई है।

इनका कहना-

जो भी निर्माण कार्य हुए हैं, वह सही हुए हैं,टी एस के अनुसार जो प्राक्कलन तैयार किया गया था उस अनुसार काम हुए हैं।

-प्रदीप राजोरिया,
सचिव ग्राम पंचायत देरखा जनपद पंचायत ईसागढ़ जिला अशोकनगर।

पोरवाड़ सोशल मंच ने समाज अध्यक्ष धार भट्याण का अभिनंदन किया

मंच द्वारा किया गया सम्मान मेरा नहीं,पत्नी,ट्रस्ट मंडल एवं समाज का सम्मान हैं: वीरेंद्र भट्याण

सत्ता सुधार ■ खंडवा

जैसे एक प्रधानमंत्री देश का प्रथम नागरिक मुख्यमंत्री होता है, राज्य का प्रथम नागरिक मुख्यमंत्री होता है, नगर का प्रथम नागरिक मुख्यमंत्री होता है, वैसे ही समाज का प्रथम नागरिक समाज का अध्यक्ष होता है जो समाज को आगे ले जाने में मुख्य भूमिका निभाते हैं। वे अपने विवेक और कर्तव्य से समाज को एक सूत्र में बांध कर रखते हैं और नई दिशा का काम करते हैं।

मीडिया प्रभारी प्रेमांशु चौधरी ने बताया कि समाज का अध्यक्ष समाज का प्रथम नागरिक होता है। वह अपने विवेक से समाज व धर्म को ग्रहण कर अपना योगदान देता है। राष्ट्रपतियों का सम्मान कर मंच खुद को गौरवान्वित महसूस करा रहा है। इस कड़ी में खंडवा पोरवाड़ समाज के अध्यक्ष श्रीमान जैन भट्याण का 29 मार्च शनिवार को रात्रि 8.30 बजे अंतरराष्ट्रीय मंच पर स्वागत समारोह में शाल श्रीफल से समाजजनों का अभिनंदन किया गया। समाज को अपनी सेवा दे रहे हैं। प्रतिष्ठित होने पर श्री भट्यान्न ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय मंच से मुझे जो यह सम्मान दिया गया है, वह मेरा स्वयं का सम्मान नहीं है, बल्कि मेरी धर्मपत्नी मधुलिका जैन हैं, जिन्होंने मुझे समाजसेवा करने के लिए प्रेरित किया है और दूसरे पूर्ण समाज और मेरे सहयोगी मित्र मंडल का सम्मान किया है। मैं इस सम्मान के लिए इंटरनेशनल पोरवाड़ सोशल प्लेटफॉर्म, सकल पोरवाड़ दिगंबर जैन समाज और मेरे सहयोगी ट्रस्टियों का आरक्षण हूं। सम्मान करने वालों में मंच के प्रमुख प्रेमांशु कुमार जैन, मनीष जैन, प्रेमांशु चौधरी, प्रियजन जैन, शालू जैन, नमिता जैन, प्रतीक जैन, सुंदर जैन, निखिलेश जैन, सारिका जैन, योगिता जैन, अनामिका जैन, विदुषी जैन सहित जोन के समग्र सदस्य खंडवा जैन समाजजन उपस्थित थे।कार्यक्रम का संचालन नमिता प्रतीक जैन ने किया।

जल गंगा संवर्धनमहा अभियान 30 मार्च से शुरू

हरदा । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की दूरदर्शी सोच के साथ मध्यप्रदेश में वर्षा जल की बूंद-बूंद बचाने का जल गंगा संवर्धनमहा अभियान गुड़ी पड़वा के दिन 30 मार्च से शुरू होने जा रहा है। मध्यप्रदेश सरकार जन, जल, जंगल, जमीन और वन्य प्राणियों के संरक्षण के लिए संकल्पित है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के प्रदेशव्यापी जल संवर्धन अभियान में जल संसाधन, नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण, पर्यावरण विभाग, नगरीय विकास एवं आवास, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, स्कूल शिक्षा, उद्यानिकी एवं कृषि सहित 12 से अधिक अन्य विभाग एवं प्राधिकरण साथ मिलकर जल संरचनाओं के जीर्णोद्धार के कार्य करेंगे। अभियान के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में पानी चौपाल आयोजित होंगी तथा स्थानीय लोगों को जल संरचनाओं के रख-रखाव की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। प्रदेश के प्रत्येक गांव से 2 से 3 महिला-पुरुष का चयन कर प्रदेश में 1 लाख जलदूत तैयार किए जाएंगे। सीवेज का गंदा पानी जल स्त्रोतों में न मिले, इसके लिए सोक पिट निर्माण को प्रोत्साहित किया जाएगा।

केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने अशोकनगर में मनाया हिंदू नव वर्ष गुड़ी पड़वा

सिंधिया बोले- "आपके घर में, आपके परिवार में, क्षेत्र में, किसानों का, सबका मंगलमय साल हो ये कामना में ईश्वर से करता हूं"

सत्ता सुधार ■ खरगोन

केंद्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अपने संसदीय क्षेत्र के दौरे के तीसरे दिन अशोकनगर में मराठी समुदाय के साथ गुड़ी पड़वा का पर्व उत्साहपूर्वक मनाया। इस अवसर पर उन्होंने सर्किट हाउस, अशोकनगर में आयोजित पूजा पाठ में भाग लिया और उपस्थित जनसमुदाय के साथ पर्व की खुशियां साझा कीं।

बच्चों को भी दी शुभकामनाएं, सभी के सुख-समृद्धि की प्रार्थना की

समारोह के दौरान सिंधिया ने विशेष रूप से बच्चों को आशीर्वाद देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने सभी को नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व नई ऊर्जा, सकारात्मकता और समृद्धि का प्रतीक है। उन्होंने प्रार्थना की कि यह वर्ष सभी के लिए मंगलमय और खुशहाल रहे।

सिंधिया के मराठी मूल

यह गौरव का विषय है कि ज्योतिरादित्य सिंधिया का गहरा मराठी जुड़ाव है। उनके पूर्वजों की स्थापना रणोजी सिंधिया ने की थी, जो मराठा साम्राज्य के प्रतिष्ठित सरदारों में से एक थे। उन्हें पेशवा बाजीराव प्रथम ने मराठा योद्धा के रूप में नियुक्त किया था, और सिंधिया परिवार का मराठा इतिहास शौर्य और पराक्रम का प्रतीक रहा है।

नपाध्यक्ष एवं कलेक्टर ने अजनाल नदी तट पर किया

हरदा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशन में प्रदेश सरकार ने जल संरक्षण एवं संवर्धन को ध्यान में रखते हुए 30 मार्च से जल गंगा संवर्धन अभियान प्रारंभ करने का निर्णय लिया है। यह अभियान आगामी 30 जून तक जारी रहेगा। इस अभियान के तहत जल स्रोतों के गहरीकरण एवं जीर्णोद्धार जैसे कार्य किए जाएंगे। जिले में इस अभियान का शुभारंभ रविवार को हरदा शहर स्थित अजनाल नदी के तट पर जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारी कर्मचारियों ने श्रमदान कर किया। इस कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती कमेडिया, उपाध्यक्ष अंशुल गोयल और कलेक्टर आदित्य सिंह सहित अन्य अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने श्रमदान किया। नगर पालिका अध्यक्ष ने इस अवसर पर बताया कि अजनाल नदी तट पर सौंदर्यीकरण, स्टोन पिचिंग, वृक्षारोपण और गहरीकरण के कार्यों के लिए लगभग ढाई करोड रुपए स्वीकृत हुए हैं। कार्यक्रम में संयुक्त कलेक्टर सतीश राय, एसडीएम हरदा कुमार शानू देवड़िया, मुख्य नगर पालिका अधिकारी कमलेश पाटीदार और जिला शिक्षा अधिकारी डी एस रघुवंशी भी मौजूद थे।

बोहरा समाज ने हर्षोल्लास से मनाया ईद उल फितर का पर्व

मुस्लिम समाज आज अता करेगा ईद की नमाज

फोटो बोहरा समाजजन नमाज पढ़ते ओरईदगाह पर पानी का छिड़काव करते

सत्ता सुधार ■ खरगोन

बोहरा समाजजनों ने रमजान माह में पिछले 30 दिनों तक रोजा, नमाज, इबादत और बन्दगी के बाद रविवार सुबह हर्षोल्लास से ईद उल फितर का पर्व मनाया। पर्व को लेकर युवाओं, बच्चों सहित हर वर्ग में खासा उत्साह रहा। सूरत से पधारे शेख यूसुफ भाई बढवानीवाला ने बोहरा बाखल स्थित सैफी मस्जिद में ईद का खुत्बा

(नमाज) पढ़ाया। नमाज के बाद खुशी मजलिस जिसमे जमात द्वारा समाजजनों को श्री खुरमा पिलाया गया।

वही मुस्लिम परिवार को चांद के दीदार का इंतजार हैं। समाज सदर आरिफ खान ने बताया रात चांद नजर आ जाता है तो सोमवार ईद की खुशी चारों ओर बिखरी नजर आएंगी। दीनी पाबंदियों के साथ रोजेदारी व इबादत में लगे मुस्लिम परिवार ईद मनाने को तैयार हैं। ईद की तैयारी पूरी की जा चुकी है। शहर की प्रमुख मस्जिदों में भी साफ..सफाई के साथ ही रंगरोगन को अंतिम रुप दे दिया गया है।

आज सम्वत 2082 हिंदू नववर्ष प्रारंभ

हिंदू विकास जन सेवा समिति द्वारा भक्ति भाव से ध्वज यात्रा का आयोजन किया गया

सत्ता सुधार ■ अशोकनगर

समिति द्वारा ध्वज यात्रा श्री तार वाले बालाजी मंदिर से सुबह 6.45 पर निकाली गई यह यात्रा श्री तार वाले बालाजी मंदिर से प्रारंभ होकर गांधी पार्क, स्टेशन रोड ,बड़ा राम मंदिर ,इंदिरा पार्क, प्रोसेशन रोड ,सुराना चौराहा होते हुए राज राजेश्वर महादेव आदि सभी मंदिरों पर पहुंचकर ध्वज अर्पण कर यात्रा का समापन करने के बाद प्रसाद वितरण किया गया।

इस मौके पर समिति के अध्यक्ष डॉ राम कुमार ओझा ,उपाध्यक्ष सन्तोष कुमार रजक ,सचिव संजीव शर्मा लंबरदार, कोषाध्यक्ष

बलराम सेन, विश्वीर प्रजापति, डॉ. राजकुमार शर्मा, धर्मेंद्र रघुवंशी पार्षद वॉर्ड क्रमांक 6 पूर्व जिलाअध्यक्ष भाजपा,मनोज नामदेव, केतन सैनी, सुल्तान सिंह पन्नू, राजा राम पाल, अशोकनगर विश्वगीता प्रतिष्ठानम के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बालिका मंडल की मुस्कान रघुवंशी ,आरती राजपूत एवं समिति के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे,उपस्थित सभी जन का हृदय से आभार,अंत में सभी को हिंदू नववर्ष की एवं चैत्र नवरात्र प्रारंभ की हार्दिक शुभकामनाएं।

सरकारी स्कूलों की व्यवस्था बेहद दयनीय

बघवाड स्कूल में सोते मिले शिक्षक

सत्ता सुधार ■ हरदा

जिले के आदिवासी बाहुल्य टिमरनी ब्लाक अंतर्गत सरकारी स्कूलों की हालत बेहद दयनीय है। जहां एक और समय पर स्कूल खुलते नहीं वहीं शैक्षणिक कैलेंडर के अनुसार गतिविधियों नहीं होती है। 29 मार्च को एफ.एल.एन. मेला आयोजित करने के आदेश थे किंतु अधिकांश स्कूलों में एफ.एल.एन. मेला नहीं हुए, कागज पर चाहे जो दिखाया गया हो और फील्ड बैंक में चाहे जो जानकारी भरी गई हो। किंतु वास्तविकता यह है कि टिमरनी के वनांचल के स्कूल चलती का नाम गाड़ी की तर्ज पर संचालित है।

आराम करते मिले शिक्षक : दैनिक सत्ता सुधार की टीम ने बघवाड़ प्राथमिक शाला का औचक निरीक्षण किया इस दौरान शिक्षक बेंच पर आराम करते मिले बच्चे भी नहीं दिखे। शाला भवन और परिसर की साफ सफाई अव्यवस्थित दिखी। हैंड वॉश के नल टूटे पड़े हैं। स्कूल में आम तमाम अवस्थाएं दिखी। जिसे नजर अंदाज किया जा रहा है। शासन द्वारा जारी गाइडलाइन की अनदेखी करते हुए सरकारी स्कूल संचालित किया जा रहे हैं ।

1 अप्रैल से नया सत्र शुरू होगा : 1 अप्रैल से नया शिक्षा सत्र 2025 -26 शुरू होगा। इसके मद्देनजर साफ सफाई सहित अन्य कमियां देखने को मिली। इससे जाहिर होता है कि संस्था प्रमुख स्कूल के प्रति कितने संजीदा और सक्रिय हैं। प्रवेश उत्सव को ध्यान में रखते हुए कोई खास तैयारी देखने को नहीं मिली।

स्वच्छता पर जोर नहीं: शाला परिसर में घार अव्यवस्था दिखी। भवन सहित शौचालय और शाला परिसर में गंदगी दिखी। स्वच्छ पेयजल आदि की पर्याप्त व्यवस्था नहीं देखने को मिली। भीषण गर्मी में पेयजल सहित अन्य व्यवस्थाएं अनिवार्य रूप से होनी चाहिए। जिस पर गौर नहीं किया जा रहा है ।

सरकारी स्कूलों की स्थिति खराब: जहां एक और सरकार द्वारा सरकारी स्कूलों की दर्ज संख्या में वे हिसाब गिरावट आने पर युद्धस्तर पर अभियान चलाकर पहल की जा रही है। वहीं दूसरी ओर स्कूलों के बेहतर संचालन की व्यवस्था सुनिश्चित नहीं की जा रही है। जिसके कारण पालकों एवं बच्चों की मानसिकता में कोई बदलाव नहीं आ रहा है। काम भौतिक संसाधन और अट्रेंड शिक्षकों के बाद भी निजी स्कूलों की दर्ज संख्या में उत्तरोत्तर वृद्धि हो रही है। इस पर मंथन कर कठोर कार्रवाई की आवश्यकता है। हालांकि सीएम राइस स्कूल चालू कर प्राइवेट स्कूलों से कंपटीशन की पहल की जा रही है। किंतु उसका कोई खास असर देखने को नहीं मिल रहा है।

पालकों में व्यापक रोष : सरकारी स्कूल की कचर व्यवस्था से पालकों में व्यापक रोष व्याप्त है मजबूरी में सरकारी स्कूल में पढ़ा रहे हैं । यदि फीस देने की व्यवस्था होती तो संभवत- प्राइवेट स्कूल में पढ़ाते । कहीं ना कहीं कमी अवश्य है जिसके पलकों में ऐसी मानसिकता देखने और सुनने को मिल रही है। जिस पर विचार कर समय रहते उल्लेखनीय प्रयास शुरू करने की जरूरत है।

तीन बच्चों को नवोदय भेजा: नवोदय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा में सत्य 2025-26 के लिए स्कूल के तीन बच्चों का चयन हुआ है। स्कूल में शैक्षणिक गतिविधियों में संचालन में जोर दिया जा रहा है जिसका असर दिख रहा है। आसपास के अन्य स्कूलों की स्थिति भगवान भरोसे है। बाकी साफ सफाई कहीं देखने को मिल रही है ।

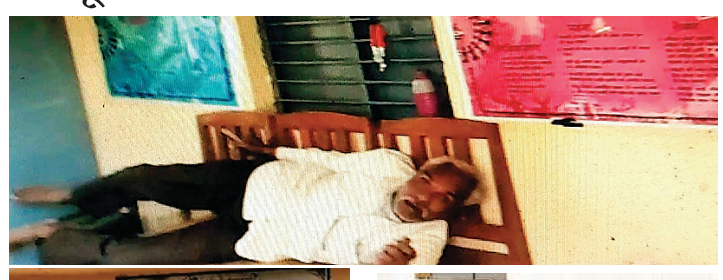

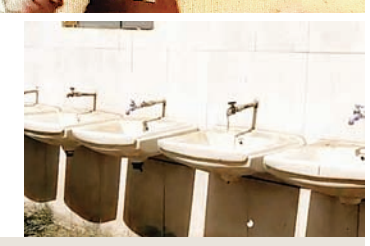

केबिन में सोते मिले शिक्षक को बचाने की कोशिश:

सत्ता सुधार की टीम के औचक निरीक्षण के दौरान सोते मिले शिक्षक को बचाने की कोशिश शिक्षक द्वारा की जा रही है। कैमरे के सामने आकर बचाव करने लगे। बच्चों को शिक्षा दी जा रही है इसमें कोई दो राय नहीं, किंतु अन्य पहलुओं को नजर अंदाज किया जा रहा है। गंदगी और स्कूल में जाले लगे होने की बात शिक्षक ने कहा कि इस समय जाले बहुत लगते हैं। घर पर भी जाले लगे रहते हैं। इसकी साफ सफाई करवाने के बजाय अपने बचाव के लिए तरह-तरह के बहाने बनाने लगे । प्रवेश उत्सव की तैयारी के मद्दे नजर अनिवार्य रूप से सफाई करनी थी। रोजना न करें किंतु विशेष अवसरों पर तो सफाई अवश्य करनी चाहिए। शिक्षक के द्वारा पढ़ाया जा रहा छुट्टी के समय में भी बच्चे पढ़ने आते हैं। यह एक सराहनीय पहल है इसकी जानकारी जब जिम्मेदार अधिकारी को दी गई तो वह शिक्षक का बचाव करने लगे ।

कमिश्नर तिवारी ने नहरों से सिंचाई व्यवस्था का लिया जायजा

सत्ता सुधार ■ हरदा

नर्मदापुरम संभाग के आयुक्त के जी तिवारी ने रविवार को टिमरनी विकासखंड के ग्राम ऊंद्राकच्छ में नहरों से मूंग की फसल के लिए सिंचाई की व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत नहर किनारे पौधारोपण भी किया । इस अवसर पर कलेक्टर आदित्य सिंह, जल संसाधन विभाग के मुख्य अभियंता आर आर मीना, कार्यपालन यंत्री जल संसाधन डी के सिंह एवं सुश्री सोनम बाजपेई तथा एसडीएम टिमरनी महेश बडोले सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

कमिश्नर श्री तिवारी ने इसके बाद ग्राम गुदीर्या में नहर से सिंचाई व्यवस्था का जायजा लिया और उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों को निर्धारित समय पर मूंग फसल की सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी मिल जाए । उन्होंने जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि एलान क्षेत्र में नहर के अंतिम छोर पर स्थित खेत तक पानी पहुंचे, यह सुनिश्चित किया जाए ।

कमिश्नर श्री तिवारी ने ग्राम गहाल के पास माचक नहर में किए जा रहे लाइनिंग कार्य को भी देखा। इस कार्य को समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश जल संसाधन विभाग के कार्यपालन यंत्री को दिए। कमिश्नर श्री तिवारी ने जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि नहर से सिंचाई के दौरान जल संसाधन विभाग के अधिकारी कर्मचारियों द्वारा लगातार पेट्रोलिंग की जाए। बिना अनुमति के अवैध तरीके से नहर का पानी लिफ्ट करने वालों के विरुद्ध कार्यवाही की जाए।

ब्रीफ न्यूज

बिल्डिंग से गिरने से युवक की मौत

इंदौर। खुड़ैल क्षेत्र में एक बिल्डिंग से गिरने से ड्राइवर की मौत हो गई। घायल अवस्था में उसे एमवाय अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। खुड़ैल पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान सुनील दरबार के रूप में हुई है, जो नीलगिरी परिसर में रहता था। परिवार के मुताबिक, सुनील ड्राइवरी का काम करता था। वह बाहर जाने की बात कहकर निकला, तभी परिजनों को तेज आवाज सुनाई दी। बाहर झांककर देखा तो सुनील जमीन पर गिरा हुआ था। परिजन उसे तुरंत अस्पताल ले गए, लेकिन बचाया नहीं जा सका। पुलिस इस घटना को हादसा और आत्महत्या दोनों एंगल से जांच कर रही है। शुरुआती जांच में यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि सुनील गलती से गिरा या उसने खुदकुशी की। पुलिस मामले में परिजनों और स्थानीय लोगों से पूछताछ कर रही है।

सराफा बाजार में युवती से की छेड़छाड़, बचाव में आई बहन और दोस्त को पीटा

इंदौर। सराफा बाजार में शनिवार देर रात छेड़छाड़ की घटना हो गई। विरोध करने पर युवती और उसके साथियों के साथ बदमाशों ने मारपीट की। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। युवती ने मामले में अज्ञात युवक के खिलाफ छेड़छाड़ और मारपीट का मामला दर्ज कराया है। सराफा पुलिस ने साधुवासवानी नगर निवासी युवती की शिकायत पर एक मनचले और उसके साथी के खिलाफ छेड़छाड़ और मारपीट की धाराओं में केस दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, युवती अपनी बहन और दोस्त के साथ छोटा सराफा स्थित एक ढाबे पर खाना खाने गई थी। वहां दुकान से थाली लेते समय बदमाश ने युवती को बैड टच किया। युवती ने विरोध किया, तो उसने दोबारा कंधे पर गलत इरादे से टच किया। युवती के मना करने पर बदमाश ने अपशब्द कहने शुरू कर दिए। जब युवती का दोस्त बीच-बचाव करने आया, तो बदमाश ने उसका हाथ पकड़कर धक्का दे दिया। इसी दौरान युवती की बहन भी बीच में आई, तो बदमाश का साथी भी आ गया। दोनों ने मिलकर युवती और उसकी बहन के बाल पकड़कर पीटना शुरू कर दिया। झगड़े के दौरान एक आरोपी ने युवती के मुंह पर लात मार दी, जिससे उसे गंभीर चोट आई और खून बहने लगा।

हिंदू नव वर्ष गुड़ी पड़वा पर भगवान को अर्घ्य देकर किया कार्यक्रम का शुभारंभ

विक्रमोत्सव में बताया सूर्य उपासना का महत्व, सम्राट विक्रमादित्य के जीवन पर आधारित नाटक का किया मंचन

सत्ता सुधार ■ इंदौर

इंदौर में विक्रमोत्सव का आयोजन किया गया। आयोजन में मंत्री तुलसी सिलावट, महापौर पुष्यमित्र भार्ग?व ने गांधी हॉल में हिंदू नववर्ष गुड़ी पड़वा के अवसर पर भगवान सूर्य को अर्घ्य देकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। आयोजन में सम्राट विक्रमादित्य के जीवन पर आधारित नाटक का मंचन किया। इसमें उनकी वीरता, न्यायप्रियता और सांस्कृतिक उत्थान में उनके योगदान को दर्शाया गया। नाटक ने दर्शकों को ऐतिहासिक गौरव से ओत-प्रोत कर दिया। रंगरूपिया थिएटर के प्रसुन्न सोनी और उनकी टीम ने सम्राट विक्रमादित्य के जीवन और गौरव गाथा पर आधारित नाटक का मंचन किया।

मंत्री तुलसी सिलावट ने सभी को नववर्ष प्रतिपदा की दी शुभकामना : मंत्री तुलसी सिलावट ने सभी को नववर्ष प्रतिपदा की शुभकामना दी और कहा कि मुख्यमंत्री के प्रगति, विकास, संस्कृति, आस्था को लेकर संकल्प को दृष्टिगत रखते हुए आज पूरे प्रदेश में गुड़ी पड़वा पर्व बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया। महापौर ने कहा सीएम डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में विक्रमोत्सव के तहत कोटि सूर्योपासना का आयोजन किया गया। भारतीय संस्कृति में सूर्योपासना के महत्व को रेखांकित करते हुए बताया कि सम्राट विक्रमादित्य ने जो विक्रम संवत की शुरुआत की थी वह देश नहीं दुनिया में भी आज भी माना जाता है, जिसके आधार पर भारत की भौगोलिक स्थिति के अनुरूप संचालित पंचांग एवं संस्कृति को समझने का काम किया है। आयोजन में विधायक महेंद्र हार्डिया, गोलू शुक्ला, कलेक्टर आशीष सिंह, नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा, महापौर परिषद के सदस्य नंदकिशोर पहाड़िया, निरंजन सिंह चौहान, अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर सहित स्कूली छात्र-छात्राएं और शिक्षक उपस्थित थे।

महापौर बोले- इंदौर का खुद का नया पोर्टल बना रहे

योग मित्र योगशाला का लोकार्पण कर विकास कामों का भूमिपूजन

सत्ता सुधार ■ इंदौर

वार्ड 7 में योग मित्र अभियान के तहत योग मित्र योगशाला का लोकार्पण और उद्यान विकास कार्यों का भूमि पूजन किया गया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, महापौर पुष्यमित्र भार्गव और विशेष पुलिस महानिदेशक डॉ. वरुण कपूर मौजूद रहे। आयोजन स्थल एपीटीसी उद्यान में लोगों ने सामूहिक योगाभ्यास किया और अतिथियों ने बगीचे में पौधारोपण किया।

इस दौरान मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि महापौर शहर के सभी वार्डों में योगाभ्यास को प्रोत्साहित कर रहे हैं। लोग आमतौर पर स्वास्थ्य शिविर आयोजित करते हैं ताकि बीमार व्यक्ति स्वस्थ हो सके, लेकिन महापौर योग शिविर आयोजित कर लोगों को स्वस्थ बनाए रखने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे बच्चों को जंक फूड से दूर रखें और नियमित योगाभ्यास कराएं।

लाइब्रेरी की तरह होगा उपयोग

महापौर भार्गव ने कहा हमने शहर के सभी वार्ड में योग शेड बनाने का संकल्प लिया था। उसी क्रम में आज वार्ड 7 में सुंदर और आकर्षक योगशाला का निर्माण और लोकार्पण किया। योगशाला में सुबह योग के साथ ही दिन में इसका इस्तेमाल लाइब्रेरी की तरह किया जाएगा ताकि लोग सेहतमंद रहने के साथ ही शिक्षा भी प्राप्त कर सके। योग ऐसा एक सामान्य सा उपाय है, जो हमको अंदर से और बाहर से सचेत कर सकता है। उन्होंने कहा कि नव वर्ष के इस अवसर पर इंदौर का अपना खुद का नया पोर्टल बना रहे है।

लूट के प्रयास में दो आरोपी गिरफ्तार, स्कूटर छीनकर भागने लगे तो भीड़ ने पकड़ा

इंदौर। भंवरकुआं पुलिस ने लूट के प्रयास के मामले में कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह मामला एक निजी मोबाइल कंपनी के कलेक्शन एजेंट की शिकायत पर दर्ज किया गया। डीसीपी ऋषिकेश मीना की टीम ने शिकायतकर्ता विजय कुमार चौपड़ा निवासी नानक पैलेस की रिपोर्ट पर रोहित और रमेश निवासी गोमटगिरी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। विजय कुमार के अनुसार, वह शुक्रवार देर शाम एयरटेल पेमेंट बैंक के कलेक्शन की रकम लेकर अपनी स्कूटर से आईटी पार्क चौराहा की ओर जा रहे थे। जब वह अस्पताल के पास रिंग रोड पर पहुंचे, तभी बाइक सवार बदमाशों ने उनकी स्कूटर को टक्कर मार दी। गिरने के बाद आरोपियों ने स्कूटर छीनने की कोशिश की और विरोध करने पर मारपीट भी की। आरोपियों ने स्कूटर स्टार्ट कर भागने का प्रयास किया, लेकिन इस दौरान वहां मौजूद भीड़ ने उन्हें दबोच लिया। आरोपियों की बाइक स्लिप हो गई, जिससे उन्हें भागने का मौका नहीं मिला। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई, और मौके पर पहुंचकर पुलिस ने दोनों को हिरासत में ले लिया।

सूर्योदय की पहली किरण को सामूहिक अर्घ्य अर्पित कर नववर्ष का स्वागत

महेश्वर चौराहे पर आतिशबाजी कर पंजेरी एवं मिष्ठान्न का किया वितरण

सत्ता सुधार ■ धामनोद

भारतीय सांस्कृतिक नववर्ष के आरम्भ चैत्र शुक्ल पक्ष वर्ष प्रतिपदा गुड़ी पड़वा का पर्व मनाया। रविवार को नगर में भारत विकास परिषद शाखा धामनोद के तत्वावधान में आरके एवेन्यू में नगर के गणमान्य प्रबुद्ध नागरिकों द्वारा सूर्य भगवान की पहली किरण के साथ सुबह सामूहिक अर्घ्य एवं हनुमान चालीसा पाठ के साथ नववर्ष का स्वागत किया गया।

नववर्ष स्वागत कविता पाठ कर दसों दिशाओं की पूजा की गई। महेंद्र पाटीदार ने आशीर्वचन देते हुए धरती माता का महत्व बताते हुए संकल्प दिलवाया कि किसान खेती में पेस्टीसाइड नहीं डाले। शाखा के नवनिर्वाचित अध्यक्ष दुर्गेश दाबड़, सचिव सचिन यादव, कोषाध्यक्ष राजू सलूजा का डॉ. मनोज नाहर, राजेश पारीक, जगदीश पाटीदार, प्रहलाद भंडारी, मुकेश आगीवाल ने स्वागत किया। इसके बाद महेश्वर चौराहे पर जाकर जमकर आतिशबाजी की। राहगीरों को पंजरी और नुक्ति का प्रसाद वितरित किया।

इस अवसर पर प्रहलाद भंडारी, भारत विकास परिषद के सदस्य नरेंद्र तिवारी, महेश सेन, नरेंद्र भट्ट, राकेश पाटीदार व्यापारी संघ अध्यक्ष, विष्णु अध्यक्ष प्रतिनिधि, देवकरण पाटीदार, रमेशचंद्र वर्मा, दीपक प्रधान, द्वारका सराफ, डॉ. अजय चौहान, अनिल पाटीदार, पार्षद जितेंद्र सोलंकी, निशांत नामदेव, मातृशक्ति में सीमा भंडारी, प्रेमलता तिवारी, मधु सराफ, रीना नाहर, नीतू सलूजा, कमलेश नामदेव आदि उपस्थित रहे।

शिप्रा के बरलाई में भव्य भगवा यात्रा निकली

गूंजा जय श्रीराम, पुष्पवर्षा से किया स्वागत

सत्ता सुधार ■ उज्जैन

गुड़ी पड़वा पर क्षेत्र की सबसे बड़ी भगवा यात्रा ग्राम बरलाई से निकली। प्रमुख मार्गों से होते हुए शिप्रा नदी तट पर महाआरती के साथ समापन हुआ। यात्रा में शिप्रा सहित आसपास के दर्जनों गांव के युवा दुपहिया वाहन के साथ शामिल हुए।

संस्था मां शिप्रा द्वारा किए जाने वाले इस आयोजन को लेकर एक माह से अंचल के दर्जनों गांव के करीब सैकड़ों लोगों को निमंत्रण पत्र और पीले चावल देकर शामिल होने का आव्हान किया गया था। रविवार प्रातः 8 बजे ही आसपास के गांवों से युवाओं की टोली ढोल-धमाकों और डीजे के साथ यात्रा प्रारम्भ स्थल पर पहुंचने लगी थी।

सुबह 9 बजे प्रारम्भ हुई यात्रा बरलाई रोड, शुगर मिल बूढी बरलाई, पिरकाडीया होते हुए देवास जिले की सीमा में प्रवेश कर सुकल्या शिप्रा नदी तट पर महाआरती के साथ समापन हुआ। जय श्रीराम के उद्घोष लगाए गए। यात्रा का मार्ग पर पुष्पवर्षा से कई सामजिक, राजनीतिक संगठनों ने स्वागत किया। किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए इंदौर जिले के गांवों में शिप्रा थाने का बल तो देवास जिले की शिप्रा में आद्योगिक थाने का बल वज्र वाहन के साथ मूस्तैद रहा।

नगर में गुड़ी पड़वा को लेकर उत्साह नजर आया। कई घरों में गुड़ी सजाई गई। शाखा टोली द्वारा चौराहों पर केशरिया तिलक लगाकर गुड़ धनिया का वितरण किया गया।

जमीन के विवाद में किसान की हत्या, पांच लोग गिरफ्तार

इंदौर। कनाड़िया गांव में एक किसान की पांच लोगों ने हत्या कर दी। आठ बीघा जमीन करोड़ों रुपये की थी और जिन लोगों को किसान परिवार ने जमीन खेती करने के लिए दी थी, वे उसका कब्जा नहीं छोड़ रहे थे। किसान ने इसकी शिकायत अफसरों को की थी। खेत पर कब्जा करने वाले किसान पर समझौता करने का दबाव बना रहे थे। किसान बाबूलाल उर्फ गब्बर परमार का शव खेत में मिला। परिजनों ने हत्या की शंका जताई। पुलिस ने जांच की तो पता चला कि बाबूलाल के पिता की आठ बीघा जमीन है। जिस पर बाबूलाल और उसके तीन भाई और दो बहनों का हिस्सा है। हिस्सेदारों ने यह जमीन खेती के लिए मान सिंह परिहार और घनश्याम परिहार को दी थी। करोड़ों की कीमत होने के कारण आरोपी ने खेती का कब्जा छोड़ने से इनकार कर दिया। इसे लेकर बाबू सिंह का मान सिंह और घनश्याम से विवाद चल रहा था। घटना वाले दिन आरोपियों ने बाबूलाल को रोका और उसके साथ मारपीट की। इस दौरान उसके सिर में अंदरुनी चोट आई। बाबूलाल जब घर नहीं लौटा तो परिजनों ने खोजबीन की। उसका शव खेत में पड़ा मिला। पुलिस ने जांच के बाद पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने बाबूलाल के पिता से जमीन अपने नाम करा ली थी, लेकिन बाबूलाल कलेक्टर कार्यालय में लगातार आरोपियों के खिलाफ शिकायत कर रहा था। आरोपी जमीन किसी बिल्डर को बेचना चाहते थे। आरोपी बाबूलाल को 35 लाख रुपये देकर समझौता करना चाहते थे, लेकिन बाबूलाल डेढ़ करोड़ रुपये मांग रहा था। इसके बाद आरोपियों ने उसकी हत्या करने की योजना बनाई थी।

56 दुकान में गंदगी फैलाने पर 38 दुकानदारों पर डेढ़ लाख का जुर्माना

सत्ता सुधार ■ इंदौर

समय के साथ अव्यवस्थाओं से सराबोर 56 दुकान पर जहां गंदगी नजर आने लगी, वहीं कचरा भी पाया गया तो कुछ दुकानदार बिना लायसेंस दुकान चलाते पाए गए।

मोबाइल कोर्ट ने 56 दुकान और उसके आसपास के बाजारों में दुकानों के बाहर तक हुए कब्जे हटाने के साथ-साथ गंदगी और कचरे को लेकर 38 दुकानदारों के चालान बनाए गए, जिनसे डेढ़ लाख से ज्यादा की राशि वसूली गई। कुछ जगह कार्रवाई के दौरान दुकानों के कर्मचारियों से निगमकर्मियों से विवाद भी हुआ।

विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट मुकेश गुप्ता के निर्देश पर मोबाइल कोर्ट और निगम की टीम ने 56 दुकान और उसके आसपास के बाजारों में कार्रवाई की। इस दौरान कई दुकानों के पास लायसेंस नहीं था, इसके साथ ही कुछ जगह सड़कों तक कब्जा किया गया था। इस मामले को लेकर दुकानदारों के चालान बनाए गए। निगम अधिकारियों के मुताबिक 38 से ज्यादा दुकानों के चालान बनाए गए और उनसे 1 लाख 58 हजार की राशि वसूली गई।

56 दुकान के साथ-साथ आसपास के अन्य बाजारों में भी यह कार्रवाई का अभियान चलाया। आसपास के कुछ मार्केटों में कार्रवाई के दौरान बाहर तक रखे गए सामान को लेकर निगमकर्मियों के साथ दुकान में कार्यरत कर्मचारियों का विवाद हुआ।

इमारतों की अग्निशमन सुरक्षा को लेकर निगम ने कहा- तुरंत करें सुधार

सत्ता सुधार ■ इंदौर

नगर निगम ने बड़ी इमारतों में अग्निशमन सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एक बार फिर से सार्वजनिक सूचना जारी की है। निगम ने चेतावनी दी है कि यदि आगामी दिनों में इन इमारतों में सुरक्षा इंतजामों को लेकर कोई सुधार नहीं किया जाता है, तो निरीक्षण के बाद इन भवनों को सील कर दिया जाएगा।

पहले भी नगर निगम ने जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ मिलकर एक बड़ा अभियान चलाया था, जिसके तहत कई इमारतों को सील किया गया था। अब एक बार फिर से इस अभियान को चलाने की योजना बनाई गई है, जिसमें प्रशासनिक अधिकारियों से दिशा-निर्देश मिलने के बाद नगर निगम ने कार्रवाई की योजना तैयार की है।

अग्निशमन सुरक्षा की दिशा में कड़े कदम

नगर निगम ने अपने नवीनतम सार्वजनिक सूचना में यह भी बताया कि जी प्लस और उससे ऊंचे आवासीय भवनों में अग्निशमन सुरक्षा के सभी आवश्यक प्रावधान किए जाने चाहिए। संबंधित भवनों के मालिकों को चेतावनी दी गई है कि यदि निरीक्षण के दौरान कोई भी खामी या लापरवाही सामने आती है, तो संबंधित इमारतों को नगर निगम द्वारा सील किया जाएगा। यह कदम सुरक्षा व्यवस्था को लेकर शहरवासियों को जागरूक करने और अग्नि सुरक्षा के मानकों का पालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है।

सफाई व्यवस्था के लिए नई जेसीबी की तैनाती : नगर निगम ने सफाई व्यवस्था और अन्य कार्रवाई के लिए अब तक की सबसे बड़ी पहल की है। पहले जेसीबी की कमी के कारण कर्मचारियों और अधिकारियों को कई बार परेशानी का सामना करना पड़ता था। इस समस्या को ध्यान में रखते हुए नगर निगम ने 11 नई जेसीबी खरीदी हैं, जिनका महापौर पुष्यमित्र भार्गव द्वारा लोकार्पण किया गया। यह जेसीबी शहर के विभिन्न झोनलों में तैनात की जाएंगी, ताकि सफाई और अन्य कार्यों में कोई रुकावट न आए।

संसाधनों में वृद्धि और भविष्य की योजनाएं

नगर निगम के अधिकारियों के अनुसार, अब हर झोन पर दो-दो जेसीबी और डंपर तैनात रहेंगे। निगम के पास पहले से ही डंपरों का एक बड़ा बेड़ा मौजूद है। इसके अलावा, निगम द्वारा 17 करोड़ रुपये की लागत से कुछ और संसाधन खरीदे जाने हैं। आने वाले दिनों में निगम को ड्रेनेज सफाई के लिए अत्याधुनिक गाड़ियां भी मिलेंगी, जो सफाई के कार्यों को और अधिक प्रभावी और तेज बनाएंगी। इन प्रयासों से निगम की कार्यक्षमता और सफाई व्यवस्था में सुधार होने की उम्मीद है।

श्रद्धा भक्ति पूजा अर्चना के साथ चैत्र नवरात्र आरंभ

मंदिरों पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

माता बसैया एवं बहरारे माता मंदिर पर पर लगा मेला, भजन कीर्तन के साथ आराधना में डूबे भक्त

सत्ता सुधार ■ मुरैना

घटस्थापना एवं श्रद्धा भक्ति पूजा अर्चना के साथ चैत्र नवरात्र रविवार को आरंभ हो गए। सुबह से ही देवी मंदिरों पर भक्तों की भीड़ देखने को मिली और महिलाओं एवं बच्चियों द्वारा माता की प्रतिमाओं पर जल, दूध, पुष्प आदि अर्पित कर श्रद्धा भक्ति से पूजा अर्चना की गई। आगामी 9 दिनों तक जिले भर में माता की भक्ति में श्रद्धालु डूबे रहेंगे और देवी स्थान पर पहुंचकर मां की आराधना करेंगे। घर-घर में

माता रानी की पूजा अर्चना आरंभ हो गई है और लोग भक्ति रस में डूबे हुए हैं।

रविवार को सुबह से ही महिला, पुरुष, बच्चिया बड़ी संख्या में देवी मंदिरों पर पहुंचने लगी और वहां मां का जल, दूध, पुष्प अर्पित कर अभिषेक किया। माता रानी की आरती के

साथ भजन गीत आदि के आयोजन किए गए। नवरात्र के चलते सुबह से ही शहर में सड़कों पर लोग फूल माला, मिष्ठान, नारियल, बतासे आदि के लिए दौड़ते नजर आए।

श्रद्धालु नित्य रोज की प्रक्रिया से फ्री होकर देवी मंदिरों पर पहुंचे और घर में भी माता की स्थापना कर श्रद्धा भाव से पूजा अर्चना करते हुए उपवास रखा। नवरात्रि के चलते काफी संख्या में श्रद्धालु 9 दिन तक उपवास रखते हैं। शहर के प्रसिद्ध देवी मंदिर श्री महामाया मूर्ति मंदिर, बड़ोखर माता मंदिर, श्री मनसापूर्ण मंदिर, श्री ज्ञान ज्ञानेश्वरी माता मंदिर के अलावा माता बसैया मंदिर एवं बहरारे माता मंदिरों पर विशेष सजावट के साथ आकर्षक रोशनी की गई है तथा श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए वहां व्यवस्थाएं बनाई गई हैं।

नव संवत्सर हिंदू नव वर्ष मनाया गया

चैत्र नवरात्रि के साथ नव संवत्सर हिंदू नव वर्ष की लोगों द्वारा एक दूसरे को बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई। सोशल मीडिया एवं व्हाट्सएप ग्रुपों पर हिंदू नव वर्ष की शुभकामना का आदान-प्रदान सुबह से लेकर देख शाम तक चला। इस दौरान शहर व जिले में कई जगह कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।

मंत्री और अधिकारियों के काफिले की तर्ज पर बाइक सवार देते हैं रेत माफिया को फॉलो

हथियारों से लैस रहते हैं ट्रैक्टर-ट्रॉली को फॉलो देने वाले, पकड़े जाने पर छुड़ाने की भी रखते हैं ताकत

सत्ता सुधार ■ मुरैना

जिले भर में राजनीतिक संरक्षण में रेत, पत्थर, गिट्टी माफिया फल फूल रहा है और मंत्री और अधिकारियों की तर्ज पर रेत पत्थर गिट्टी का परिवहन करने वालों को उनके लोग फॉलो करते हैं। यह फोलो करने वाले माफिया के लोग हथियारों से लैस होकर किसी भी स्थिति से निपटने को तैयार रहते हैं। पूर्व में कई मामले विभिन्न थानों के सामने आ चुके हैं, जब वन विभाग और पुलिस द्वारा पकड़े गए रेत माफिया को उनके गुर्गे जबरन छुड़ाकर ले गए। बटालियन एवं पुलिस फोर्स होने के बावजूद माफियाओं पर कार्रवाई नहीं हो पा रही है, जिससे ऐसा प्रतीत होता है कि पुलिस प्रशासन एवं वन विभाग रेत माफिया के सामने पूरी तरह नतमस्तक है।

जिले में रेत, पत्थर, गिट्टी माफिया को राजनीतिक संरक्षण मिलने के कारण उनके हौसले बुलंद हैं और वह बिना किसी खौफ के रेत व पत्थर का उत्खनन कर सरेआम परिवहन कर रहे हैं। माफिया की इतनी हिम्मत है कि वह पुलिस थानों के सामने से अवैध उत्खनन और परिवहन कर निकल जाते हैं तथा संभाग भर में इसकी सप्लाई करते हैं। सूत्र बताते हैं कि चंबल राजघाट से यह माफिया रेत लेकर ट्रैक्टर ट्रॉली से मुख्य मार्ग पर होकर निकलते हैं, जहां सराय छोला, सिविल लाइन, नूराबाद एवं बानमोर थाने हाईवे पर पढ़ते हैं, इसके बावजूद भी पुलिस कोई कार्यवाही नहीं करती। वन विभाग तो छोटी-मोटी कार्रवाई करता है, लेकिन पुलिस का सहयोग नहीं मिलने के कारण बड़ी कार्यवाही नहीं हो पा रही है। रेत का अवैध उत्खनन परिवहन कर उसे ग्वालियर, शिवपुरी एवं भिंड जिले में सप्लाई किया जा रहा है, यही नहीं माफिया द्वारा सुमावली विधानसभा क्षेत्र में डाली जा रही रेलवे लाइन पर रेत गिट्टी का पूरा काम अपने हाथ में ले लिया गया है और प्रतिदिन भारी मात्रा में रेत और गिट्टी पहुंच रहा है।

सूत्र बताते हैं कि चंबल राजघाट से सराय छोला होते हुए रेत का अवैध उत्खनन एवं परिवहन चिन्नौनी, देवगढ़, उत्तमपुरा मार्ग के रास्ते होकर सबलगढ़, मामचैन, जौरा, बागचीनी क्षेत्र में हो रहा है। बताया जाता है कि जिन रास्तों एवं

जिन थानों के सामने से माफिया द्वारा रेत, गिट्टी, पत्थर का उत्खनन एवं प्रबंध किया जा रहा है, उन थाना इंचार्ज से लेकर पुलिस कर्मचारी तक सबकी मिली भगत है और प्रति महीने थाने पर नजराना पहुंच रहा है, जिसके कारण पुलिस कोई कार्रवाई नहीं करती और स्थिति यह है कि जब एक साथ ट्रैक्टर ट्रॉली किसी भी थाने से गुजरते हैं और पायलट आगे चलते हैं तो उस दौरान थानों में पुलिस कर्मचारियों की उपस्थिति बहुत कम नजर आती है। आखिर क्या कारण है कि रेत, पत्थर, गिट्टी का अवैध उत्खनन एवं परिवहन थानों के सामने से हो रहा है और वह हाथ पैर हाथ रखे बैठे हुए हैं। क्या राजनीतिक संरक्षण के चलते पुलिस एवं प्रशासन इन पर कार्रवाई करने में अपने आप को अक्षम महसूस कर रहे हैं। यही हाल शहर पुलिस का है, इसके अधिकार क्षेत्र में बायपास मार्ग आता है और इसी मार्ग से अधिकांश माफिया रेत का अवैध उत्खनन कर परिवहन कर रहे हैं। सूत्र बताते हैं कि शहर पुलिस की भी माफिया से मिली भगत है और हर महीने नजराना भेंट किया जा रहा है, जिसके चलते करवाई नजर नहीं आ रही। चंबल नदी से रेत का अवैध उत्खनन कर माफिया द्वारा धौलपुर के रास्ते दिल्ली तक पहुंच जा रहा है और जमकर रुपया कमा रहे हैं तथा राज्य सरकार को भारी राजस्व की हानि पहुंचा रहे हैं। कहने को मध्य प्रदेश शासन द्वारा माफियाओं पर कार्रवाई के लिए पांच कंपनियां मुरैना में तैनात है, लेकिन उनके द्वारा भी कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है या फिर उन पर संसाधनों की कमी है, जिस पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

संरक्षित क्षेत्र को छोड़ अन्य घाटों को लीज पर देने से होगा करोडो का लाभ

मध्य प्रदेश सरकार चाहे तो चंबल नदी में संरक्षित एवं घड़ियाल प्रजनन क्षेत्र को छोड़कर अन्य घाटों को लीज पर देकर करोड़ों रुपए प्रति माह की आमदनी कर सकती है। इससे जहां प्रशासन एवं पुलिस का सिरदर्द बचेगा तो वहीं आम जनता भी सुरक्षित रहेगी। इसके साथ ही पुलिस अन्य कार्यों पर भी ध्यान दे सकेगी, अभी तो रेत माफिया के चलते पुलिस का काम काफी प्रभावित होता रहता है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने मनाया नव वर्ष का उत्सव

सत्ता सुधार ■ मुरैना

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ नगर मुरैना द्वारा राधिका पैलेस में चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के अवसर पर नव वर्ष का उत्सव मनाया गया। उत्सव में मुख्य व्यक्ता के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत धर्म जागरण प्रमुख नवनीत शर्मा ने कहा कि आज का दिन बहुत विशेष है। आज के दिन से ही ब्रह्मा जी ने श्रृष्टि की रचना प्रारंभ की। भारत ने शकों को पराजित कर शक संवत की स्थापना की। आज ही चक्रवर्ती सम्राट महाराज विक्रमादित्य का राज्याभिषेक हुआ और विक्रम संवत की स्थापना हुई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अध्य सरसंघचालक पूजा डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार का भी जन्म आज ही के दिन हुआ था।

इस दौरान नवनीत ने अतीत की एक घटना पर चर्चा करते हुए कहा कि स्वतंत्रता पूर्व कुछ व्यक्तियों का एक समूह स्वामी विवेकानंद के पास गया और स्वतंत्रता के आंदोलन का प्रतिनिधित्व करने का आग्रह किया, तब स्वामी विवेकानंद ने कहा कि स्वतंत्रता तो में अगली सुबह ही दिला दूं, परंतु उनका प्रश्न ये था कि ये स्वतंत्रता रहेगी कब तक, आखिर कब तक टिकेगी ये स्वतंत्रता। यही प्रश्न भीमराव राम अम्बेडकर ने भी संविधान सभा में किया। उसके बाद डॉ. हेडगेवार ने उसका उत्तर दिया कि हम राष्ट्रीय विचारधारा से ओतप्रोत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक समाज में समानता और बंधुत्व के भाव को जागृत कर इस स्वतंत्रता की रक्षा करेंगे।

रविवार को 25 दिव्यांग जनों को हाईटेक हाथ लगाये गये

मुरैना। पुलिस परेड ग्राउंड मुरैना में 2 अप्रैल तक रोटरी महा कैम्प का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें रविवार को रोटरी कैंप में 53 दिव्यांगों का कृत्रिम हाथ हेतु पंजीयन किया गया। उनमें से रविवार को 25 दिव्यांग जनों को हाईटेक हाथ लगाये गये। यह जानकारी डिप्टी कलेक्टर श्रीमती प्रतिज्ञा शर्मा द्वारा दी गयी है।

ग्राम पंचायत बसैया से जल गंगा संवर्धन कार्यक्रम की शुरुआत

मुरैना। प्रदेश में 30 मार्च से 30 जून तक राज्य स्तरीय जल गंगा संवर्धन अभियान संचालित किया जाएगा। इसे सफल बनाने के लिए अधिकतम प्रयास किए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार की शाम मंत्रालय से वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से अभियान के संबंध में कलेक्टर्स को महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि अभियान में पंचायत एवं ग्रामीण विकास, जल संसाधन, नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण, नगरीय विकास एवं आवास, उद्यानिकी, कृषि, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, उद्योग, पर्यावरण, स्कूल शिक्षा, संस्कृति, जनसंपर्क, राजस्व, वन विभागों के साथ ही जन अभियान परिषद को प्रमुख सहभागी विभाग बनाया गया है। अभियान की स्थानीय रणनीति के अनुसार जिलों में अन्य विभागों का सहयोग कलेक्टर स्तर पर लिया जा सकेगा।

मरीज को निःशुल्क लाने-लेजाने की जिम्मेदारी निभा रहा मजदूर संघ

मुरैना। स्वर्गीय श्रीमती मोहन प्यारी देवी माहेश्वरी की स्मृति में जिला मुख्यालय मुरैना पर 2 अप्रैल तक हेल्थ मेगा शिविर पुलिस परेड ग्राउंड मुरैना में लगाया जा रहा है। जिसमें चिकित्सकों द्वारा मरीज को परीक्षण करने के बाद जिला चिकित्सालय पहुंचने के लिए भारतीय मजदूर संघ द्वारा यह जिम्मेदारी ली गई है। मजदूर संघ के बृजराज दंडोतिया ने बताया कि शासन की ओर से मरीज को निःशुल्क ले जाने और लाने की जिम्मेदारी हमें दी है। हम मरीजों को जिला चिकित्सालय तक निःशुल्क पहुंचा रहे हैं और आवश्यकता पड़ने पर जिला चिकित्सालय से निःशुल्क वापस ला रहे हैं। जिसका खर्चा जिला प्रशासन और रोटरी वहन कर रहा है। मरीज सुल्तान, दाताराम, हरविलास और हलुके बताते हैं कि रोटरी का कैंप मुरैना में लगा हुआ है। इस कैंप में जांचें, मरीज को लाना ले जाना, भोजन आदि सब निःशुल्क है। हमको अपने इलाज पर किसी प्रकार का कोई पैसा खर्च नहीं करना पड़ रहा है, जहां तक की कैंप से अस्पताल तक लेकर जाना और लौट कर यही छोड़ने की जिम्मेदारी ई-रिक्शा के माध्यम से की जा रही है।

जिले के थानों में धोखाधड़ी के सैकड़ो मामले लंबित, थाना प्रभारी एवं विवेचना अधिकारी नहीं दे रहे ध्यान

सत्ता सुधार ■ मुरैना

जिले के विभिन्न मुख्य थानों में धोखाधड़ी संबंधी सैकड़ो मामले लंबित पड़े हैं लेकिन पुलिस कसान से लेकर थाना प्रभारी और विवेचना अधिकारी इन पर कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं, जिसके कारण फरियादी थानों में चक्कर काटते रहते हैं और उनके प्रकरण मंजिल तक नहीं पहुंच पा रहे। पुलिस का कहना है कि धोखाधड़ी के प्रकरणों में लंबा इन्वेस्टिगेशन होता है, इसलिए मामले लंबित पड़े रहते हैं। कहीं कोई विवेचना अधिकारी स्थानांतरित हो जाता है तो डायरिया इधर-उधर हो जाती हैं। शहर कोतवाली में ही आधा सैकड़ा से अधिक प्रकरण लंबित पड़े हुए हैं।

सूत्र बताते हैं कि मुरैना सिटी कोतवाली, सिविल लाइन, स्टेशन रोड थाना, सहित जिले के पोरसा, अंबाह, जौरा, बानमोर, कैलारस, सबलगढ़ सहित कई थानों में कई तरह की धोखाधड़ी के मामले सैकड़ो की संख्या में लंबित हैं लेकिन उनके निकाल के लिए ना तो अधिकारी प्रयास कर रहे हैं और ना ही थाना प्रभारी और विवेचना अधिकारी कोई ध्यान दे रहे हैं। स्थिति यह है कि कुछ थानों में विवेचना अधिकारी स्थानांतरित हो चुके हैं, जिसके कारण मामले पेंडिंग पड़े हुए हैं और डायरियां इधर-उधर पड़ी हुई हैं। शहर कोतवाली में तमाम उद्योगपति, व्यापारियों के अलावा अन्य जमीन संबंधी, चिटफंड संबंधी आदि प्रकार की धोखाधड़ी के मामले लंबित हैं और कार्यवाही आगे नहीं बढ़ पा रही है। वर्तमान पुलिस कसान द्वारा भी अभी तक धोखाधड़ी के मामलों पर कोई प्रकाश नहीं डाला गया है और ना ही थाना प्रभारीयों को कोई नसीहत दी गई है। पुलिस अधीक्षक द्वारा समीक्षा न किए जाने के कारण धोखाधड़ी सहित तमाम प्रकार के मामले थानों में लंबित हैं और उनके निराकरण नहीं हो पा रहे हैं। पुलिस कसान अगर ध्यान देते हुए सभी थाना प्रभारी को कड़े निर्देश जारी करें तो कुछ हद तक कारवाइयां आगे बढ़ सकती हैं।

इस संबंध में जब जिले के अंबाह थाना प्रभारी से धोखाधड़ी संबंधित प्रकरणों की संख्या जानना चाही तो उन्होंने अनभिज्ञता जाहिर करते हुए कहा कि ऐसे ध्यान नहीं रहता, थाने पहुंच कर ही बता पाऊंगा। वहीं स्टेशन रोड थाना प्रभारी द्वारा डेढ़ दर्जन धोखाधड़ी के लंबित मामले बताए गए और कहा गया कि इनमें तमाम तरह के लंबे इन्वेस्टिगेशन होते हैं, इसलिए समय लगता है। सबलगढ़ थाना प्रभारी श्रीमती राजकुमारी परमार ने कहा कि कुछ एक ताजा मामले ही पेंडेंसी हैं, बाकी ऐसा 10 वर्ष, 12 वर्ष पुराना कोई मामला पेंडिंग नहीं है।

394वें निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में 71 मरीजों को मिला स्वास्थ्य लाभ

सबलगढ़। अग्रवाल समाज विकास समिति सबलगढ़ द्वारा रविवार को 394वा निःशुल्क चिकित्सा सहायता शिविर का आयोजन श्रीराम मंदिर सबलगढ़ मे सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक किया गया। कैंप मे मुख्य रूप से डॉ एम पी गुप्ता द्वारा 71 मरीजों को परामर्श प्रदान किया गया। इस दौरान मरीजों को समिति द्वारा निःशुल्क बीपी व शुगर की जांचों के साथ दवा भी उपलब्ध करवाई गयी। डॉ. एमपी गुप्ता ने मौसम को देखते हुए लोगों को सलाह दी कि घरों में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें। मच्छरों से बचाव के साधन अपनाएं। अगर बीमारी के लक्षण दिखें तो बॉयल पानी पिएं, आराम करें और डॉक्टर से सलाह लें। यहां बता दें कि अग्रवाल समाज विकास समिति द्वारा पिछले 10 साल से आम जन की सेवा के लिए निःस्वार्थ भाव से प्रत्येक रविवार को स्वास्थ्य शिविर का अयोजन किया जाता है। इस शिविर के माध्यम से अब तक 50 हजार से अधिक लोग स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर चुके हैं। कैंप में समिति सह संयोजक बी एल बंसल, समिति के संस्थापक सदस्य महेश गोयल, गयाचरण गोयल, अध्यक्ष आशीष अग्रवाल, रितिक बंसल, विकाश मित्तल, विवेक मित्तल, राघव गोयल, नितिन गुप्ता, अमित गुप्ता, अथर्व मित्तल व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव 10 को, आयोजनों के साथ निकलेगी भव्य रथयात्रा

सत्ता सुधार ■ मुरैना

जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का जन्म कल्याणक महोत्सव 08 अप्रैल से 10 अप्रैल तक विभिन्न धार्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक आयोजनों के साथ हर्षोल्लास पूर्वक मनाया जाएगा। विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी जैन धर्म के अंतिम तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का जन्म कल्याणक महोत्सव चैत्र शुक्ल त्रयोदशी तदानुसार 10 अप्रैल को विभिन्न कार्यक्रमों के साथ मनाया जा रहा है।

महोत्सव की रूपरेखा तैयार करने हेतु विगत दिवस जैन समाज की आम पंचायत में राजेंद्र जैन दयेरी वाले को मुख्य संयोजक एवं मुकेश जैन पलपुरा को संयोजक मनोनीत किया गया। आम पंचायत में सर्वसम्मति से तय हुआ कि भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव को 08 अप्रैल से 10 अप्रैल तक तीन दिवसीय आयोजन के रूप में मनाया जाएगा। जिसमें जुलूस व्यवस्था, भोजन व्यवस्था, मंच व्यवस्था, प्रशासनिक व्यवस्था, प्रचार प्रसार व्यवस्थाओं सहित अन्य व्यवस्थाओं के पृथक-पृथक संयोजक मनोनीत किए हैं।

श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन पंचायती बड़ा मंदिर कमेटी के निर्देशन में श्री महावीर स्वामी जन्म कल्याणक महोत्सव समिति द्वारा आयोजित महोत्सव के प्रथम दिन 08 अप्रैल को शाम 07 बजे जन जागरण श्री जिनवाणी धर्म यात्रा निकाली जाएगी। उक्त यात्रा बड़े जैन मंदिर से प्रारंभ होकर लोहिया बाजार, पुल तिराहा होती हुई पुराना कलेक्ट्रेट स्थित कीर्तिस्तंभ पहुंचेगी। उपस्थित सभी बंधुओं द्वारा कीर्तिस्तंभ पर 48 दीपकों द्वारा श्री भक्तांबर महाअर्चना की जाएगी। महोत्सव के द्वितीय दिन 09 अप्रैल को प्रातः 05 बजे बड़े जैन मंदिर से नगर के प्रमुख मार्गों पर प्रभात फेरी निकाली जाएगी। प्रातः 07 बजे बड़े जैन मंदिर में भगवान महावीर स्वामी विधान होगा एवं शाम 07 बजे इंद्र सभा, कुंडलपुर नगरी की स्थापना, सोलह स्वप्न दर्शन एवं सांस्कृतिक आयोजन होगे। तृतीय दिन 10 अप्रैल को प्रातः 07 बजे भगवान महावीर स्वामी को रथ पर विराजमान कर भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी।

रथयात्रा नगर के प्रमुख मार्गों पर भ्रमण कर बड़ा जैन मंदिर पहुंचेगी। बड़े जैन मंदिर में भगवान को पाण्डुक शिला पर विराजमान कर कलशाभिषेक किए जायेगे। तत्पश्चात सकल जैन समाज के लिए वात्सल्य भोज का आयोजन किया गया है।

गणगौर पूजा आज, सुहागन महिलाएं रखेंगीं पति की लंबी आयु के लिए व्रत

जौरा। आज सोमवार को गणगौर का त्यौहार होने को लेकर व्रत रखने वालीं महिलाओ ने इस व्रत की तैयारियां अपने अपने घरों में दो दिन पूर्व ही शुरू कर दी गई थी। व्रत रखने वालीं महिलाओ ने परंपरा अनुसार घरों में देशी घी से पकवान बनाकर तैयार किए, जिन्हे गुना के नाम से जाना जाता है। जिन्हें कथा सुनते समय थाली में सजाकर शिव पार्वती की प्रतिमा के समक्ष रखा जाता है, बाद में उन्हें दान कर दिया जाता है। इस व्रत को रखने वाली श्रद्धालु महिलाएं महावर मेहंदी लगाकर सोलह श्रृंगार कर कथा सुनकर व्रत रखेंगी।

जानकारी के अनुसार चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की तृतीय तिथि के दिन मनाए जाने वाले गणगौर पर्व के दिन सुहागन महिलाएं अपने पति की दीर्घायु के लिए मिट्टी से शिव पार्वती की प्रतिमा बनाकर पूरे विधि विधान से पूजन कर व्रत रखती हैं। इस व्रत को रखने वाली श्रद्धालु महिलाएं सुंदर वस्त्र धारण कर सोलह श्रृंगार कर दिन के समय व्रत की कथा सुनती हैं। इस व्रत में महिलाएं दिन भर बिना पानी पिए ही व्रत को रखती हैं व शाम को कथा स्थल पर सामूहिक रुप से एकत्रित होकर पानी पीकर अपना व्रत खोलती है। पूजा करने के बाद महिलाओं द्वारा मिट्टी से तैयार की गई शिव पार्वती (गणगौर) की प्रतिमा का विधि विधान के साथ पानी में विसर्जन भी किया जाता है।

मानसिक स्वास्थ्य महोत्सव एक अनूठी पहलः जिला शिक्षा अधिकारी

सत्ता सुधार ■ मुरैना

मानसिक स्वास्थ्य महोत्सव मनाना एक बहुत ही अनूठी पहल है। इस तरह के आयोजनों से किशोरों को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया जा सकता है। यह विषय आज के समय की बेहद आवश्यकता है। यह बात 26 मार्च 2025 को संगत संस्था के तत्वावधान में राईस मानसिक स्वास्थ्य महोत्सव में जिला शिक्षा अधिकारी मुरैना श्री सक्सेना ने बतौर मुख्य अतिथि कही। इस महोत्सव की शुरुआत बाल कल्याण समिति की अध्यक्ष पूनम डंडोतिया ने फीता काट कर किया।

मुख्य कार्यक्रम प्रबंधक जिला स्वास्थ्य विभक मुरैना पी.एस. श्रीवास्तव ने अपने वक्तव्य में सभी बच्चों को कार्यक्रम में आने के लिए बधाई एवं शुभकामाएं दी। महोत्सव का मुख्य आकर्षण का केंद्र गेम जोन, जिसमें मानसिक स्वस्थ से जुडी अनेक प्रकार की खेल गतिविधियों को संचालित किया जिसमें सभी बच्चों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सेदारी की और मानसिक स्वास्थ्य पर समझ बनाते हुए उपहार प्राप्त किये। इसके साथ ही भाषण, नुक्कड़ नाटक, नृत्य, पोस्टर व रील प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में विजेता प्रथम, द्वितीय व तृतीय छात्र-छात्रों को ट्रोफी दे कर सम्मान राशि की घोषणा की गई। इस कार्यक्रम में मुरैना जिले के लगभग 21 विद्यालयों के 550 विद्यार्थी, 40 वोलेंटीयर जिसमे एनसीसी, नेहरू युवा केंद्र, सीएमसीएलडी के विद्यार्थी सहित विद्यालयों के 55 शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित रहे। आयोजन का संचालन शिवांगी एवं पुष्पराज द्वारा किया गया। स्वागत भाषण व आभार संगत संस्थान के जिला कार्यक्रम समन्वयक मनोज कुमार कुलश्रेष्ठ ने किया।

ब्रीफ न्यूज

श्री विश्वकर्मा समाज सेवा समिति की विशेष बैठक संपन्न

सीहोर। देव नगर कॉलोनी, विश्वकर्मा आश्रम श्री विश्वकर्मा समाज सेवा समिति की एक महत्वपर्ण विशेष बैठक आयोजित की गई, जिसमें विवाह सम्मेलन, चल समारोह एवं विश्वकर्मा जयंती के आय-व्यय का विवरण प्रस्तुत किया गया। बैठक में समाज के हित में कई अहम मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में प्रमुख रूप से वरिष्ठ भाजपा मंडल अध्यक्ष सुरेश विश्वकर्मा, सेवनिया ग्राम पंचायत सरपंच राजेश विश्वकर्मा, भाजपा युवा नेता मनीष विश्वकर्मा, समिति के पर्व अध्यक्ष नंदकिशोर विश्वकर्मा, मदन लाल विश्वकर्मा और रामगोपाल गाड़ोदिया उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता डॉ. अशोक विश्वकर्मा ने की। बैठक में समाज के उत्थान एवं विकास को लेकर महत्वपर्ण निर्णय लिए गए। शिव मंदिर के निर्माण को लेकर भी चर्चा की गई । समिति अध्यक्ष शैलेंद्र विश्वकर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि आगामी 29 मई को स्थापना दिवस मनाया जाएगा। इस आयोजन को लेकर योजना बनाई गई । इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ सदस्य जिनमे मदनलाल पिपलोदिया, शिवजी राम विश्वकर्मा, मातादिन विश्वकर्मा, लखन विश्वकर्मा, गिरजेश विश्वकर्मा, गौरीशंकर विश्वकर्मा, कमल किशोर विश्वकर्मा, लक्ष्मीनारायण विश्वकर्मा सहित समिति के सभी पदाधिकारी एवं सामाजिक बंधु उपस्थित रहे ।

आर्य समाज 150 वाँ स्थापना वर्ष मनाया गया

सीहोर। आर्य समाज गंज, सीहोर द्वारा आर्य का समाज का 150 वाँ स्थापना वर्ष आर्य समाज मंदिर गंज सीहोर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। नव संवत्सर चेत्र शुक्ल प्रति पदा को आर्य समाज का 150 वाँ स्थापना दिवस मनाया गया। जिसमे उपस्थित महिला पुरुषों ने मिलकर विशेष यज्ञ किया गया तथा नव संवत्सर एवं आर्य समाज स्थापना दिवस की विशेष आर्हतियाँ दी गई। यज्ञ पं.धर्मेन्द्र शास्त्री द्वारा सम्पन्न कराया गया तथा यज्ञोपरांत आर्य समाज द्वारा राष्ट्र व समाज के लिये किये गये कार्यो एवं नव संवत्सर पर समाज के मंत्री आर्य रितेश राठौर द्वारा प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में आराध्या राठौर का जन्मदिवस भी मनाया गया। कार्यक्रम में आर्य समाज के प्रधान नरेश चन्द्र राठौर, मंत्री आर्य रितेश राठौर, उप प्रधान तरूण जगवानी, कोषाध्यक्ष राजकुमार राठौर, उपमंत्री निलेश सम्मी राठौर, वरिष्ठ सदस्य बाबुसिंह आर्य, अवधनारायण राठौर, रमेश राठौर, राजेन्द्र राठौर, पहलवान रामदयाल राठौर, पहलवान रामदीन राठौर, नरेन्द्र कुमार राठौर, चुन्नीलाल राठौर, संजय राठौर, डॉ.केशव राठौर, अरूण राठौर, नितेश राठौर, मीना राठौर, हेमलता राठौर, भावना राठौर, अंशु राठौर, आराध्या राठौर, अनुश्री राठौर, अनूप कौशल, हेमराज प्रजापति, आदि महिला पुरुष व बच्चे शामिल हुए। कार्यक्रम शांतिपाठ एंव प्रसाद वितरण के पश्चात उल्लास पूर्वक सम्पन्न हुआ।

उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाएं विक्रम संवत का नववर्ष: विधायक जयसिंहनगर

शहडोल नगर के मानस भवन में विक्रमोत्सव कार्यक्रम का किया गया आयोजन

सत्ता सुधार ■ शहडोल

विक्रम संवत 2082 के आरंभ एवं सृष्टि आरंभ दिवस पर आज संभागीय मुख्यालय शहडोल के मानस भवन में विक्रमोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक जयसिंहनगर श्रीमती मनीषा सिंह ने कहा की आज का दिन हमारे लिए बहुत ही महत्वपूर्ण दिन है। उन्होंने कहा कि आज के दिन से विक्रम संवत के अनुसार वर्ष 2082 प्रारंभ हो रहा है। उन्होंने कहा कि विक्रम संवत के अनुसार भारत के नव वर्ष के रूप में भी माना जाता है। उन्होंने कहा कि हम सबको विक्रम संवत के अनुसार नव वर्ष को बड़े उत्साह से एवं हर्षोल्लास से मनाना चाहिए एवं इसका व्यापक प्रचार प्रसार भी करना चाहिए।

विधायक ने कहा की आज के दिन से चैत्र नवरात्र की भी शुरुआत होती है। चैत्र नवरात्र का त्यौहार हमारे देश में बड़े ही उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है एवं चैत्र नवरात्र के समय मंदिरों में श्रद्धालुओं की बड़ी भीड़ देखी जाती है। चैत्र नवरात्र में भक्त देवी मां की आराधना करते हैं एवं जवारे भी बोए जाते हैं। कार्यक्रम को समाजसेवी श्रीमती अमिता चपरा ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम के दौरान नाट्य एवं लोक कला समिति शहडोल द्वारा सम्राट विक्रमादित्य पर केंद्रित नाटक का भी मंचन किया गया। कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधि एवं अधिकारियों द्वारा ब्रह्मध्वज का पूजन भी किया गया।

कार्यक्रम में कलेक्टर डॉ केदार सिंह, अपर कलेक्टर श्री सरोधन सिंह, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सोहागपुर श्री अरविंद शाह, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री मुद्रिका सिंह, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्री आनंद राय सिन्हा, अन्य जनप्रतिनिधि सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे।कार्यक्रम का संचालन जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री विवेक पांडे ने किया।

खंडवा में सनसनीखेज वारदात

बोरी में बंद और नदी में तैरती मिली दो युवतियों की लाशें

सत्ता सुधार ■ खंडवा

जिले में रविवार को दो अलग-अलग स्थानों पर युवतियों की लाश मिलने से सनसनी फैल गई। पहली लाश हरसूद थाना क्षेत्र के चारखेड़ा में इंदिरा सागर बांध परियोजना के बैकवाटर में बोरी में बंद मिली, जबकि दूसरी लाश खंडवा के कोतवाली थाना क्षेत्र के रुधी गांव के पास आबना नदी में तैरती हुई बरामद हुई। दोनों मामलों ने पुलिस के होश उड़ा दिए हैं और हत्या की आशंका गहराती जा रही है।

पहली लाश: बोरी में बंद मिला शव : हरसूद थाना क्षेत्र के चारखेड़ा में इंदिरा सागर बांध के बैकवाटर में एक बोरी बहती नजर आई। स्थानीय लोगों को शक हुआ तो उन्होंने पास जाकर देखा, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। जब पुलिस ने बोरी खोली तो उसमें एक युवती की लाश थी, जिसे बड़ी बेरहमी से ठिकाने लगाया गया था। पुलिस का मानना है कि युवती की हत्या कहीं और कर शव को ठिकाने लगाने के लिए बोरी में भरकर पानी में फेंका गया।

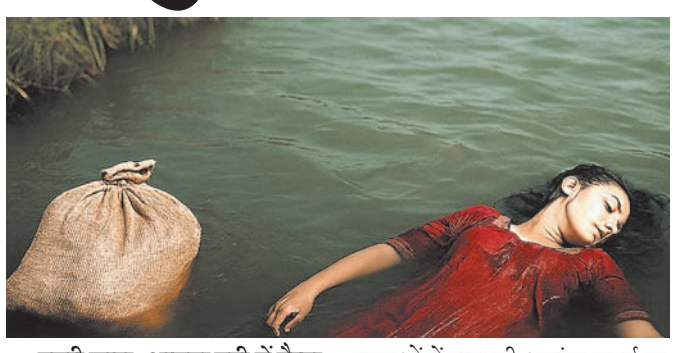

दूसरी लाश: आबना नदी में तैरता मिला शव : इसी दिन दूसरा शव कोतवाली थाना क्षेत्र के रुधी गांव के पास आबना नदी में तैरता हुआ मिला। स्थानीय ग्रामीणों ने शव देखकर पुलिस को खबर दी। यह शव भी किसी युवती का था, लेकिन उसकी पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। शव की हालत को देखते हुए पुलिस इसे भी हत्या का मामला मानकर जांच कर रही है।

हत्या या आत्महत्या? पुलिस जांच में जुटी : दोनों शव मिलने के बाद पूरे जिले में सनसनी फैल गई है। दोनों ही घटनाओं में हत्या की आशंका जताई जा रही है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि ये वारदातें आपस में जुड़ी हुई हैं या अलग-अलग घटनाएं हैं।

खंडवा में बढ़ते अपराधों पर सवाल : लगातार हो रही ऐसी घटनाओं ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। अगर यह हत्याएं हैं, तो आखिर अपराधियों को इतनी हिम्मत कैसे मिली कि वे लाशों को इस तरह खुलेआम ठिकाने लगा रहे हैं? क्या खंडवा अपराधियों के लिए सेफ ज़ोन बनता जा रहा है?

इनका कहना हैं

हमें चारखेड़ा के पास बैकवॉटर में एक बोरी तैरती हुई दिखाई देने की सूचना मिली थी, मौके पर police टीम ने पहुंच कर तफ्तीस की जिसमे बोरी के अंदर एक युवती की लाश मिली है, जिसकी उम्र लगभग 15 सें बीस वर्ष के मध्य लग रही है, डेथ बॉडी का पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है, मृत्यु का कारण आदि उसके बाद ही पता चलेगा, पुलिस सिनाखती का प्रयास भी कर रही हैं।

राजकुमार राठौर
थाना प्रभारी हरसूद

कोतवाली थाना प्रभारी अशोक सिंह के अनुसार अपना नदी से मिली लाश लगभग 30 35 वर्षीय अप की है वह भी पोस्टमार्टम कर रहे हैं जिसके बाद मृत्यु का कारण पता चलेगा वह पुलिस द्वारा मामले में गहन विवेचन की जा रही है।

अब देखना होगा कि पुलिस इन मामलों में क्या खुलासा करती है और क्या दोषियों को पकड़ने में कामयाब होती है या नहीं।

भगवान परशुराम जन्मोत्सव का होगा आयोजन-धूमधाम से होगा कार्यक्रम का आयोजन, बैठक में लिया गया निर्णय

सत्ता सुधार ■ सीहोर

हर साल की तरह इस साल भी सर्व ब्राह्मण समाज के तत्वाधान में भगवान परशुराम का जन्मोत्सव आस्था, उत्साह के साथ मनाई जाएगी। भगवान परशुराम की जन्मोत्सव को सर्व ब्राह्मण समाज के तत्वाधान में मनाए जाने को लेकर एक सामाजिक बैठक का आयोजन शहर के खजांची लाइन स्थित ब्राह्मण धर्मशाला में आयोजित की गई थी। साथ ही शोभा यात्रा के आयोजन को लेकर पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गई ताकि समाज का हर वर्ग इस में अपनी भागीदारी को सुनिश्चित कर पाए। इसके लिए चल समारोह अध्यक्ष, युवा अध्यक्ष सहित अन्य समितियों का गठन किया गया। चल समारोह का अध्यक्ष समाजसेवी मनीष शर्मा को मनोनित किया गया है। इसके अलावा युवा अध्यक्ष के रूप में समाज के सक्रिय रजत जोशी और ग्रामीण का अध्यक्ष महेश दुबे को बनाया गया है। बैठक में प्रमुख रूप से समाज के अध्यक्ष दीपक शर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष सुदीप व्यास, मनोहर शर्मा, महामंत्री रमाकांत समाधिया, कोषाध्यक्ष सुनील दुबे, रुपेश तिवारी, जितेन्द्र तिवारी आदि उपस्थित में बैठक का आयोजन किया गया।

इस संबंध में जानकारी देते हुए सर्व ब्राह्मण समाज के मीडिया प्रभारी प्रियांशु दीक्षित ने बताया कि अध्यक्ष श्री शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक के दौरान 30 अप्रैल को भगवान परशुराम के जन्मोत्सव के अवसर पर सुबह पूजन, महा आरती के पश्चात भव्य रूप से यज्ञोपवित अनुष्ठान, ब्राह्मण प्रीमियर लीग, सांस्कृतिक कार्यक्रम के अलावा आगामी 4 मई को शोभा यात्रा आदि के संबंध स्वीकृति प्रदान की गई। इस दौरान पूरे कार्यक्रम की रूप रेखा तैयार करने को लेकर चर्चा की गई। आगामी 30 अप्रैल को भगवान परशुराम की जयंती है, वहीं 4 मई रविवार को भव्य रूप से चल समारोह निकाला जाएगा। इससे पहले जयंती महोत्सव का आयोजन किया जाएगा और उसके बाद रविवार को चल समारोह निकाला जाएगा। इस दौरान बैठक में अनेक सुझाव के साथ यहां पर मौजूद पदाधिकारियों ने बताया कि आगामी दिनों में शहर के अनेक सेक्टरों में विप्रजनों की बैठक का आयोजन किया जाएगा। जिसमें चाणक्यपुरी, कस्बा, छावनी, मंडी, कस्बा, गंज, इंदौर नाका आदि शामिल हैं।

नव वर्ष प्रतिपदा पर किया अखिल भारतीय साहित्य परिषद ने विचार एवं काव्य गोष्ठी का आयोजन

सत्ता सुधार ■ सीहोर

स्थानीय रेनबो प्ले स्कूल के सभागार में अखिल भारतीय साहित्य परिषद के बैनर तले विचार एवं काव्य गोष्ठी का आयोजन नव वर्ष के शुभ अवसर पर किया गया । सर्वप्रथम मां सरस्वती एवं भारत माता की आरती पूजन से कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता विनोद पंसारी ने की । मुख्य अतिथि वरिष्ठ गीतकार रामनारायण राठौर एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में गीतकार हरिओम शर्मा दाऊ एवं हीरालाल जायसवाल अनाड़ी उपस्थित रहे । माँ सरस्वती वंदना जोरावर सिंह ने प्रस्तुत की । कार्यक्रम का संचालन आदित्य हरी गुप्ता ने किया । अतिथियों का स्वागत तिलक लगाकर, अंगवस्त्र उड़ाकर एवं सम्मान पत्र भेंट कर अखिल भारतीय साहित्य परिषद के जिला अध्यक्ष डॉ. विजेंद्र जायसवाल ने किया । साथ ही शहर के जाने-माने साहित्यकार धर्मराज देशराज जिनकी लगभग 17 पुस्तक प्रकाशित हो चुकी है, का सम्मान शाल ,श्रीफल एवं सम्मान पत्र भेंट कर अतिथियों एवं साहित्यकारों द्वारा किया गया । इस अवसर पर काव्य पाठ करने वाले कवियों में रामनारायण राठौर , हरिओम शर्मा दाऊ , विनोद पंसारी, हीरालाल जायसवाल अनाड़ी हरिश्चंद्र आर्य ,धर्मराज देशराज, हीरालाल शर्मा ,जोरावर सिंह ,राम सिंह परमार, आदित्य हरी गुप्ता, लक्ष्मण सिंह चौकसे ,गोविंद लोवानिया, जितेंद्र नरोलिया, कैलाश चव्हाण,प्रदीप चावड़ा, डॉ .विजेंद्र जायसवाल, कृष्ण कुमार सांवले आदि ने किया । अंत में कार्यक्रम का आभार अखिल भारतीय साहित्य परिषद के जिला महामंत्री लक्ष्मण सिंह चौकसे ने माना।

ब्यौहारी पुलिस की बडी सफलता युवती को शादी का झांसा देकर बलात्कार करने वाला आरोपी गिरफ्तार

शहडोल । फरियादिया द्वारा रिपोर्ट दर्ज करायी कि रवि कुशवाहा पिता रामसजीवन कुशवाहा निवासी कछियान मोहल्ला ब्यौहारी जिससे मेरी जान पहचान हो गई थी, जो मेरे साथ शादी का झांसा देकर पहली बार गलत काम (दुष्कर्म) मार्च 2019 में किया था इसके बाद से लगातार दिनांक 24. 03.2025 तक मेरे से गलत काम (दुष्कर्म) किया है, जब मेरे द्वारा शादी के लिये बोला गया तो शादी करने से मना करते हुए जान से मारने की धमकी देने लगा। जिस पर थाना ब्यौहारी में दुष्कर्म एवं एससी/एसटी की विभिन्न धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। विवेचना के दौरान आरोपी की लगातार पता तलाश कर दिनांक 28.03.2025 को आरोपी रवि कुशवाहा पिता रामसजीवन कुशवाहा उम्र 34 वर्ष निवासी कछियान मोहल्ला ब्यौहारी को गिरफ्तार किया जाकर माननीय न्यायालय पेश किया गया जिसे माननीय न्यायालय के आदेश से जेल भेजा गया ।

अंग्रजी शराब कीमत करीबन 1,00,000 का मशरूका जप्त, 2 आरोपी गिरफ्तार

सत्ता सुधार ■ शहडोल

पुलिस अधीक्षक शहडोल द्वारा अवैध गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों के विरूद्ध लगातार कार्यवाही का निर्देश अधीनस्थ स्टाफ को दिया जा रहा है उसी क्रम में ब्यौहारी पुलिस को नशे के विरूद्ध बड़ी कार्यवाही करने में सफलता प्राप्त हुई है। दरमियानी रात्रि ब्यौहारी पुलिस को मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि, राजकुमार पटेल निवासी मनटोला और उसके साथी रामशिरोमणि पटेल, रामदेव पटेल मोटर सायकल से भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब रखकर देवलोंद तरफ से ब्यौहारी की ओर आ रहे हैं, सूचना पर थाना प्रभारी द्वारा तत्काल पुलिस टीम गठित कर न्यायालय के सामने शहडोल रीवा मार्ग पर बैरिकेटिंग कर चेकिंग लगाई गई जो एक मोटर सायकिल मे तीन व्यक्ति ट्राली बैग, पिट्ठू बैग एवं बोरी लिये मिले जो पीछे बैठा व्यक्ति पुलिस को देखकर बोरी फेककर गाडी से कूदकर भाग गया शेष 02 व्यक्तियों से नाम पता पूछने पर उनहोंने अपना नाम रामशिरोमणि पटेल पिता रामलोचन पटेल निवासी बिजहा एवं रामदेव पटेल पिता रामलाल पटेल निवासी भोगिया वार्ड क्रमांक 04 ब्यौहारी बताया तथा भागे व्यक्ति का नाम राजकुमार पटेल पिता रामकेश पटेल निवासी मनटोला बताया गया। तलाशी लेने पर कब्जे से भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब मिले जिन्हें जप्त कर सभी आरोपियों के विरूद्ध आबकारी एक्ट तथा बीएनएस की धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। पुलिस द्वारा रामशिरोमणि एवं राजकुमार को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया गया। घटना में शामिल एक अन्य आरोपी फरार है। जिसकी पता-तलाश लगातार जारी है।

जप्त मशरूका : विभिन्न प्रकार के कुल 54 लीटर अंग्रेजी शराब, एक नग मोटर सायकिल एवं 01 नग मोबाइल उक्तानुसार कुल कीमत करीबन 1,00,000 रू।

उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी व्यौहारी निरी. अरूण पाण्डेय के नेतृत्व में उनि0 कपिल कांत तिवारी, प्रआर0 नरेन्द्र उपाध्याय, आर0 संजय द्विवेदी, अमृत यादव, पुष्पेन्द्र सिंह, गंगा सागर गुप्ता एवं अजीत यादव की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

विक्रम संवत नववर्ष पर परंपराओं को जीवित रखने का आह्वान

अशोकनगर। अशोकनगर के माधव भवन में रविवार को विक्रमोत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें मुंगावली विधायक और पूर्व मंत्री ब्रजेन्द्र सिंह यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने सम्राट विक्रमादित्य को पराक्रमी, न्यायप्रिय और विद्वान शासक बताते हुए कहा कि उनकी नीतियों ने भारत ही नहीं, बल्कि पड़ोसी देशों में भी प्रतिष्ठा स्थापित की।

रामायण व महाभारत कालीन समय की है मां तुलजा भवानी की मूर्ति

नवरात्रि के शुभारंभ पर राजानी परिवार द्वारा माताजी के चरणों में चांदी का शेर भेंट किया गया

सत्ता सुधार ■ खंडवा

गुड़ी पड़वा हिंदू नव वर्ष के साथ ही चैत्र नवरात्रि पर्व भी प्रारंभ हो चुका है इस दौरान दौरान मां की आराधना भक्तों द्वारा की जा रही है। माता के दरबार में प्रात- से देर रात तक श्रद्धालुओं का तांता लगेगा । समाजसेवी सुनील जैन ने बताया कि खंडवा के प्राचीन तुलजा भवानी माता मंदिर में चैत्र नवरात्रि पर्व का शुभारंभ नव वर्ष से प्रारंभ हुआ, प्रथम दिन राजधानी परिवार द्वारा मंदिर में चांदी का शेर अर्पित किया गया , श्रद्धालु प्रात- 5 बजे से भक्त पहुंचकर माताजी के दर्शन व पूजा अर्चना कर रहे हैं। प्रतिदिन तुलजा भवानी माता का नवरात्रि पर्व के दौरान प्रात- अभिषेक एवं विशेष श्रृंगार किया जाता है। सुबह की आरती के पश्चात रात्रि में भी 8 बजे प्रतिदिन महाआरती हो रही है। खंडवा की धार्मिक एवं पुरातत्व धरोहर में से एक तुलजा भवानी माता मंदिर खंडवा में स्थापित है। रामायण तथा महाभारत कालीन इस मंदिर में मां भवानी की स्वयंभू मूर्ति विराजित है। सुनील जैन ने बताया कि 14 वर्ष के वनवास के दौरान प्रभु श्रीराम ने सीता माता और लक्ष्मण सहित खांडव वन तत्कालीन नाम में व्यतीत किए थे। भगवान श्रीराम ने इस मंदिर में नौ दिनों तक मां तुलजा भवानी की आराधना की थी। मां से अस्त्र-शस्त्र और वरदान लेकर दक्षिण की ओर प्रस्थान किया था। महाभारत काल में भगवान श्रीकृष्ण ने धनुधर अर्जुन के साथ यहीं पर अग्नि देव का अर्जिण रोग का उपचार तृप्त किया था और देवी की शक्ति से इंद्र को वर्षा करने से रोका था।

शुभारंभ जब तक बारिश नहीं होगी सीवन का गहरीकरण और सौंदर्यीकरण अभियान जारी रहेगा

सीवन नदी पर जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ

सत्ता सुधार ■ सीहोर

रविवार को सीवन नदी पर जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ हो गया है। इसको लेकर नगर पालिका, प्रशासन, सीवन नदी उद्धार समिति के अलावा बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी इस अभियान में अपनी भागीदारी दे रहे है। नगर पालिका ने इसके गहरीकरण और सौंदर्यीकरण को लेकर करीब 25 करोड़ रुपए का प्रस्ताव भी सरकार को भेजा है। जिससे आने वाले समय में जीवनदायनी सीवन नदी पानी से सराबोर रहेगी। अभियान की शुरूआत प्रभारी मंत्री कृष्णा गौर, राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष नरेश मेवाड़ा, नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि सुरेन्द्र मेवाड़ा, भाजपा नेता सन्नी महाजन, कलेक्टर बाला गुरु, पुलिस अधीक्षक दीपक शुक्ला, सीवन उद्धार समिति के अध्यक्ष डॉ. गगन नामदेव सहित पार्षद, क्षेत्रवासी और अनेक जनप्रतियोगितों ने अभियान की शुरूआत की। नगर पालिका के अमले ने आधुनिक मशीन जेसीबी और ट्रैक्टर-ट्राली से सीवन में जमा मलबे के ढेर को हटाया।

शहर का विकास निरंतर चले और क्षेत्रवासियों को पेयजल की दिक्कत नहीं हो इसके लिए नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर ने कहा कि प्रदेश सरकार का जल गंगा संवर्धन अभियान शहर का भविष्य है, शहर को सुंदर रखना हमारी जिम्मेदारी है। इस अभियान से आधुनिक मशीनों के साथ ही नदी के गहरीकरण का कार्य शुरू हो गया है। जेसीबी और पोकलेन मशीन के द्वारा बड़ी संख्या में डंपर, ट्रैक्टर-ट्रॉली से सीवन नदी का मलबा हटाया जाना है, नगर पालिका परिषद ने सीवन के गहरीकरण और सौंदर्यीकरण के लिए करीब 25 करोड़ों रुपए की योजना बनाई है। सीवन नदी के गहरीकरण की शुरूआत कराई गई।

प्रभारी मंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि प्रदेश सरकार ने नगरीय निकायों के जन-प्रतिनिधियों से 30 मार्च से 30 जून तक चलने वाले जल गंगा संवर्धन अभियान में अधिक से अधिक नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित किये जाने की अपील की है। जल-स्रोतों के संरक्षण का दायित्व सरकार के साथ-साथ प्रत्येक नागरिक का भी है। उन्होंने इस अभियान में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिये महिला जन-प्रतिनिधियों से विशेष आग्रह किया है। जल संरक्षण के कार्यों में धन की कमी को आड़े नहीं आने दिया जायेगा। जल संरचनाओं में मिलने वाले गंदे पानी के नालों को स्वच्छ भारत मिशन-2.0 के अंतर्गत लिक्विड बेस्ट मैनेजमेंट परियोजना के माध्यम से डायवर्सन के बाद शोधित कर जल संरचनाओं में छोड़ा जाये। पेयजल सुविधा के लिये शहर के मुख्य स्थानों पर प्याऊ की व्यवस्था की जाये। नगरीय क्षेत्र की कॉलोनी में रैन-वॉटर हॉर्वेस्टिंग प्रणाली को स्थापित किया जाये। घरों और सार्वजनिक स्थानों पर उपयोग किये जा रहे पानी के अपव्यय को रोकने के लिये लीकेज सुधारने की व्यवस्था की जाये। नगरीय निकायों को उक्त निदेशों के साथ हरित क्षेत्र (ग्रीन बेल्ट) बनाये जाने के लिये भी कहा गया है। जल संरचनाओं के गहरीकरण के दौरान निकलने वाली मिट्टी को किसानों को दिये जाने के लिये कहा गया है। प्रत्येक नगरीय निकाय को जलदूत, जल मित्र और अमृत मित्र तैयार किये जाने के निर्देश दिये गये हैं। नगरीय निकायों द्वारा कार्यक्रम की मॉनीटरिंग के लिये माय भारत पोर्टल का उपयोग किया जायेगा।

क्षत्रिय महिला महासभा महिलाओं के लिए आत्मनिर्भरता आत्मरक्षार्थ कार्य करेगी : प्रीति राजपूत

हिंदू नव वर्ष पर झंडा वितरण शस्त्र पूजन

सत्ता सुधार ■ बीना (सागर)

क्षत्रिय महिलाएं जहां युद्ध में भी आगे रही है वही गृह कार्य से लेकर देश के सम्मान के लिए मर मिटने के लिए भी सदैव तत्पर रही है। शीघ्र ही बीना में क्षत्रिय महिला महासभा आत्मनिर्भरता, आत्मरक्षा हेतु कार्य करने जा रही है ताकि महिलाएं हर क्षेत्र में आगे आए यह बात क्षत्रिय महिला महासभा की जिला अध्यक्ष प्रीति राजपूत ने बीना में आयोजित क्षत्रिय महिला महासभा के कार्यक्रम में कहीं।

भिंड से पधारी संगीता सिंह भदोरिया ने कहा कि मातृशक्ति को अपने परिजनों को विश्वास में लेकर हर क्षेत्र में आगे आना है ताकि समाज और देश का नाम रोशन कर सके। मैं मैं खेल के क्षेत्र में बहुत अधिक स्ट्रगल किया और जिसमें मेरे परिवार ने सहयोग भी दिया आप भी अपने परिवार को सहयोग में लेकर कार्य करें।पूर्व जनपद अध्यक्ष इंदर सिंह ठाकुर ने कहा क्षत्रिय महिला महासभा द्वारा आयोजित कार्यक्रम बहुत ही अधिक प्रशंसनीय है आपका यह प्रयास आने वाले समय में पूरे जिले में दिखेगा। आकाश ठाकुर ने कहा कि क्षेत्रीय महिला महासभा ने जिले में जिस तरह से एक-एक महिला को जोड़कर माला पिरोने का कार्य जिसकी जितनी प्रशंसा की जाए कम है। इस अवसर पर अनेक क्षत्रिय महिला महासभा की वक्ताओं ने अपने

विचार व्यक्त किए जिनमें....... ताकि महिलाएं हर क्षेत्र में आगे आए यह बात क्षत्रिय महिला महासभा की जिला अध्यक्ष प्रीति राजपूत ने बीना में आयोजित क्षत्रिय महिला महासभा के कार्यक्रम में कहीं।भिंड से पधारी संगीता सिंह भदोरिया ने कहा कि मातृशक्ति को अपने परिजनों को विश्वास में लेकर हर क्षेत्र में आगे आना है ताकि समाज और देश का नाम रोशन कर सके। मैं मैं खेल के क्षेत्र में बहुत अधिक स्ट्रगल किया और जिसमें मेरे परिवार ने सहयोग भी दिया आप भी अपने परिवार का सहयोग में लेकर कार्य करें। कार्यक्रम की आयोजक एवं क्षत्रिय महिला महासभा की जिला उपाध्यक्ष रिचा राजपूत ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि महिलाएं आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में आगे आए, क्योंकि हमारा इतिहास काफी पुराना है राजपूत छात्राणियों देश के गौरव बढ़ाने के लिए काफी आगे आई । जिस तरह आज भी समाज को एक करने के लिए हमें एकता की संकल्प के साथ आगे बढ़ना होगा।पूर्व जनपद अध्यक्ष इंदर सिंह ठाकुर ने कहा क्षत्रिय महिला महासभा द्वारा आयोजित कार्यक्रम बहुत ही अधिक प्रशंसनीय है आपका यह प्रयास आने वाले समय में पूरे जिले में दिखेगा।आकाश ठाकुर ने कहा कि क्षत्रिय महिला महासभा ने जिले में जिस तरह से एक-एक महिला को जोड़कर माला पिरोने का कार्य जिसकी जितनी प्रशंसा की जाए कम है। हिंदू नव वर्ष पर झंडा वितरण शस्त्र पूजन किया गया।इस दौरान अनेक क्षत्रिय महिला महासभा की वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए जिनमें रानी बुंदेला, नंदिनी राजपूत, लक्ष्मी ठाकुर नेहा राजपूत। इसके अलावा उनकी भी भूमिका सराहनीय रही जिनमें अर्चना सिंह, अनीता राजपूत, विनीत राजपूत, साक्षी राजपूत, ज्योति चौहान, नेहा सिंह, संगीता भदोरिया,नंदिनी राजपूत,ऋतुल ठाकुर, रुचि राजपूत, प्रीति राजपूत, मीना, प्रियंका राजपूत, प्रीति गौर, हर्षित, पलक, नीलम, निशा, विनीत राजपूत, रचना, आदि उपस्थित थी।

ब्रीफ न्यूज

जितना कठिन संघर्ष होगा, जीत उतनी ही शानदार होगी -अनुराधा बिलगैंयाँ,

बीना (सागर)। शनिवार को संस्था पंडित भागीरथ बिलगैंयाँ मेमोरियल हायर सेकेंडरी स्कूल बीना का स्थानीय कक्षाओं के परीक्षा परिणाम घोषित किया गया जिसमें हिंदी माध्यम से कक्षा नवमीं में प्रथम स्थान -आरुषि दांगी पिता श्री विक्रम सिंह - 96.2% , द्वितीय स्थान - विकाश पाल पिता गनपत पल 88%,तृतीय स्थान -ऋषि विश्वकर्मा पिता ब्रजेश विश्वकर्मा -83% कक्षा ग्यारवीं विज्ञान संकाय से प्रथम स्थान- कु.चेतना पिता रामसागर अहिरवार - 90.4% द्वतीय स्थान - कु. एकता शर्मा पिता ब्रजेश शर्मा - 90% तृतीय स्थान - कु. अंजलि पिता दीपक नामदेव -87.4% ने वाणिज्य संकाय से प्रथम स्थान कु राधिका पिता सौरभ दांगी 83.2% द्वितीय स्थान स्म्रति पिता उत्तम सिंह 81.8% तृतीय स्थान शुभी पिता मनोहर विश्वकर्मा 76.8% ने तथा कला संकाय से प्रथम स्थान अमित पिता मूलचंद कुशवाहा 74.4% द्वितीय स्थान बुशरा बी पिता मोहम्मद यूनुस 72.6 ,तृतीय स्थान भूमि पिता राधेकृष्ण सोनकर 71.4% ने प्राप्त किया इस अवसर पर संस्था संचालक श्री मति अनुराधा अनिरुद्ध राज बिलगैंयाँ, स्कूल प्राचार्य लक्ष्मीकांत बिलगैंयाँ, कॉलेज प्राचार्य डाल चंद पटेल, समिति के मेनेजिंग डारेक्टर विपिन जेवियर, समिति उपाध्यक्ष श्री ऋतुपर्ण पटैरिया , रवि नामदेव, दुर्गेश नामदेव, दीपेश लिटोरिया ,कु.शचि जैन,कु दीपाली बिलगैंयाँ,कु, सना खान, श्री उत्तम अहिरवार आदि शिक्षक शिक्षिकायें ,अभिभावकगण, और छात्र/छात्रा उपस्थित रहे और समस्त सफल छात्र/छात्राओं को बधाई और शुभकामनाएं दी।

अथक पथ संग्रहालय ने रंगोली बनाकर दी नव वर्ष की शुभकामनाएं

बीना (सागर)। अथक पथ संग्रहालय के तत्वावधान में मातृभूमि सेवा संस्था के राष्ट्रीय मार्गदर्शन राम शर्मा, रितिका तिवारी, प्रवीण शर्मा, रोहित तिवारी, सुरभि मनीष भूमिका मोघे ने नव संवत्सर के शुभ अवसर पर शुभकामना संदेश देती रंगोली बनाई राम शर्मा ने इस अवसर पर बताया कि नववर्ष मनाने के अनेकों कारण है।इस दिन ब्रह्मा ने सृष्टि की रचना की थी।नवरात्रि का प्रथम दिवस वरुण अवतार झूलेलाल का जन्म दिवस युधिष्ठिर का राज्याभिषेक संघ के संस्थापक डॉक्टर हेडगेवार का जन्मदिन आर्य समाज की स्थापना विक्रम संवत् आरंभ हुआ था। शुभारंभ गुरु अंगद का जन्मदिन भी इसी दिन माना जाता है प्रकृति में नवीनता आ जाती है।नया अनाज घरों में आ जाता है पेड़ों में नई पत्तियां आ जाती है कितना महत्वपूर्ण है। हमारा नव संवत्सर इस अवसर पर संजीव जैन जिला संचालक, मुरारीगोस्वामी नगर संघ चालक,बिट्टू राय, डॉक्टर रामनाथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक एवं बजरंग दल की कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

झूलेलाल जयंती पर निकली शोभायात्रा सिंधी समाज की दुकाने बंद रही

झूलेलाल जयंती के मौके पर निकली प्रभात फेरी

सत्ता सुधार ■ सागर

वरुण अवतार झूलेलाल जयंती के अवसर पर सुबह 5 बजे जय माता दी झूलेलाल शरण मंडली के संस्थापक लालाराम मेठवानी द्वारा निकली प्रभात फेरी जो पुरे सिंधी कॉलोनी का भ्रमण कर सुबह 7 बजे झूलेलाल मंदिर पहुंची प्रभात फेरी में सिंधी समाज के घरों की महिलाओं ने पुष्प वर्षा कर प्रभात फेरी का स्वागत किया। महिला मंडल अध्यक्ष दिया राजपूत सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग शामिल थे। इसके बाद सुबह 9 बजे से श्री झूलेलाल मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष सुशील लहरवानी व सदस्यों द्वारा बहराणा साहिब की सवारी सिंधी कॉलोनी में निकाली गयी।जो पुरे सिंधी कॉलोनी से होकर वापस झूलेलाल मंदिर पहुंचे।इसके बाद अखंड पाठ का समापन्न हुआ जिसमे सेकड़ो की संख्या में समाज जन मौजूद रहे।सिंधु संस्कार समिति के राजेश मनवानी ने बताया की सुबह 12 बजे अखण्ड पाठ साहब का समापन लख्मीचंद मनवानी ट्रस्ट के अध्यक्ष सुशील लहरवानी, सचिव अशोक बुधवानी, परमानद पंजवानी व समस्त ट्रस्ट के पदाधिकारी व सिंधी समाज ने

अखंड पाठ साहब की आरती कर अरदास की समस्त सिंधी समाज पर भगवान् झूलेलाल जी की कृपा बनी रहे और कहा की वरुण अवतार भगवान् झूलेलाल केवल सिंधी समाज के देवता नहीं बल्कि हिन्दुओ के भी देवता है।दोप 1 बजे से विशाल लंगर हुआ जिसमे सभी धर्मो ने लंगर का स्वाद चखा।शाम 4 ; 30 बजे श्री झूलेलाल मंदिर से अखण्ड ज्योति (बहराणा साहिब) की विशाल शोभायात्रा निकाली गयी जिसमे रथ पर बहराणा साहिब की सवारी के साथ सिंधी समाज के लोग प्रसाद वितरण करते चल रहे थे।शोभायात्रा जैसे ही राधा तिराहे पहुंची आयोलाल झूलेलाल के जयघोष के साथ समाज के आलावा सिख समाज के लोगो ने प्रसाद का वितरण किया और एकता समिति के अब्दुल रसीद भाई चम्पक अपने समिति के सदस्यों के साथ शोभायात्रा का सवागत किया।वहां से गुजराती बाजार, शास्त्री मार्किट एसोसिएशन एवं शिवसेना ने भी प्रसाद का वितरण किया ।वहां से गुजराती बाजार में मनवानी फिल्म्स ने शोभायात्रा का स्वागत किया इस मौके पर मनवानी फिल्म्स के डायरेक्टर राजेश मनवानी, वरिष्ठ पत्रकार कैलाश देवलिया, डॉ. सुरेशचंद रावत, उमेश समैया, एड.महेश नेमा, अनिल गंगवानी उपस्थित थे।इसके बाद शोभायात्रा नगर निगम मार्किट और नया बाजार में बहराणा साहिब को जाया गया इसके बाद कटरा मस्जिद, तीनबत्ती से होकर चकराघाट शाम 7 ~ 30 बजे पहुंची जहां से सिंधी समाज के वरिष्ठजन नाव में बैठकर तालाब के बीचोबीच जाकर अखण्ड ज्योति को विसर्जित किया।रात्रि 9 बजे जय माता दी झूलेलाल शरण मंडली के लालचंद मेठवानी की और से झूलेलाल मंदिर में केक काटा गया और प्रसाद का आयोजन हुआ इस मौके पर लालाराम मेठवानी, वीनू आहूजा, प्रेमचंद प्रथ्यानी, महिलाओ में अध्यक्ष दिया राजपूत, दिपांशु नागदेव, मोनिका मेठवानी विशेष रूप से उपस्थित थे सिंधु संस्कार समिति के सदस्यों सुरेश मोहनानी, अनिल जसवानी, निर्मल भोले, विशाल पंजवानी, शंकर मोटवानी, सुनील मनवानी ने सभी सिंधी कॉलोनी वासियों से निवेदन किया की सभी अपने अपने घरों के बाहर दिए जलाकर नव वर्ष का स्वागत करें।

झूलेलाल जयंती पर सिंधी धर्मशाला में हुए अनेक कार्यक्रम आयोजित, निकाली भव्य शोभा यात्रा

सत्ता सुधार ■ बीना (सागर)

बीना सिंधी पंचायत द्वारा आज भी बीना झूले जलाल जयंती के अवसर रविवार को भव्य विशाल शोभायात्रा निकल गई इससे पूर्व शनिवार को सिंधी महिला समाज द्वारा शोभा यात्रा निकाली गई थी सिंधी पंचायत द्वारा आज झूलेलाल गांधी वार्ड स्थित मंदिर से यह यात्रा प्रारंभ हुई जो अंडर ब्रिज से होती हुई नगर निर्माण करते हुए पाठक वार्ड स्थित झूलेलाल मंदिर पर यात्रा पहुंची जहां पर उपस्थित लोगों ने यात्रा का भव्य स्वागत किया तत्पश्चात यह यात्रा सिंधी धर्मशाला में संपन्न हुई जिसमें समाज के लोग शामिल हुए एवं लंगर का भी आयोजन किया गया।सिंधी पंचायत की महाराज श्री ने बताया कि सिंधी में चैत्र महीने को चेत कहा जाता है।ऐसे में जब चेती (चैत्र) माह की अमावस्या के बाद जब पहली बार चांद दिखाई देता है तो इस दिन को चेटी चंद के रूप में मनाया जाता है। यह पर्व सिंधी समुदाय में विशेष महत्व रखता है क्योंकि मान्यताओं के अनुसार इसी तिथि पर भगवान झूलेलाल का जन्म

हुआ था।पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, मिरखशाह नामक एक क्रूर मुगल राजा था, जो लोगों को डरा-धमका कर इस्लाम स्वीकार करने के लिए मजबूर करता था। इस क्रूर राजा से बचने के लिए सिंधियों ने नदी देवता से प्रार्थना की और उनकी उपासना करने लगे।चालीस दिनों बाद नदी से एक देवता प्रकट हुए और उन्होंने लोगों को वचन दिया कि वह इस अत्याचारी शासक से उनकी रक्षा करेंगे। अपने वचन के अनुसार, जल के देवता ने सिंधी लोगों को दमनकारी शासक से बचाया। भगवान झूलेलाल वरुण देव के अवतार माने जाते हैं।

नवरात्र के प्रथम दिन माता के दरबार पहुंचे श्रद्धालु

नरयावली (सागर)। नवरात्र में श्रद्धालु जालंधर स्थित मां ज्वाला देवी के दर्शन को हर साल श्रद्धालु पैदल जाते हैं।इस साल भी युवाओं एवं महिलाएं पैदल चल कर दर्शन के लिए जालंधर स्थित मां ज्वाला देवी दरबार पहुंचे। प्राचीन समय में ऐसी मान्यता है की जो भी वक्त सच्चे मन से मां ज्वाला देवी के दर्शन करके मांगते हैं।माता रानी उनकी मनोकामना पूरी करती हैं तो वही श्रद्धालुओं ने मंदिर पहुंचकर पूजा अर्चना की और अपने घरों पर कलश स्थापना की भक्त नरयावली एवं आसपास के मंदिरों में भी पहुंचे और श्रद्धा भाव से मा जगदंबा की पूजा अर्चना कर उनका आशीर्वाद लिया।

आधी रात तक वर्षा कान्हा और राधा के भक्ति गीतों का रस

लक्ष्मीपुरा चंपाबाग में राधे-राधे संकीर्तन मंडल की प्रस्तुति

सागर। लक्ष्मीपुरा चंपाबाग में श्री देव गोपाल लाल जी मंदिर के राधे-राधे संकीर्तन मंडल की प्रस्तुति ने आधी रात तक कान्हा और राधा के भक्ति गीतों की बारिश की। कार्यक्रम में समाजसेवी डॉक्टर सुरेशचंद्र रावत; मिशन संतोष क्रांति के संस्थापक डॉ केके बक्शी; भारतीय स्वर्णकार समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष सोनी मारुति; अधिवक्ता संघ के पूर्व जिला अध्यक्ष अंकलेश्वर दुबे; गोल्डन जिम के संचालक गुरप्रीत सिंह; कांग्रेस नेता मुकुल पुरोहित का शाल श्रीफल से सम्मान किया गया।समाजसेवी सुरेश मोहनानी एवं सुनील मनवाणी द्वारा राधे-राधे मंडल के सदस्यों का स्वागत किया गया।

गोपाल कृष्ण बंधुवर द्वारा जब राधिका गोरी से.... करके इशारे बुलाई गई रे... वृंदावन की छोरी... जैसे गीतों की प्रस्तुति दी भक्ति रस में डूबकर रसिक प्रेमियों ने जमकर नृत्य किया। शाम 7~00 से शुरू हुआ कार्यक्रम आधी रात तक चला। डॉ सुरेश चंद्र रावत ने सुख के सब साथी दुख में ना कोई ....गीत गाकर तालियां बटोरी। इसी क्रम में ऋषि विश्वकर्मा ने कान्हा के बहुत ही सुंदर गीत की प्रस्तुति दी।कार्यक्रम के आयोजक पत्रकार एवं सांसद पीआरओ विपिन दुबे ने बताया रंग और उमंग के महापर्व होली के उपलक्ष में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था। गौरतलब है राधे राधे संकीर्तन मंडल के चरण सेवक गोपाल कृष्ण बंधु द्वारा बुंदेलखंड ही नहीं देश के कोने-कोने में भगवान श्री कृष्णा और राधा रानी के भक्ति गीतों के माध्यम से धर्म ध्वजा लहराइ जा रही है।

कार्यक्रम में ब्राह्मण समाज से दिनकर तिवारी; विद्याभूषण तिवारी ; उद्योगपति मनीष देवरिया; मधुर पुरोहित; भाजपा नेता; रामकुमार साहू; नरेंद्र साहू; दिलीप बाबू रैकवार; लोकगीत गायक जयंत विश्वकर्मा; अनिल पाठक; पुरुषोत्तम पांडे; संजय जैन के अलावा कई रसिक प्रेमी शामिल हुए।

अभियान बिना टिकट यात्रा पर रेलवे की बड़ी कार्रवाई, 88 यात्रियों से वसूले 38 हजार से अधिक

भोपाल-बीना सेक्शन में मंडल वाणिज्य प्रबंधक के नेतृत्व में चला विशेष चैकिंग अभियान

सत्ता सुधार ■ बीना (सागर)

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया के मार्गदर्शन में भोपाल से बीना के बीच विशेष चैकिंग अभियान चलाया गया।यह अभियान यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा और यात्रा के दौरान स्वच्छता एवं टिकटिंग प्रणाली को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया।

इस विशेष चैकिंग अभियान का नेतृत्व मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री पंकज कुमार दुबे द्वारा किया गया। अभियान के तहत प्लेटफॉर्म और गाड़ियों में सघन टिकट जांच की गई, साथ ही बीना स्टेशन पर कैटरिंग स्टॉल्स की गुणवत्ता और स्वच्छता की भी गहनता से जांच की गई।इस कार्रवाई में कुल 88 यात्रियों से 38,440 रुपये का जुर्माना वसूला गया। इनमें 39 यात्री बिना टिकट

यात्रा कर रहे थे, जबकि 42 यात्री अनियमित पाए गए। इसके अतिरिक्त 7 यात्रियों को गंदगी फैलाने के आरोप में 1,300 रुपये का चालान भी किया गया।जांच के दौरान खाद्य सामग्री की गुणवत्ता, जनता खाने की उपलब्धता और अन्य यात्री सुविधाओं की भी समीक्षा की गई। इसके अलावा यात्रियों को एटीवीएम (ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन) से क्यूआर कोड स्कैन कर डिजिटल माध्यम से टिकट लेने के लिए जागरूक किया गया, जिससे टिकटिंग प्रक्रिया और सरल और पारदर्शी हो सके।इस विशेष अभियान में मुख्य टिकट निरीक्षक मुख्यालय अरुण कुमार श्रीवास्तव, मुख्य टिकट निरीक्षक बीना आर. के. गोस्वामी, स्टेशन प्रबंधक (वाणिज्य) आशीष अवस्थी, मंडल वाणिज्य निरीक्षक मधुकर निगम, मुख्य पार्सल पर्यवेक्षक सुशील पांडेय सहित टिकट चैकिंग स्टाफ, आरपीएफ एवं सीएचआई की टीम शामिल रही।वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया कि ÷रेलवे यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा और यात्रा अनुभव को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। बिना टिकट यात्रा करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई करके न केवल राजस्व की हानि को रोका जा रहा है, बल्कि ईमानदार यात्रियों को भी एक सुरक्षित और व्यवस्थित माहौल प्रदान किया जा रहा है।

देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम

समाजसेवी संदीप जैन बबलू सिनेमा के निवास पर पहुंची जिलाध्यक्ष

देवरी (सागर)। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को देवरी नगर के समाजसेवी संदीप जैन बबलू सिनेमा के निवास तिलक वार्ड के बूथ क्रमांक 184 वे पर भाजपा ग्रामीण जिला अध्यक्ष श्रीमति रानी कुशवाहा,मंडल अध्यक्ष भारतेन्दु मोंटू सिंह राजपूत,जिला उपाध्यक्ष अनिल ढ़िमोले, जिला मंत्री प्रीतम सिंह नगर पालिका उपाध्यक्ष नहीम खान पूर्व जनपद अध्यक्ष अनीता राकेश मिश्रा के साथ समाजसेवी संदीप जैन बबलू सिनेमा के निवास पर सभी पार्षद , पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधियों के साथ सुना एवं उनका ओजस्वी मार्गदर्शन प्राप्त किया। राष्ट्र को एकता के सूत्र में पिरोने वाला यह कार्यक्रम सामाजिक चेतना का ऐसा सशक्त माध्यम बन चुका है, जिसे माननीय प्रधानमंत्री ने घर-घर और जन-जन तक पहुंचाया है। यह कार्यक्रम सदैव हम सभी को राष्ट्रहित में अपने कर्तव्यों के निर्वहन की प्रेरणा, समाज के प्रति उत्तरदायित्व का बोध, एवं राष्ट्र निर्माण में सक्रिय सहभागी बनने का मार्ग प्रशस्त करता है। इस अवसर पर पार्षद उमेश पलिया एवं पार्टी के पदाधिकारी साथी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ब्रीफ न्यूज

कुलदीप यादव ने खुद किया कबूल, कहा- सुनील नरेन ने लेंथ गेंदबाजी करने का महत्व सिखाया

नई दिल्ली। कुलदीप यादव ने आईपीएल 2025 के दौरान वेस्टइंडीज के दिग्गज स्पिन ऑलराउंडर सुनील नरेन की शान में कसीदा पढ़ा है। कुलदीप ने नरेन से एक हुनर से एक हुनर सीखा है। 30 वर्षीय कुलदीप ने कबूल किया कि नरेन ने लेंथ गेंदबाजी करने का महत्व सिखाया, जिससे उन्हें और अधिक प्रभावी स्पिनर बनने में मदद मिली। धाकड़ स्पिनर कुलदीप यादव ने आईपीएल 2025 के दौरान वेस्टइंडीज के दिग्गज स्पिन ऑलराउंडर सुनील नरेन की शान में कसीदा पढ़ा है। कुलदीप ने नरेन से एक हुनर से एक हुनर सीखा है। 30 वर्षीय कुलदीप ने कबूल किया कि नरेन ने लेंथ गेंदबाजी करने का महत्व सिखाया, जिससे उन्हें और अधिक प्रभावी स्पिनर बनने में मदद मिली। कुलदीप दिल्ली कैपिटल्स का हिस्सा हैं। वहीं 36 वर्षीय नरेन कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए खेलते हैं। हालांकि, दोनों केकेआर के लिए लंबे समय तक साथ में खेल चुके हैं। कुलदीप हाल ही में चैंपियंस ट्रॉफी 2025 जीतने वाली भारतीय टीम में थे।

दक्षिण भारत के ये दो शहर करेंगे जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप की मेजबानी, नवंबर-दिसंबर में होगा आयोजन

नई दिल्ली। एफआईएच जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप की मेजबानी तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई और मदुरै करेंगे। हॉकी इंडिया ने बीते दिन बताया कि इस टूर्नामेंट का आयोजन 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक होगा। पहली बार खिताब के लिए इस टूर्नामेंट में 24 टीमें हिस्सा लेंगी। यह तीसरी बार होगा जब भारत जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप की मेजबानी करेगा। इससे पहले, 2016 में लखनऊ और 2021 में भुवनेश्वर ने इस टूर्नामेंट की मेजबानी की थी। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा, हॉकी इंडिया के लिए आगामी एफआईएच जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप की मेजबानी करना गर्व की बात है। इस बार टूर्नामेंट में 24 टीमें भाग ले रही हैं लिहाजा इसका आयोजन दो शहरों चेन्नई और मदुरै में किया जा रहा है। चेन्नई में 2023 में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी खेली गई थी, जबकि मदुरै में पहली बार इस स्तर का अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट हो रहा है।

शूटिंगः शशांक और पूजा ने 50 मीटर प्रोन पोजिशन में यूपी को दिलाया गोल्ड

वाराणसी। मध्य प्रदेश के इंदौर में खेली गई अखिल भारतीय पुलिस शूटिंग चैंपियनशिप में काशी के दो शूटरों ने स्वर्णिम निशाना लगाया है। पुरुष वर्ग में शशांक त्रिपाठी और महिला वर्ग में और पूजा वर्मा ने स्वर्ण पदक जीता है। 18वीं अखिल भारतीय पुलिस निशानेबाजी प्रतियोगिता 24 से 29 मार्च तक हुई। उत्तर प्रदेश पुलिस टीम के खिलाड़ियों ने 14 पदक जीते। शशांक ने 50 मीटर राइफल प्रोन पोजिशन में 600 में से 593 अंक प्राप्त कर यूपी को स्वर्ण दिलाया। काशी की पूजा वर्मा ने 50 मीटर राइफल प्रोन पोजीशन टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक हासिल किया।

8 अलग-अलग वेन्यू पर मुकाबले, 3 वनडे और 5 टी-20 खेलेगी

भारत अक्टूबर-नवंबर में करेगा ऑस्ट्रेलिया का दौरा

भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच सीरीज अक्टूबर से होगी शुरू

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारतीय मेंस क्रिकेट टीम इस साल अक्टूबर-नवंबर में ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी। इस दौरान भारत मेजबान टीम के खिलाफ 3 मैचों की वनडे सीरीज और 5 मैचों की टी-20 सीरीज खेलेगा। अनोखी बात ये है कि भारत के ये 8 मैच ऑस्ट्रेलिया के 8 अलग-अलग मैदानों पर खेले जाएंगे। दरअसल, रविवार को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने 2025-26 सीजन में खेले जाने वाले ऑस्ट्रेलिया के सभी इंटरनेशनल मैचों का शेड्यूल जारी किया। इसके तहत पहली बार ऑस्ट्रेलिया की टीम वहां के सभी 6 राज्यों और 2 यूनियन टेरेटरी में इंटरनेशनल मैच खेलेगी। भारत के अलावा साउथ अफ्रीका और इंग्लैंड भी इस साल के आखिर में ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेंगे।

वनडे में 152 बार भिड़े भारत-ऑस्ट्रेलिया

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच अब तक 152 वनडे मैच खेले गए हैं। इनमें से भारत ने 58 मैच जीते, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने 84 बार जीत दर्ज की। वहीं 10 मुकाबले बिना नतीजे के समाप्त हुए। वहीं दोनों में 32 टी-20 मैच खेले गए हैं, जिसमें से 11 ऑस्ट्रेलिया ने और 21 भारत ने जीते हैं।

अगस्त में साउथ अफ्रीका से भिड़ेगा ऑस्ट्रेलिया

ऑस्ट्रेलिया टीम साउथ अफ्रीका के खिलाफ 3 वनडे और 3 टी-20 खेलेगी। सभी मैच 10 से 24 अगस्त के बीच खेले जाएंगे। मैच डार्विन, कैर्न्स और मैकाय के 3 अलग-अलग मैदानों पर खेले जाएंगे।

नवंबर में शुरू होगी ऐशेज

इंग्लैंड टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इस साल 21 नवंबर से 8 जनवरी के बीच पांच टेस्ट मैच की ऐशेज सीरीज खेलगी। यह सभी मैच 5 अलग-अलग मैदानों पर खेले जाएंगे।

घर में जीत की राह पर लौटना मुंबई इंडियंस का लक्ष्य, रोहित पर रहेगी नजर

इस सीजन एमआई का पहला घरेलू मैच है, जहां वे लगातार दो हार के बाद वापसी का प्रयास करेंगे

एजेंसी ■ मुंबई

सोमवार को आईपीएल 2025 के एक मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का सामना मेजबान मुंबई इंडियंस (एमआई) से होगा। यह इस सीजन एमआई का पहला घरेलू मैच है, जहां वे लगातार दो हार के बाद वापसी का प्रयास करेंगे। केकेआर के खिलाफ हुए 34 मैचों में एमआई ने 23 में जीत हासिल की है, जबकि वानखेड़े में दोनों टीमों के बीच हुए 11 मुकाबलों में एमआई 9-2 से आगे हैं। हालांकि दोनों टीमों के बीच हुए पिछले छह मैचों में केकेआर ने पांच में जीत हासिल की है। आइए डालते हैं इस मैच से जुड़े कुछ प्रमुख आंकड़ों और रिकॉर्ड पर नजर।

रोहित शर्मा का खराब फॉर्म रह सकता है जारी

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के लिए आईपीएल की शुरुआत कुछ खास नहीं रही है और उन्होंने शुरुआती दो मैचों में क्रमशः शून्य और आठ का स्कोर बनाया है। पूर्व भारतीय बल्लेबाज संजय मांजरेकर का मानना है कि रोहित, तीन-चार साल पहले वाले बल्लेबाज नहीं रह गए हैं और उन्हें अब लय और फॉर्म में आने के लिए अतिरिक्त जोर लगाना होगा। खैर, केकेआर के खिलाफ इस मैच में रोहित का संघर्ष जारी रह सकता है क्योंकि सुनील नारायण उन्हें 26 टी20 पारियों में सर्वाधिक 10 बार आउट कर चुके हैं और इस दौरान रोहित का स्ट्राइक रेट नारायण के खिलाफ सिर्फ 107 का रहा है। आईपीएल में नारायण, रोहित को 21 में से सर्वाधिक आठ पारियों में आउट कर चुके हैं। रोहित को जल्दी आउट करने के लिए केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे पावरप्ले में ही नारायण को गेंद थमा सकते हैं। जब तक जसप्रीत बुमराह चोट से वापस नहीं आ जाते हैं, एमआई की तेज गेंदबाजी जोड़ी ट्रेंट बोल्ट और दीपक चाहर पर अतिरिक्त जिम्मेदारी है। यह जोड़ी केकेआर के खिलाफ मैच में कमाल भी कर सकती है, कारण- केकेआर के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के खिलाफ उनका रिकॉर्ड है। बोल्ट, बेहतरीन फॉर्म में चल रहे क्विंटन डी कॉक को नौ में से छह पारियों में आउट कर चुके हैं, जबकि डी कॉक उन पर सिर्फ 114 के स्ट्राइक रेट से रन बनाते हैं। चाहर भी डी कॉक को 17 में से चार पारियों में आउट कर चुके हैं, जबकि डी कॉक उन पर सिर्फ 118 के स्ट्राइक रेट से रन बनाते हैं। बोल्ट ने केकेआर के दूसरे सलामी बल्लेबाज नारायण को चार पारियों में चार बार आउट किया है, जबकि वह, चाहर का भी दो बार शिकार हुए हैं। केकेआर के कप्तान रहाणे भी इस जोड़ी के खिलाफ संघर्ष करते नजर आते हैं। बोल्ट ने उन्हें तीन जबकि चाहर ने चार बार आउट किया है, जबकि रहाणे उनके खिलाफ क्रमशः 97 और 91 के स्ट्राइक रेट से ही रन बना पाते हैं।

क्या वानखेड़े में हो पाएगी एमआई की वापसी?

एमआई को आईपीएल 2025 के शुरुआती दो मैचों में करारी हार का सामना करना पड़ा है और वे वापसी की कोशिश में होंगे। हालांकि ये दोनों हार एमआई को अवे मैचों में मिली हैं और वे वानखेड़े के घरेलू मैदान पर वापसी करना चाहेंगे, जहां 61त्न की जीत प्रतिशत के साथ उनका रिकॉर्ड बहुत अच्छा रहा है। हालांकि 2021 से यह जीत प्रतिशत घटकर सिर्फ 57 प्रतिशत रह गया है, जिसकी उन्हें चिंता भी होगी।

एमआई के खिलाफ वेंकटेश करते हैं कमाल

एमआई के खिलाफ केकेआर के मध्य क्रम के बल्लेबाज वेंकटेश अय्यर का रिकॉर्ड बहुत शानदार रहा है और उन्होंने इस टीम के खिलाफ तीन अर्धशतक और एक शतक के साथ छह पारियों में 72 की औसत और 165 के स्ट्राइक रेट से 362 रन बनाए हैं। इसके अलावा वह दो पारियों में 40 में भी आउट हुए हैं। वेंकटेश का एमआई के खिलाफ स्कोर कुछ ऐसा रहा है- 53(30), 50(41), 43 (24), 104(51), 70(52), 42(21)।

एक परिवार की 3 पीढ़ियां बॉक्सिंग चैंपियन, बोलीं- मां-बाप के हिसाब से चलें

दादा और पिता के बाद बेटी 5वीं बार नेशनल चैंपियन बनीं

एजेंसी ■ नई दिल्ली

हरियाणा के जिला भिवानी में एक ही परिवार की तीन पीढ़ियों ने बॉक्सिंग को इंटरनेशनल चैंपियन दिए हैं। भिवानी में बॉक्सिंग की शुरुआत करने वाले व बॉक्सिंग के लिए भिवानी को प्रसिद्ध करने वाले कैप्टन हवा सिंह की पोती 5वीं बार नेशनल चैंपियन बनी हैं। नुपुर ने 21 से 27 मार्च तक नोएडा में हुई चैंपियनशिप में 81 प्लस कैटेगरी में मुकाबला खेला था। बता दें कि कैप्टन हवा सिंह ने 1966 व 1970 में दो बार एशियन खेलों में गोल्ड मेडल जीते थे। साल 1961 से 1972 तक उन्होंने लगातार 11 बार हैवीवेट वर्ग में राष्ट्रीय चैंपियनशिप जीती। उन्होंने बॉक्सिंग छोड़ने के बाद कई बॉक्सर तैयार किए। वहीं कैप्टन हवासिंह को अर्जुन अवॉर्ड व द्रोणाचार्य अवॉर्ड भी मिले हैं। कैप्टन हवासिंह के बेटे संजय श्योराण भी इंटरनेशनल चैंपियन रह चुके हैं। उन्होंने एशियन खेलों में मेडल जीता था। सरकार ने उन्हें भीम अवॉर्ड से सम्मानित भी किया है। फिलहाल वे गुरु द्रोणाचार्य कैप्टन हवा सिंह बॉक्सिंग अकादमी में कोचिंग दे रहे हैं। वहीं संजय श्योराण की पत्नी मुकेश रानी भी बास्केटबॉल की खिलाड़ी रही हैं और एशियाई चैंपियनशिप में पदक विजेता हैं।

पिता बोले- बेटी लाडली, कोचिंग की सख्ती पर दिल जलता है: इस बारे में नुपुर के पिता ने कहा- आगे वर्ल्ड चैंपियनशिप है, उस पर ध्यान दे रहे हैं। परिवार के लोगों के खेल से जुड़े होने पर संजय श्योराण ने कहा- यह तो है कि जैनेटिक असर होता है। दादा कैप्टन हवा सिंह 2 बार एशियन गोल्ड मेडलिस्ट थे। मुझ पर भी काफी दबाव था।

इंदौर में क्रिकेट का रोमांच, महिला वर्ल्डकप के होंगे मैच आईपीएल की तर्ज पर मप्र प्रीमियर लीग के भी मुकाबले

आईसीसी विमेंस वर्ल्ड कप 29 सितंबर से हो रहा शुरू

इंदौर। इंडियन प्रीमियर लीग टूर्नामेंट के मैच भले इंदौर को न मिले हों लेकिन क्रिकेट प्रेमियों की निराशा विमेंस वर्ल्ड कप मैच के मिलने से दूर हो जाएगी। दरअसल, 29 सितंबर से आईसीसी विमेंस वर्ल्ड कप शुरू हो रहा है। इस बार मेजबानी भारत कर रहा है। इस नाते इंदौर में भी मैच खेले जाएंगे। इंदौर के अलावा रायपुर, विशाखापट्टनम, मोहाली और तिरुवनंतपुरम में भी मैच होंगे। हालांकि, ये अभी तय नहीं है कि इंदौर में कितने मैच होंगे और कौन-कौन से देशों की टीमें यहां भिड़ेंगी। इसका शेड्यूल अभी तय होना बाकी है। मध्यप्रदेश को 2018 के बाद लगातार 7वें साल आईपीएल का एक भी मैच नहीं मिला है। इससे यहां के फैंस मायूस नजर आ रहे हैं। 14 जनवरी 2024 को इंदौर में आखिरी इंटरनेशनल टी-20 मैच खेला गया था। यह मैच होलकर स्टेडियम में भारत और अफगानिस्तान के बीच था। इसके बाद यह माना जा रहा था कि 2025 के शेड्यूल में इंदौर को एक मैच जरूर मिल सकता है। इंदौर के होलकर स्टेडियम में अब तक 9 इंटरनेशनल मैच और इतने ही आईपीएल मैच हो चुके हैं।

5 शहरों में होंगे 8 देशों के मैच

विमेंस वनडे वर्ल्ड कप में 8 टीमें हिस्सा लेंगी। मेजबान भारत समेत ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, साउथ अफ्रीका, न्यूजीलैंड और श्रीलंका ने क्वालिफाई कर लिया है। वहीं, 2 जगह के लिए 9 अप्रैल से पाकिस्तान में क्वालिफायर मुकाबले खेले जाने हैं। इसमें पाकिस्तान, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश, आयरलैंड, थाईलैंड और स्कॉटलैंड की टीमों के नाम हैं। क्वालिफायर टीम के नाम फाइनल होने के बाद ही सभी मैचों के शेड्यूल तय होंगे। मोहाली, तिरुवनंतपुरम और रायपुर में अब तक विमेंस इंटरनेशनल मैच नहीं हुए हैं। इंदौर के नेहरू स्टेडियम में 2 विमेंस मैच हुए हैं, जिनमें से एक 1997 के वर्ल्ड कप में हुआ था। विशाखापट्टनम का एसीए- वीडीसीए स्टेडियम विमेंस इंटरनेशनल मैच की होस्टिंग कर चुका है। यहां 5 वनडे और 6 टी-20 खेले जा चुके हैं।

जिम्बाब्वे में ट्राई सीरीज खेलेंगे साउथ अफ्रीका और न्यूजीलैंड

दोनों टीमें 2-2 टेस्ट भी खेलेंगी; 28 जून से 11 अगस्त तक होंगे 11 मुकाबले

एजेंसी ■ नई दिल्ली

साउथ अफ्रीका और न्यूजीलैंड इस साल जिम्बाब्वे में टी-20 फॉर्मेट की ट्राई सीरीज खेलेंगे। दोनों टीमें जिम्बाब्वे के खिलाफ 2-2 टेस्ट भी खेलने वाली हैं। जिम्बाब्वे क्रिकेट बोर्ड ने अपने होम सीजन का शेड्यूल रिलीज किया। तीनों टीमें 28 जून से 11 अगस्त तक 4 टेस्ट और 7 टी-20 खेलेंगी।

11 साल बाद जिम्बाब्वे में टेस्ट खेलेगा साउथ अफ्रीका: साउथ अफ्रीका टीम जिम्बाब्वे में 2014 के बाद पहली बार कोई टेस्ट खेलेगी। 28 जून से 10 जुलाई तक दोनों के बीच बुलवायो में 2 टेस्ट होंगे। 14 जुलाई से हरारे में ट्राई सीरीज शुरू होगी। जिम्बाब्वे और साउथ अफ्रीका के बीच ही पहला मैच खेला जाएगा। न्यूजीलैंड 16 जुलाई को दौरे पर पहला टी-20 खेलेगी। ट्राई सीरीज का फाइनल 26 जुलाई को हरारे में ही होगा। जिम्बाब्वे में 2018 के बाद पहली बार कोई ट्राई सीरीज होगी। 7 साल पहले पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया ने यहां 3 टीमों की टी-20 सीरीज खेली थी। 30 जुलाई से 11 अगस्त तक कीवी टीम बुलवायो में होम टीम के खिलाफ 2 टेस्ट खेलेगी।

सेमीफाइनल 54वें नंबर के खिलाड़ी थिबॉल्ट पोरेट से 3-1 से सेमीफाइनल में कड़े मुकाबले में हार के साथ खत्म हुआ

मानव ठक्कर का ऐतिहासिक सफर सेमीफाइनल में पोरेट से हार के साथ समाप्त

एजेंसी ■ चेन्नई

मानव ठक्कर का डब्ल्यूटीटी स्टार कंटेंडर चेन्नई 2025 में ऐतिहासिक सफर रविवार को विश्व के 54वें नंबर के खिलाड़ी थिबॉल्ट पोरेट से 3-1 से सेमीफाइनल में कड़े मुकाबले में हार के साथ खत्म हुआ। एक दिन पहले ही डब्ल्यूटीटी स्टार कंटेंडर सेमीफाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय पुरुष खिलाड़ी बनने वाले मानव ने जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में जोश से भरा प्रदर्शन किया और 20 वर्षीय फ्रांसीसी खिलाड़ी को रोमांचक, उच्च तीव्रता वाले मुकाबले में संघर्ष कराया। पहले दो गेम में मामूली अंतर से हारने के बावजूद, राजकोट के 24 वर्षीय खिलाड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीसरा गेम अपने नाम किया और घरेलू दर्शकों को रोमांचित कर दिया। पोरेट का असाधारण रक्षात्मक प्रदर्शन अंततः निर्णायक साबित हुआ और अब उनका सामना दक्षिण कोरिया के ओह जुन-सुंग से खिताबी मुकाबले में होगा। इतिहास में अपना स्थान बनाने के अलावा, मानव ने अपने सनसनीखेज सेमीफाइनल सफर के साथ 210 महत्वपूर्ण डब्ल्यूटीटी रैंकिंग अंक और 4,000 डॉलर (3.42 लाख रुपये) का पर्स हासिल किया। इससे पहले, मानव ने जर्मनी के आंद्रे बर्टेल्समेयर और दक्षिण कोरिया के ओलंपिक पदक विजेता लिम जोंग-हून पर लगातार पांच गेम के रोमांचक मुकाबलों में जीत हासिल की थी और सेमीफाइनल में पहुंचे थे। इस टूर्नामेंट ने अचंत शरत कमल के दो दशक लंबे शानदार करियर का भी अंत किया, जब उन्हें डब्ल्यूटीटी स्टार कंटेंडर चेन्नई 2025 में पुरुष एकल में स्नेहित सुरवज्जुला से राउंड ऑफ 16 में हार का सामना करना पड़ा। अपने पुरुष युगल साथी और भारतीय टेबल टेनिस की सबसे प्रतिभाशाली उभरती प्रतिभाओं में से एक का सामना करते हुए, शरत ने बहादुरी से मुकाबला किया, लेकिन युवा खिलाड़ी ने उन्हें 3-0 से हरा दिया, जिन्होंने तीनों गेम करीबी अंतर से जीतने के लिए उल्लेखनीय संयम और सटीकता का प्रदर्शन किया। दूसरी ओर, पोरेट ने रविवार को क्वार्टर फाइनल में 3-1 की जीत के साथ स्नेहित के सनसनीखेज अभियान को समाप्त कर दिया। महिलाओं के फाइनल में, जापान की होनोका हाशिमोटो का सामना राष्ट्रीय टीम की हमवतन मिवा हरिमोटो से होगा, जबकि पुरुषों का फाइनल महिलाओं के मुकाबले के समापन के बाद होगा।

रोहित अब तीन-चार साल पहले वाले रोहित नहीं रहेः मांजरेकर

अहमदाबाद। पूर्व भारतीय बल्लेबाज संजय मांजरेकर का मानना है कि रोहित शर्मा एक कठिन दौर से गुजर रहे हैं और अब उन्हें हर सुबह अपने आप पर अतिरिक्त जोर देना होगा। आईपीएल 2025 में बीते दिन को गुजरात टाइटंस (जीटी) के खिलाफ मैच में रोहित सिर्फ आठ रन बनाकर आउट हुए। इससे पहले सीजन के अपने पहले मैच में वह चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ चार गेंदों में डक (0) पर आउट हुए थे।

दैनिक सत्ता सुधार
समाचार एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें
विनोद तिवारी
जिला ब्यूरो प्रमुख दमोह
मो. 6266038075

प्रयागराज। प्रयागराज में यमुना नदी पर रेलवे का तीसरा पुल 2031 में लगने वाले कुंभ के पूर्व बन तैयार हो जाएगा। इस पुल को बनाए जाने का उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल ने प्रस्ताव तैयार कर लिया है। पुल की खास बात यह होगी कि इसे जम्मू कश्मीर के चिनाब रेल ब्रिज (स्फेरिकल बेयरिंग पर आधारित) की तकनीक पर बनाया जाएगा। यह पूरी तरह से भूकंपरोधी होगा।

चैत्र नवरात्रि के पहले दिन...

शक्तिपीठ अलोपशंकरी सहित देवी मंदिरों में उमड़े भक्त, गूंजे जयकारे

सत्ता सुधार ■ प्रयागराज

चैत्र नवरात्रि के प्रथम दिन देवी मंदिरों में आदिशक्ति के प्रथम स्वरूप शैलपुत्री के स्वरूप की पूजा अर्चना और श्रृंगार किया गया। सुबह से ही मंदिरों में घंटे और घड़ियाल के गूंजने लगे। भक्तों की लंबी कतार लगी रही। चैत्र नवरात्रि के प्रथम दिन देवी मंदिरों में आदिशक्ति के प्रथम स्वरूप शैलपुत्री के स्वरूप की पूजा अर्चना और श्रृंगार किया गया। सुबह से ही मंदिरों में घंटे और घड़ियाल के गूंजने लगे। भक्तों की लंबी कतार लगी रही। अलोपीबाग में स्थित शक्ति पीठ अलोपशंकरी मंदिर में दर्शन पूजन के लिए भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। भक्तों ने नरियल, चुनरी, पुष्पमाला, कमल, नैवैद्य आदि का अर्पण कर आरती उतारी। मंदिर में दुर्गा सप्तशती और देवी स्त्रोत के मंत्र गूंजते रहे। मंदिर को सुगंधित पुष्पों सजाया गया है। यहां पर दूर-दूर से भक्त दर्शन पूजन करने के लिए आते हैं। यह मंदिर अपनी विशिष्टता के कारण सभी शक्ति पीठों में सबसे पवित्र माना जाता है। माना जाता है कि सती देवी के शरीर का अंतिम भाग इसी स्थान पर गिरा था और वे सांसारिक लोकों से गायब हो गई, इसलिए इसका नाम अलोपी (अर्थात गायब) पड़ा। यह भी माना जाता है कि यह वह स्थान है जहां देवी सती की उंगलियां गिरी थीं।

शिव की नगरी में शक्ति के जयकारे..., मंदिरों में उमड़ी भक्तों की भीड़

वाराणसी के देवी मंदिरों में नवरात्र के प्रथम दिन भक्तों की भीड़ कतारबद्ध होकर मां के दर्शन-पूजन कर रही थी। मंदिरों के बाहर फूल-माला बचने वाले भी देर रात से ही अपनी दुकान लगाकर बैठ गए थे। वहीं, हिन्दू नव वर्ष के अवसर पर आस्थावानों ने मां गंगा और भगवान सूर्य का पूजन किया। काशी में नवरात्र के पहले दिन मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ रही। शाम में कलस स्थापना के साथ पूजन-अर्चन शुरू हो जाएगा। आदिशक्ति के प्रथम स्वरूप मां शैलपुत्री के मंदिरों में भक्तों ने अनुष्ठान के साथ पूजन किए। कतारबद्ध होकर मां का आशीर्वाद प्राप्त किया। भगवान सूर्य के उदित होते ही रविवार को नव संवत्सर के स्वागत में गंगोत्री सेवा समिति और नमामि गंगे ने पतितपावनी मां गंगा की आरती उतारी। दुनिया को वसुधैव कुटुंबकम के मर्म को समझने का संदेश देकर पौ फटते ही विश्वभर को ऊर्जा का आभास कराने वाले सूरज देव को दूध से अर्घ्य दिया। मां गंगा के अर्चकों के साथ सदानीरा सुरसरि के तट पर मानव कल्याण की शांति और पर्यावरण संरक्षण के लिए यज्ञ किया गया। सभी के लिए स्वस्थ रहने और सुखी रहने के साथ समृद्धि प्राप्त करने की कामना की गई। गंगोत्री सेवा समिति के संस्थापक अध्यक्ष पं. किशोरी रमण दुबे ने नव संवत्सर पर जनमानस को बधाई दी। सचिव पं. दिनेश शंकर दुबे ने कहा कि भारतीय नव संवत्सर की शुरुआत गंगा आरती के साथ करना एक शुभ और आध्यात्मिक अनुभव है जो आपको सनातनी वर्ष की शुरुआत मे सकारात्मकता और शांति प्रदान करता है। गंगा आरती मां गंगा की शक्ति और पवित्रता के लिए एक प्रतीकात्मक श्रद्धांजलि है। राजेश शुक्ला ने कहा कि चैत्र शुक्ल प्रतिपदा संस्कृति का अमृत गान है। नव संवत्सर हमें हमारी समृद्ध सांस्कृतिक थाती से परिचित कराने और उसे सहेजने का भी अवसर देता है। नव संवत्सर सृष्टि का स्पंदन है। भारतीय अलौकिक संस्कृति का नूतन वर्ष कल्याणकारी हो इसके लिए हमने प्रार्थना की है। आयोजन में प्रमुख रूप से गंगोत्री सेवा समिति के सचिव पं. दिनेश शंकर दुबे, नमामि गंगे काशी क्षेत्र के संयोजक व नगर निगम के स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडर राजेश शुक्ला, मयंक दुबे, गंगा आरती अर्चक व बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल रहे।

चैत्र नवरात्र पर गोरखपुर में भी मां के मंदिरों में उमड़ रही आस्था

चैत्र नवरात्र का पर्व बहुत ज्यादा शुभ माना जाता है। इस साल यह 30 मार्च यानी आज से शुरू हो रहा है। यह त्योहार गर्मियों की शुरुआत का प्रतीक है। चैत्र नवरात्र का त्योहार मां दुर्गा और उनके नौ दिव्य अवतारों की पूजा के लिए समर्पित है। नवरात्र का पहला दिन मां शैलपुत्री की पूजा के लिए समर्पित है। चैत्र नवरात्र का शुभारंभ रविवार को हो गया। प्रतिपदा तिथि में सुबह से ही माता के विभिन्न मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी है। श्रद्धालु माता शैलपुत्री को नारियल चुनरी अर्पण कर रहे हैं। गोलघर स्थित काली मंदिर में श्रद्धालुओं के भीड़ उमड़ रही है। श्रद्धालु पंक्ति में खड़े होकर जय माता दी की जयकारों के साथ अपनी बारी और मा का दर्शन पूजन कर रहे हैं। मंदिर के बाहर धूप कपूर जलाकर माता से मनोकामना पूर्ति की कामना कर रहे हैं। मंदिर में महिला और पुरुष के लिए अलग-अलग लाइन लगी है। पूजार्चना का सिलसिला पूरे दिन चलता रहेगा। चैत्र नवरात्र का पर्व बहुत ज्यादा शुभ माना जाता है। इस साल यह 30 मार्च यानी आज से शुरू हो रहा है।

नवरात्र : शिव की नगरी में नौ दिनों तक होगी शक्ति की आराधना

शिव की नगरी काशी में मां आदिशक्ति की आराधना शुरू हो गई है। नवरात्र के पावन अवसर पर समस्त देवी मंदिरों में विधि-विधान से कलश स्थापना की गई। घरों में भी साफ-सफाई कर मां की विशेष पूजा की जा रही है। शिव की नगरी काशी में रविवार से अगले नौ दिनों तक शक्ति की आराधना शुरू होगी। श्रीकाशी विश्वनाथ धाम से सभी देवियों के लिए वस्त्र और श्रृंगार अर्पित ही कर दिया गया है। सभी दुर्गा मंदिरों में शनिवार को पूरे दिन तैयारियां होती रहीं। कुछ मंदिरों में भक्तों के लिए बैरिकेडिंग की गई, ताकि भक्तों की भीड़ बढ़ने पर किसी को दर्शन में दिक्कतें न हो। दुर्गाकुंड स्थित देवी मंदिर, माता अन्नपूर्णा मंदिर में देर शाम तक तैयारियां चलती रहीं।

प्रथम मुख निर्मालिका गौरी

वासंतिक नवरात्र के पहले दिन मुख निर्मालिका गौरी का पूजन होता है। इनका विग्रह गायघाट स्थित हनुमान मंदिर में स्थित है। वहीं शक्ति के उपासक पहले दिन शैलपुत्री देवी का पूजन-अर्चन भी करते हैं। शैलपुत्री का मंदिर अलईपुर इलाके में स्थित है।

द्वितीय ज्येष्ठा गौरी

दूसरे दिन ज्येष्ठा गौरी के दर्शन पूजन की मान्यता है। इनका मंदिर कर्णघंटा के सप्तसागर क्षेत्र में स्थित है। नव दुर्गा के पूजा के क्रम में दूसरे दिन शक्ति के उपासक ब्रह्मचारिणी देवी का भी दर्शन-पूजन करते हैं। इनका विग्रह ब्रह्माघाट इलाके में है।

तृतीय सौभाग्य गौरी

तीसरे दिन सौभाग्य गौरी के दर्शन-पूजन का महात्मय है। देवी का विग्रह ज्ञानवापी क्षेत्र स्थित सत्यनारायण मंदिर के अंदर स्थित है। नव दुर्गा के क्रम में तीसरे दिन चंद्रघंटा देवी के दर्शन-पूजन की मान्यता है। इनका मंदिर चौक क्षेत्र में है।

चतुर्थ श्रृंगार गौरी

चौथे दिन श्रृंगार गौरी के पूजन की मान्यता है। इन

भगवती का विग्रह ज्ञानवापी परिसर में स्थित है। शक्ति के उपासक इस दिन कूष्मांडा देवी की आराधना करेंगें। मां दुर्गा का मंदिर दुर्गाकुंड क्षेत्र में स्थित है।

पंचम विशालाक्षी गौरी

पांचवें दिन विशालाक्षी गौरी का दर्शन-पूजन होता है। देवी के इस स्वरूप का विग्रह मीरघाट क्षेत्र में धर्मकूप इलाके में अवस्थित है। शक्ति के उपासक इस दिन स्कंद माता के स्वरूप में विराजित मां बागेश्वरी देवी का पूजन अर्चन करेंगे। देवी का मंदिर जैतपुरा इलाके में स्थित है।

षष्ठं ललिता गौरी

छठें दिन ललिता गौरी के दर्शन-पूजन का महत्व है। भगवती के इस रूप का विग्रह ललिता घाट क्षेत्र में है। नवदुर्गा के दर्शन-पूजन के क्रम में छठवें दिन शक्ति के उपासक कात्यायनी देवी का दर्शन-पूजन करेंगे। देवी का मंदिर संकठा गली में आत्म विशेश्वर मंदिर में है।

सप्तम भवानी गौरी

सातवें दिन भवानी गौरी के दर्शन-पूजन की मान्यता है। देवी के इस रूप का विग्रह विश्वनाथ गली में श्रीराम मंदिर में है। शक्ति के उपासक इस दिन कालरात्रि देवी का पूजन अर्चन करेंगे। कालरात्रि देवी का मंदिर कालिका गली में स्थित है।

अष्टम मंगला गौरी

आठवें दिन माता के गौरी स्वरूप के मंगला गौरी के पूजन-अर्चन का विधान है। इनका मंदिर पंचगंगा घाट इलाके में है। शक्ति के उपासक इस दिन महागौरी की अभ्यर्थना करेंगे। यह मंदिर श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर के समीप माता अन्नपूर्णा के मंदिर के रूप में विख्यात है।

नवम महालक्ष्मी गौरी

नौवें दिन भगवती के गौरी स्वरूप में महालक्ष्मी गौरी के पूजन का महात्मय है। इनका मंदिर लक्सा क्षेत्र में लक्ष्मीकुंड पर स्थित है। शक्ति के उपासक इस दिन शक्ति की अधिष्ठात्री देवी सिद्धदात्री देवी का दर्शन-पूजन करते हैं। इनका मंदिर कालभैरव मंदिर से पहले गोलघर इलाके में स्थित है।

1001 दीपों से जगमगाया दशाश्वमेध घाट

नव संवत्सर की पूर्व संध्या पर दशाश्वमेध घाट 1001 दीपों से जगमगा उठा। गंगा सेवा निधि द्वारा मां गंगा की आरती के दौरान, मंत्रोच्चारण, शंखध्वनि और घंटे-घड़ियाल की आवाज से नव संवत्सर की मंगल कामनाएं की गईं। देश की प्रगति और मंगलकामनाओं की प्रार्थना की गई।

इस दौरान गंगा सेवा निधि के अध्यक्ष सुशांत मिश्रा, कोषाध्यक्ष आशीष तिवारी समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। सोमवार को अस्सी घाट पर नव संवत्सर पर भगवान सूर्य देव सहित मां गंगा की आरती की जाएगी। सुबह के 5:20 बजे से ही कार्यक्रम शुरू हो जाएंगे।

बाल संस्कार आश्रम से निकली भव्य कलश यात्रा

महेशपुर स्थित बाल संस्कार आश्रम में चैत्र नवरात्र के उपलक्ष्य पर नौ दिवसीय श्रीदुर्गा सप्तशती पाठ होगा। इसे लेकर शनिवार सुबह आश्रम से महंत डॉ. प्रेमदास की अगुवाई में भव्य कलश यात्रा निकाली गई। शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्या ने किया। कलश यात्रा में भारी संख्या में महिलाएं कलश लिए चल रहीं थीं जबकि छात्राएं ध्वजा लिए देवी गीत गाते चल रही थीं।

यात्रा महेशपुर से निकलकर आस-पास के क्षेत्रों से गुजरते हुए आश्रम तक पहुंची। इस मौके पर प्रसाद का वितरण भी हुआ। नौ दिवसीय श्री दुर्गा सप्तशती पाठ 30 मार्च से महेशपुर स्थित बाल संस्कार आश्रम में वैदिक ब्राह्मणों द्वारा आश्रम के महंत डॉ प्रेमदास करेंगे।

ब्रीफ न्यूज

बोरे में मिली महिला की लाश,पुलिस कर रही जांच

सीतापुर। सीतापुर में एक महिला की लाश बोरे में मिली। यह बोरा हाईवे से 150 मीटर अंदर जंगल में पड़ा था। लोगों ने देखा तो सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौजूद लोगों से बात करके जानकारी ली। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। यूपी के सीतापुर में रविवार को बोरे में भरी महिला की लाश मिली। लोगों ने देखा तो आसपास के अन्य लोगों को सूचना दी। खबर फैली तो मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करके जानकारी जुटाई। आगे की कार्रवाई की जा रही है। घटना रामपुर मथुरा थाना क्षेत्र के सेतराम के पास की है। यहां हाईवे से करीब 150 मीटर अंदर बोरे में भरी एक लाश पड़ी थी। सुबह करीब 7 बजे लोगों ने देखा। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना करके जानकारी जुटाई। बोरा खोलकर देखा तो महिला की लाश थी। पुलिस लाश की पहचान कराने का प्रयास कर रही है। इसके लिए सभी थानों को जानकारी दी गई है। आसपास के जिलों में सोशल मीडिया का उपयोग किया जा रहा है। अंदेशा जताया जा रहा है कि किसी दूसरे क्षेत्र में हत्या के बाद लाश यहां फेंकी गई है।

संत कबीर नगर में छोटे भाई ने की बड़े भाई की हत्या

संत कबीर नगर। 29 मार्च की रात 12.30 बजे के करीब विनायक पत्नी व बच्चों के साथ घर के बरामदे में सो रहे थे। रात में विक्रम घर पहुंचा तथा घर के बरामदे में सो रहे भाई विनायक त्रिपाठी के सिर पर लाठी से हमला कर दिया। सिर में चोट लगते ही विनायक जोर से चिल्ला उठे। नगर पंचायत बखिरा में स्थित बुंदीपार वार्ड में छोटे भाई ने बड़े भाई को बुरी तरह से लाठियों से पीट दिया। नतीजा यह हुआ कि बड़ा भाई बुरी तरह से घायल हो गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं, आरोपी छोटे भाई को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

रामनवमी पर सूर्य की किरणें करेंगी रामलला का अभिषेक

वैज्ञानिकों ने किया ट्रायल

सत्ता सुधार ■ लखनऊ

रामनवमी के अवसर पर चार मिनट तक सूर्य की किरणें रामलला का अभिषेक करेंगी। इसरो के वैज्ञानिकों ने रविवार को इसका ट्रायल किया। रामजन्मभूमि परिसर में सूर्य तिलक का ट्रायल हुआ। इसरो के वैज्ञानिक छह अप्रैल को सूर्य की किरण भगवान के मस्तक पर लाने के लिए व्यवस्था कर रहे हैं। बीते वर्ष अस्थायी तौर पर रामलला का सूर्य तिलक हुआ था।

अब स्थायी तौर पर वैज्ञानिक मंदिर का निर्माण पूरा होने पर सूर्य तिलक की व्यवस्था कर रहे हैं। रामलला के जन्मोत्सव के मौके पर भगवान के मस्तक का सूर्य अभिषेक होगा। वैज्ञानिकों ने एक मिनट का ट्रायल किया है। इस दौरान सफलतापूर्वक सूर्य की किरणें रामलला का सूर्य

अभिषेक करती नजर आई। रामनवमी को चार मिनट तक भगवान सूर्य रामलला के मस्तक पर तिलक करेंगे।

हिंदू नववर्ष 2082 के उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर उतारी आरती

हिंदू नववर्ष की पूर्व संध्या पर जहां अयोध्या में विभिन्न मंदिरों से झांकी निकाल कर संत, महंत और भक्तों ने रामकोट की परिक्रमा की तो वहीं हिंदू नववर्ष के पहले सूर्योदय पर वैदिक ब्राह्मण और संतों ने नमन किया। रामनगरी में रविवार को नववर्ष के उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर आरती उतार कर स्वागत किया गया। इसमें सैकड़ों की संख्या में मातृशक्ति, वैदिक बटुक और आरएसएस के कार्यकर्ता शामिल रहे। नववर्ष संवत 2082 के स्वागत में महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी के नेतृत्व में सैकड़ों लोगों ने सरयू के तट पर सरयू जल से अर्घ्य देकर उदीयमान सूर्य की आरती उतारी। नववर्ष के स्वागत के दौरान वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सरयू के सुरम्य तट पर खूबसूरत नजारा रहा।

पूरे यूपी में सौहार्द्र से आज मनेगी ईद

लखनऊ की मस्जिदों में इन वक्त पर पढ़ी जाएगी नमाज

सत्ता सुधार ■ लखनऊ

राजधानी लखनऊ में अलग-अलग कमेटियों ने चांद देखने का दावा किया है जिसके आधार पर सोमवार को ईद का त्योहार मनाने की घोषणा की गई है। लखनऊ में चांद कमेटियों ने चांद देखने का दावा किया है। जिसके आधार पर कल ईद का त्योहार मनाए जाने की घोषणा कर दी गई है। लखनऊ में शिया चांद कमेटी के अध्यक्ष मौलाना सैफ अब्बास नकवी ने चांद दिखने की तस्दीक की।

ऐशबाग ईदगाह में महिलाएं भी अदा करेंगी ईद की नमाज : ईद उल फित्र की नमाज बड़ी जमाम ऐशबाग ईदगाह, टीले वाली मस्जिद और बड़ा इमामबाड़ा स्थित आसिफी मस्जिद में अदा की जाएगी। ईदगाह के इमाम मौलाना खालिद रशीद ने कहा, ऐशबाग ईदगाह में इस साल भी ईद की नमाज में शामिल होने के लिए महिलाओं की अलग से व्यवस्था रहेगी। ईदगाह स्थित तैयब हाल में महिलाएं नमाज अदा करेंगी।

यहां पढ़ी जाएगी ईद की नमाज

ऐशबाग ईदगाह - 10 बजे सुबह
आसिफी मस्जिद बड़ा इमामबाड़ा - सुबह 11 बजे
टीले वाली मस्जिद - सुबह 9 बजे
ईदगाह खदरा - सुबह 9:30 बजे
ईदगाह मलेसेमऊ गोमतीनगर - सुबह 8:30 बजे
ईदगाह उजरियांव गोमतीनगर - सुबह 8:30 बजे
ईदगाह राजाजीपुरम - सुबह 7:45 और 8:45 बजे
ईदगाह चिनहट -सुबह 7:30 और 8:30 बजे
शाही ईदगाह नादान महल रोड- सुबह 11 बजे
मस्जिद नदवतुल उलमा - सुबह 8:30 बजे
मस्जिद मदार बख्श डालीगंज - सुबह 6:30 बजे
मस्जिद शाही लाहौरगंज डालीगंज - सुबह 9 बजे

गाजीपुर में तड़तड़ाई गोलियां : बदमाश ने पुलिस पर की फायरिंग

गाजीपुर। बदमाश के आने की सूचना पुलिस को पहले ही मिल चुकी थी। बरेसर और करीमउद्दीनपुर पुलिस ने उसे रोकने का इशारा किया तो वह भागने लगा। हड़बड़ी में गिर भी गया और पुलिस पर फायरिंग करने लगा। पुलिस ने उसे घायलावस्था में गिरफ्तार कर लिया। गाजीपुर के बरेसर और करीमउद्दीनपुर पुलिस टीम की संयुक्त टीम ने मुठभेड़ में एक वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ के दौरान आरोपी के दाहिने पैर में गोली लगी है। इस दौरान उसके कब्जे से एक पिस्टल, 2 खोखा कारतूस और एक कारतूस बरामद हुआ है। थानाध्यक्ष बरेसर संतोष कुमार पाठक व प्रभारी निरीक्षक करीमुद्दीनपुर विरेंद्र कुमार बरवार शिउरी अमहट के पास चेकिंग कर रहे थे। इस दौरान असावर की तरफ से एक संदिग्ध व्यक्ति मोटर साईकिल पर आता हुआ दिखाई दिया। पुलिस के मुताबिक, बाइक सवार को रोकने का इशारा किया गया तो मोटरसाईकिल मोड़कर बलिया की तरफ भागने लगा।

शूटिंग : शशांक और पूजा ने 50 मीटर प्रोन पोजिशन में यूपी को दिलाया गोल्ड

सत्ता सुधार ■ वाराणसी

वाराणसी के विभिन्न स्थानों पर खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। खिलाड़ियों ने जिले के बाहर भी जाकर अपना शानदार प्रदर्शन किया। अव्वल खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। दर्शकों और अतिथियों ने उनका मनोबल बढ़ाया। मध्य प्रदेश के इंदौर में खेली गई अखिल भारतीय पुलिस शूटिंग चैंपियनशिप में काशी के दो शूटरों ने स्वर्णिम निशाना लगाया है। पुरुष वर्ग में शशांक त्रिपाठी और महिला वर्ग में और पूजा वर्मा ने स्वर्ण पदक जीता है। 18वीं अखिल भारतीय पुलिस निशानेबाजी प्रतियोगिता 24 से 29 मार्च तक हुई। उत्तर प्रदेश पुलिस टीम के खिलाड़ियों ने 14 पदक जीते। शशांक ने 50 मीटर राइफल प्रोन पोजिशन में 600 में से 593 अंक प्राप्त कर यूपी को स्वर्ण दिलाया। काशी की पूजा वर्मा ने 50 मीटर राइफल प्रोन पोजीशन टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक हासिल किया। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) इंदौर मध्य प्रदेश में सेंट्रल स्कूल ऑफ वेपंस एंड टैक्टिक्स (सीइसडब्लूटी) के रेवती शूटिंग रेंज में मुकाबले हुए। 67वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी में शशांक ने यूपी पुलिस का प्रतिनिधित्व कर पदक जीता था।

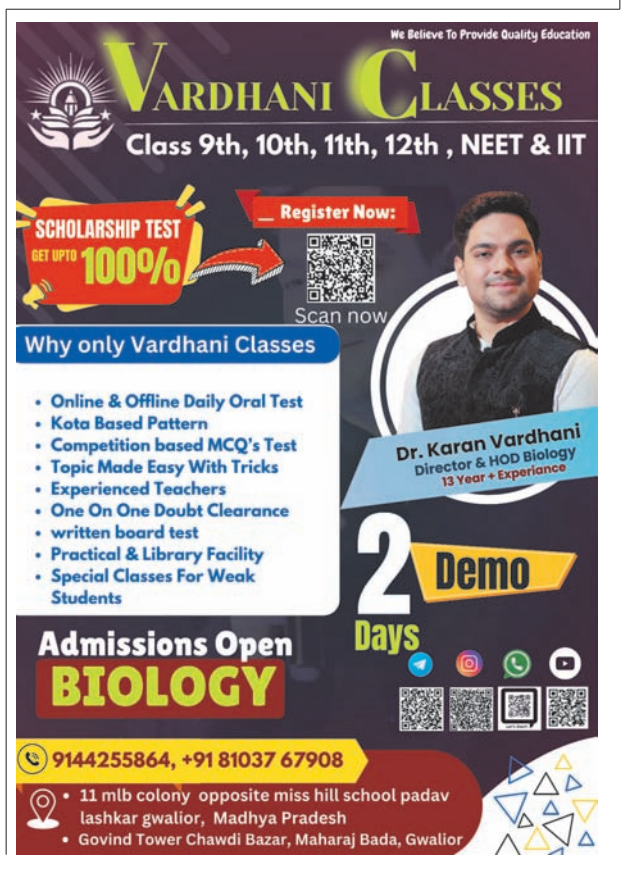

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक गोपाल श्रीवास्तव के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, बाराघाटा इंडस्ट्रीयल एरिया प्लाट नं. 12ए झांसी रोड़ ग्वालियर से मुद्रित एवं रामतलाई हनुमान मंदिर के पास शिवपुरी रोड श्योपुर से प्रकाशित। संपादक - गोपाल श्रीवास्तव। **मोबाईल न. 9893126900, 7869966100,** फोन- फोन- 0751-4922849, भोपाल ऑफिस-0755-4002626, 4939910, आरएनआई नं. एमपीएचआईएन/2006/17513, विधिक सलाहकार श्री राजेंद्र जैन, एडवोकेट। **शिकायत एवं सुझाव हेतु संपर्क करें-6261052058, ई मेल- sattasudhar@gmail.com*** समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार।